●वर्ष : 16 ●अंक : 198 ●मूल्य : 02 रूपया मात्र पृष्ठ : 08
RNI No. DELHIN/2008/23928

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen . (9315755133 / ya email Karen) angenpharmaceuticals@gmail.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

शुक्रवार 08 नवम्बर 2024

संक्षिप्त समाचार

काशी की देव दीपावली को भव्यता का स्वरूप दे रही योगी सरकार

वाराणसी। योगी सरकार सनातन धर्म की आभा को पूरे विश्व में प्रसारित रही है। अयोध्या के दीपोत्सव के बाद काशी की देव दीपावली को भव्य बनाने की तैयारी की जा रही है। देव दीपावली पर संस्कृति, विरासत और परंपरा के संरक्षण के साथ ही अब आधुनिकता का समावेश भी दिखेगा। योगी सरकार काशी के ऐतिहासिक घाट की दीवार पर सनातन धर्म के अभिन्न अध्यायों का 3डी प्रोजेक्शन के जरिए चित्रण करेगी। प्रक्रिया के अंतर्गत, चेत सिंह घाट पर 3डी प्रोजेक्शन मैपिंग लेजर शो के माध्यम से आधे घंटे का शिव महिमा व मां गंगा के अवतरण पर आधारित शो का आयोजन होगा । योगी सरकार प्रांतीय मेले में शुमार करके देव दीपावली की भव्यता और बढ़ा दी है। प्राचीन संस्कृति की परंपरागत आयोजन और आधुनिकता के तालमेल ने देव दीपावली का आकर्षण पूरे विश्व में और बढ़ा दिया है। पर्यटन विभाग के डिप्टी डायरेक्टर राजेंद्र कुमार रावत ने बताया कि चेत सिंह घाट पर 3 डी प्रोजेक्शन मैपिंग लेजर शो आयोजित होगा। ये शो माँ गंगा के अवतरण और भगवान शिव की महिमा पर आधारित होगा।

देश भर में छठ व्रतियों ने डूबते हुए सूर्य को दिया अर्घ्य

पटना से लेकर दिल्ली तक घाटों पर दिखी रौनक

नूना न्यूज एजेंसी

नई दिल्ली। देश के अलग-अलग हिस्सों में आज छठ महापर्व के तहत तीसरे दिन डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया गया। इस दौरान अलग-अलग हिस्सों में घाटों पर शानदार नजारा देखने को मिला। गुवाहाटी, कोलकाता, भागलपुर, पटना, वाराणसी, गोरखपुर, लखनऊ, दिल्ली, पंजाब, मुंबई, हैदराबाद, चेन्नई समेत देश के तमाम बड़े शहरों में आज छठ पूजा मनाया गया। कल उगते सूर्य के अर्घ्य के साथ ही चार दिवसीय चलने वाला यह महापर्व खत्म हो जाएगा। छठ पूजा को लेकर राष्ट्रपति प्रधानमंत्री सहित तमाम बड़े नेताओं ने देशवासियों को शुभकामनाएं भी दी थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को देशवासियों को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं और सभी के सुख व समृद्धि की कामना की। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, छठ के संध्या अर्घ्य के पावन-पुनीत अवसर पर आप सभी को मेरी असीम शुभकामनाएं। सादगी, संयम, संकल्प और समर्पण का प्रतीक यह महापर्व हर किसी के जीवन में सुख-समृद्धि और सौभाग्य लेकर आए। जय छठी मइया! यह त्यौहार कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि और दिवाली के छह दिन बाद शुरू होता है। संबलपुर में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने छठ पूजा की। भाजपा सांसद मनोज तिवारी और उनके परिवार के सदस्य दिल्ली में अपने आवास पर छठपूजा का अनुष्ठान करते हुए। अमेरिका के वर्जीनिया प्रांत में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के सदस्य छठ पूजा मनाने के लिए अपने दोस्तों और परिवार के साथ एकत्र हुए। चार दिवसीय पर्व पांच नवंबर को नहाय खाय अनुष्ठान के साथ शुरू हुआ था। दूसरे दिन, बुधवार को व्रतियों ने खरना किया। दिल्ली में छठ पूजा के तीसरे दिन आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल छठ पूजा का अनुष्ठान किया। उन्होंने कहा कि छठी मैया ढेर सारी खुशियाँ दें, आशीर्वाद दें। मैं अभी अपने विधानसभा में छठी मैया की पूजा करने आया हूं। मैंने सबके साथ पूजा की। दिल्ली सरकार ने दिल्ली में 1000 से ज्यादा जगहों पर छठ पूजा का आयोजन किया है। हमारी सरकार बनने से पहले 200-250 जगहों पर इसका आयोजन होता था। लेकिन जनता की सुविधा के लिए हमने दिल्ली में कई जगहों पर कार्यक्रम आयोजित किया है और मुझे बहुत खुशी है। बीजेपी सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि सभी को छठ पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। छठी मैया की कृपा आप सभी पर बनी रहे, आपका जीवन सुख, शांति और समृद्धि से भरपूर रहे, यही मेरी कामना है। दिल्ली की सीएम आतिशी ने कहा कि मैं सभी पूर्वांचली भाइयों-बहनों और दिल्ली के सभी निवासियों को छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं देना चाहता हूं। आज दिल्ली में छठ का त्योहार धूमधाम से मनाया जा रहा है। दिल्ली सरकार की ओर से दिल्ली के कोने-कोने में छठ घाट बनाए गए हैं। आज मैंने दिल्ली के सभी लोगों की समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य के लिए छठी मैया और भगवान भास्कर से प्रार्थना की है। दिल्ली सरकार दिल्ली के सभी हिस्सों में ऐसे छठ घाट बनवाती है ताकि हमारे पूर्वांचली भाई-बहनों को कभी यह महसूस न हो कि वे अपने घर से दूर हैं।

ज्वलंत मुद्दा

सम्पादकीय

पाकिस्तान की राह पर कनाडा ?

कनाडा में जिस तरीके से खालिस्तानी अलगाववादियों व आतंकी तत्वों को खुल कर मनमानी करने का अधिकार मिलता जा रहा है और इस पर वहां की सरकार मौन साधे बैठी है उससे लगने लगा है कि दुनिया में पाकिस्तान के बाद कनाडा ऐसा देश है जो आतंकवाद को आतंकवाद को अपनी स्टेट पॉलिसी में शामिल करता जा रहा है। अपने राजनीतिक स्वार्थों की खातिर कनाडा की ट्रुडो सरकार गुड टेरोरिज्म-बैड टेरोरिज्म का भेद करने की गलती कर रही है। कनिष्क विमान जैसी भयंकर आतंकी हमले की तपिश झेल चुके कनाडा को बहुत ही जल्द खालिस्तानी आतंकी भस्मासुर बने नजर आ सकते हैं, क्योंकि पाकिस्तान इसकी उदाहरण है कि दूसरों के घरों चिंगारी फेंकने वालों के खुद के घर में आग कैसे लगती है। कनाडा में खालिस्तानी गतिविधियां बढ़ती जा रही हैं और इससे वहां रह रहा भारतीय समुदाय विशेषकर हिन्दू समाज इससे सर्वाधिक पीड़ित नजर आरहा है। तीन नवम्बर को वहां ब्रैम्पटन के मन्दिर में खालिस्तान के समर्थकों द्वारा हिन्दू मन्दिर में घुसकर लोगों के साथ हिंसा की गई। वहां परिवार सहित आए निहत्थे लोगों पर खालिस्तानी प्रदर्शनकारियों ने लाठियां बरसाईं और आरोप है कि पुलिस के कुछ जवानों ने भी हिंसक भीड़ का साथ दिया। कनाडा में हिन्दू मंदिरों को निशाना बनाने की यह कोई पहली घटना नहीं है। इसी वर्ष जुलाई में एडमॉण्टन में स्वामीनारायण मन्दिर में तोडफोड़ की गई थी। मन्दिर के गेट और पीछे की दीवार पर भारत विरोधी और खालिस्तान समर्थक पोस्टर चिपका दिए गए थे। इस पर आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की तस्वीर भी लगी थी। सरी वेंकुवर का लक्ष्मी नारायण मन्दिर ब्रिटिश कोलम्बिया प्रांत का सबसे पुराना और सबसे बड़ा हिन्दू मन्दिर है। यहां भी पिछले साल तोडफोड़ हुई थी। 2023 में विण्डसर में एक हिन्दू मन्दिर को क्षतिग्रस्त किया गया था, जिसकी व्यापक निन्दा हुई और कनाडाई और भारतीय दोनों अधिकारियों ने कार्रवाई की मांग की थी।

SYED ZAKI HAIDER
(EDITOR / PUBLISHER CUM MANAGING DIRECTOR OF NAI UMMEED NEWS AGENCY
MOBILE NO. 9911371802
EMAIL SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

पेपर लीक मामले पर घिरी हेमंत सोरेन सरकार

अमित शाह ने किया एसआईटी बनाकर जांच कराने का वादा

नूना न्यूज एजेंसी

झारखंड। की हेमंत सोरेन की अगुवाई वाली जेएमएम गठबंधन सरकार के लिए विधानसभा चुनाव जीतने की राह मुश्किल होती जा रही है। दरअसल, प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (खरउ) से जुड़ी गड़बड़ियों के मुद्दे पर सरकार बुरी तरह घिरी हुई है। इन मुद्दों पर सरकार जनता को जवाब नहीं दे पा रही है। हाल ही में, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह झारखंड दौरे पर आये थे। इस दौरान उन्होंने परीक्षा पेपर लीक का मुद्दा उठाकर सत्ताधारी जेएमएम पर निशाना साधा। इसी के साथ शाह ने जनता से वादा किया कि अगर राज्य में उनकी पार्टी की सरकार बनती है तो एसआईटी द्वारा इन मामलों की जांच होगी और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी झारखंड की जनता को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा, 'परीक्षा के 11 से ज्यादा पेपर लीक हुए, मगर हेमंत बाबू खामोश हैं क्योंकि पेपर लीक कराने वाले उन्हीं के चट्टे-बट्टे हैं। आपने भले संरक्षण दिया, मैं कहकर जाता हूं, हम एसआईटी बनाकर पेपर लीक करने वालों को जेल की सलाखों के पीछे बांधने का काम करेंगे।

हेमंत सरकार के रवैए पर उठे कई सवाल

हेमंत सरकार द्वारा हाल ही में पेपर लीक मामले से निपटने के तरीके पर सवाल उठ रहे हैं। यह झारखंड के लोगों की आस्था से जुड़ा मामला है। सरकार द्वारा अपनाए गए दृष्टिकोण की कड़ी आलोचना की गई है। कई लोगों का तर्क है कि अगर जेएमएम सरकार ने परीक्षा सुरक्षा को प्राथमिकता दी होती, तो ऐसी घटनाओं से बचा जा सकता था। यह भी आरोप लगाया गया है कि सरकार ने झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की भर्ती परीक्षाओं में संदिग्ध अनियमितताओं को नजरअंदाज किया।

ब्रीफ न्यूज

हरदोई में सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत

हरदोई, हरदोई में डीसीएम (ट्रक) ने ऑटो को रौंद दिया। हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई, 4 गंभीर हैं। मरने वालों में 6 महिलाएं और 2 बच्चे भी हैं। टक्कर इतनी तेज थी कि ऑटो उछलकर दूर जा गिरा। पूरी छत उड़ गई। अंदर बैठी सवारियां बाहर आ गिरीं। सड़क पर लाशें बिखर गईं। हादसा बुधवार दोपहर बिलग्राम थाना के रोशनपुर गांव के पास हुआ। पुलिस का कहना है- ऑटो बिलग्राम की तरफ जा रहा था। अचानक बेकाबू होकर सड़क पर पलट गया, तभी सामने से आ रहे डीसीएम ने ऑटो को रौंद दिया।

दिल्ली में यमुना किनारे नहीं होगी छठ पूजा

नई दिल्ली, दिल्ली हाईकोर्ट ने यमुना तटों में छठ पूजा मनाने की परमिशन देने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने बुधवार को कहा कि नदी का पानी बहुत प्रदूषित है। इसमें पर्व मनाने से लोगों की सेहत बिगड़ सकती है। चीफ जस्टिस मनमोहन और जस्टिस तुषार राव गेडेला की बेंच ने कहा कि दिल्ली में 1000 जगहों पर छठ मनाने के इंतजाम किए गए हैं, वहां जाकर लोग पर्व मना सकते हैं। याचिका पूर्वांचल नव निर्माण संस्थान ने दायर की थी। जिसमें कहा गया था कि छठ पूजा पर लगा बैन हटाना चाहिए।

भड़काऊ भाषण देने पर मिथुन पर एफआईआर

कोलकाता, अभिनेता से भाजपा नेता बने मिथुन चक्रवर्ती के खिलाफ कोलकाता में भड़काऊ भाषण देने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। मिथुन चक्रवर्ती पर पिछले महीने उत्तर 24 परगना जिले में एक पार्टी कार्यक्रम के दौरान कथित रूप से भड़काऊ भाषण देने का इल्जाम है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मिथुन के खिलाफ शिकायत 27 अक्टूबर को साल्ट लेक क्षेत्र में ईजेडसीसी में भाजपा के एक कार्यक्रम में उनके द्वारा दिए गए भाषण से संबंधित है, जिसके आधार पर पुलिस ने केस दर्ज किया है।

हायर एजुकेशन लोन पर 75 प्रतिशत क्रेडिट गारंटी मिलेगी, 22 लाख छात्रों को फायदा

पीएम विद्यालक्ष्मी योजना को कैबिनेट की मंजूरी- 8 लाख रुपए सालाना आय वाले परिवार के बच्चों को 10 लाख रुपए तक के लोन पर 3 प्रतिशत ब्याज अनुदान मिलेगा

नई दिल्ली

मोदी कैबिनेट की बैठक में पीएम विद्यालक्ष्मी योजना को मंजूरी दे दी गई। इसमें हायर एजुकेशन के लिए 7.5 लाख रुपए तक के लोन पर भारत सरकार 75 प्रतिशत क्रेडिट गारंटी देगी। 8 लाख रुपए सालाना आय वाले परिवार के बच्चों को 10 लाख रुपए तक के लोन पर 3 प्रतिशत ब्याज अनुदान भी दिया जाएगा। 4.5 लाख रुपए तक की सालाना आय वाले छात्रों को पहले से पूर्ण ब्याज अनुदान मिल रहा है। इस योजना के दायरे में देश के प्रमुख 860 हायर एजुकेशन सेंटर्स के 22 लाख से अधिक छात्र आएंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में कहा गया- इस योजना का उद्देश्य मेधावी छात्रों को सहायता प्रदान करना है, ताकि उनकी पढ़ाई में पैसा बाधा न बने। पीएम विद्यालक्ष्मी योजना राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 का ही विस्तार है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से विकसित इस कार्यक्रम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा संस्थानों (क्यूएचईआई) में प्रवेश लेने वाले छात्र ट्यूशन फीस और पाठ्यक्रम से संबंधित खर्चों को कवर करने के लिए संपार्श्विक-मुक्त, गारंटर-मुक्त ऋण प्राप्त कर सकें। जो एक डिजिटल, पारदर्शी और छात्र-अनुकूल प्रणाली के माध्यम से होगा। यह कार्यक्रम शीर्ष स्तरीय शैक्षणिक संस्थानों को फोकस करता है, जिनकी पहचान एनआईआरएफ रैंकिंग में हैं। इसमें समग्र रूप से शीर्ष 100, श्रेणी-विशिष्ट और डोमेन-विशिष्ट रैंकिंग में स्थान पाने वाले सरकारी और निजी दोनों संस्थान शामिल हैं। 101-200 रैंक वाले राज्य सरकार के संस्थान और सभी केंद्र सरकार के संस्थान भी पात्र हैं। एनआईआरएफ रैंकिंग के आधार पर वार्षिक अपडेट में वर्तमान में 860 क्यूएचईआई शामिल हैं, जिससे संभावित रूप से 22 लाख से अधिक छात्रों को लाभ होगा।

पीएम विद्यालक्ष्मी योजना क्या है?

पीएम विद्यालक्ष्मी योजना के लिए सरकार ने 2024-25 से 2030-31 के लिए 3,600 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, जिसका लक्ष्य नई योजना के साथ 7 लाख नए छात्रों की सहायता करना है। नई योजना का उद्देश्य घरेलू संस्थानों में उच्च शिक्षा के लिए 10 लाख रुपये तक का ऋण प्रदान करना है। इस योजना में हर साल एक लाख छात्रों के लिए 3 प्रतिशत ब्याज सब्सिडी और ई-वाउचर शामिल होंगे। इसकी घोषणा वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने केंद्रीय बजट भाषण में की थी।

कैसे मिलेगा योजना का लाभ

छात्र सभी बैंकों में आवेदन प्रक्रिया का उपयोग करके एकीकृत पीएम-विद्यालक्ष्मी पोर्टल के माध्यम से ऋण और ब्याज लाभ के लिए आवेदन कर सकते हैं। ब्याज सहायता भुगतान ई-वाउचर और सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) वॉलेट के माध्यम से संसाधित किए जाएंगे। पीएम विद्यालक्ष्मी योजना केंद्र की मोदी सरकार की एक नई पहल है। जो उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले योग्य विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

प्रदेश की 1.12 लाख लोकेशन में से 3% पर प्रॉपर्टी रेट 0.94% बढ़े

केंद्रीय मूल्यांकन समिति के पास भेजे गए थे प्रस्ताव, फिलहाल भोपाल का प्रस्ताव होल्ड पर रखा, जनप्रतिनिधियों से चर्चा के बाद होगा लागू

भोपाल

मप्र के विभिन्न जिलों में साढ़े तीन हजार लोकेशन पर प्रॉपर्टी के रेट बढ़ा दिए हैं। कलेक्टर्स ने 1 लाख 12 हजार लोकेशन पर प्रॉपर्टी पर स्टांप ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन शुल्क सरकार की आमदनी बढ़ाने के लिए भेजे थे। केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड की बैठक में इनको मंजूरी दे दी है। पहली बार केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड द्वारा जिला मूल्यांकन समितियों से प्राप्त गाइडलाइन प्रस्तावों को अनुमोदन के बाद प्रभावशील किए जाने के संबंध में निर्देश, परामर्श के लिए शासन को भेजे जाने का भी निर्णय लिया गया। केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड महानिरीक्षक पंजीयन ने बैठक की अध्यक्षता की।

केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड ने भोपाल की कलेक्टर गाइडलाइन को होल्ड पर रखा है। जनप्रतिनिधियों से चर्चा के बाद इस पर निर्णय होगा। वहीं, भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लागू विधानसभा चुनाव आदर्श आचार संहिता के कारण श्योपुर एवं सीहोर जिले को छोड़कर शेष समस्त समितियों द्वारा प्रेषित प्रस्ताव का परीक्षण किया गया। वर्ष 2024-25 की शेष अवधि के लिए गाइडलाइन तैयार करते समय ऐसी समस्त लोकेशन जहां गाइडलाइन दरें वास्तविक दरों से काफी कम हैं और जहां गाइडलाइन मूल्य से अधिक मूल्यों पर दस्तावेज पंजीबद्ध हो रहे हैं, ऐसी लोकेशनों पर रेट बढ़ाए गए हैं। विभिन्न मापदंडों जैसे टाउन एंड कंट्री प्लानिंग के नवीन ले-आउट, अकृषिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन की जानकारी, उपलब्ध डाटा के आधार पर डाटा एनालिटिक्स, एआई एवं जिले के स्थानीय सर्वे आदि के विश्लेषण उपरांत जिलों से प्राप्त प्रस्तावों का केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया है।

चुनाव की आचार संहिता के चलते श्योपुर और सीहोर में नहीं हुआ बदलाव

कहां कितने लोकेशन पर प्रॉपर्टी रेट बढ़े

प्रदेश की लगभग 1.12 लाख गाइडलाइन लोकेशन में से 3 प्रतिशत लोकेशन पर 0.94 प्रतिशत की वृद्धि की अनुमति दी गई। जानकारी के मुताबिक इंदौर में 9 फीसदी लोकेशन पर 3 प्रतिशत और ग्वालियर में 6 फीसदी लोकेशन पर 2 फीसदी व जबलपुर में 7 फीसदी लोकेशन पर 2.50 फीसदी तक रेट बढ़ाए गए हैं।

फैसला सुप्रीम कोर्ट ने 2017 का फैसला बरकरार रखा, कहा- यह रोजी-रोटी से जुड़ा मुद्दा

कार के लाइसेंस पर 7500 किलो व्हीकल चलाने पर रोक नहीं

नई दिल्ली, सुप्रीम कोर्ट ने कार के लाइसेंस यानी लाइट मोटर व्हीकल (एलएमवी) लाइसेंस होल्डर्स को 7,500 किलो तक वजन वाली गाड़ियां चलाने की परमिशन दे दी है। बुधवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि ऐसा कोई डेटा नहीं है, जो साबित करता हो कि एलएमवी ड्राइविंग लाइसेंस होल्डर्स देश में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं के लिए जिम्मेदार हैं।

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुआई वाली 5 जजों की बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा कि यह मुद्दा एलएमवी ड्राइविंग लाइसेंस रखने वाले ड्राइवरों की रोजी-रोटी से जुड़ा है। कोर्ट ने केंद्र से कानून में संशोधन प्रक्रिया जल्द पूरी करने को भी कहा। सुप्रीम कोर्ट का फैसला बीमा कंपनियों के लिए झटका माना जा रहा है। बीमा कंपनियां हादसों में एक निश्चित वजन के ट्रांसपोर्ट व्हीकल के शामिल होने और नियम मुताबिक ड्राइवरों को उन्हें चलाने के लिए अधिकृत न होने पर क्लेम खारिज कर रही थीं।

पीएमएलए के तहत केस चलाने से पहले लेनी होगी सरकार से इजाजत

सुप्रीम कोर्ट ने पीएमएलए से जुड़े एक मामले में महत्वपूर्ण टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि सरकारी अधिकारियों और जजों के खिलाफ उनकी पब्लिक ड्यूटी के दौरान हुए कथित अपराध के मामले में उन पर पीएमएलए (मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) के तहत तहत केस चलाने के लिए सरकार से मंजूरी लेनी होगी। सीआरपीसी की धारा-197 (1) के तहत प्रावधान है कि सरकारी कर्मी के खिलाफ केस चलाने के लिए सरकार के संबंधित अथॉरिटी से मंजूरी लेनी होती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सीआरपीसी का यह प्रावधान पीएमएलए केस में भी लागू होता है। सुप्रीम कोर्ट में तेलंगाना हाई कोर्ट के फैसले को ईडी ने चुनौती दी थी। जिसमें हाई कोर्ट ने एक आईएएस अधिकारी के खिलाफ बिना स्वीकृति के केस चलाए जाने को खारिज कर दिया था। हाई कोर्ट के फैसले को ईडी ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एएस ओका की अगुवाई वाली बेंच ने ईडी की अर्जी खारिज कर दी।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा

- एलएमवी और ट्रांसपोर्ट व्हीकल अलग-अलग वर्ग नहीं हैं। दोनों के बीच ओवर लैप मौजूद है। कानून को व्यावहारिक और काम में आने योग्य बने रहना चाहिए।
- खतरनाक सामान ले जाने वाले वाहनों पर विशेष पात्रता लागू रहेगी।
- सड़क हादसों के पीछे लापरवाही से और तेज स्पीड में गाड़ी चलाना, सड़क का डिजाइन और ट्रैफिक रूल्स का उल्लंघन शामिल है। इसके अलावा ड्राइविंग करते समय मोबाइल का इस्तेमाल, सीट बेल्ट न लगाना और हेलमेट न पहनना भी दुर्घटना का कारण बनते हैं।

भागवत बोले, संतों की रक्षा के लिए शस्त्रों की जरूरत

चित्रकूट

चित्रकूट में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा- संतों के कार्य में कोई बाधा न आए, इसलिए संघ का काम है कि डंडा लेकर संतों की रक्षा करे। कुछ ताकतें भारत को दबाने का प्रयास कर रहीं, लेकिन सत्य कभी दबता नहीं।

संत और संघ में बहुत अधिक अंतर नहीं है। भागवत ने इसे स्पष्ट करते हुए कहा, संत मंदिर के भीतर रहकर पूजा करते हैं, जबकि संघ के कार्यकर्ता बाहर रहकर उनकी सुरक्षा में लगे रहते हैं। सत्य का समय आता है तो वह सिर चढ़कर बोलता है। हमें शस्त्रों की आवश्यकता है। साथ ही धारण करने वालों में राम जैसे विचार भी होने चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख ने कहा कि संतों के दिव्य विचार सुनने के बाद उनकी बात कड़वे चूर्ण की तरह हैं, पर इसी से जीवन में सुधार आता है। भागवत रामकिंकर शताब्दी समारोह के लिए दो दिवसीय दौरे पर चित्रकूट में हैं।

छठ महापर्व के मौके पर सीएम आतिशी ने पूर्वांचली भाई-बहनों के साथ की भगवान भास्कर और छठी मइयाँ की पूजा

सीएम आतिशी अपने निर्वाचन क्षेत्र कालकाजी विधानसभा में आयोजित छठ महापर्व के कार्यक्रमों में हुई शामिल

नई दिल्ली। 07 नवंबर, 2024 दिल्ली में रह रहे पूर्वांचल के लोगों के सबसे महत्वपूर्ण पर्व छठ पूजा में शामिल होकर सीएम आतिशी ने श्रद्धालुओं की खुशी को कई गुना बढ़ा दिया। सीएम आतिशी अपने निर्वाचन क्षेत्र कालकाजी विधानसभा में आयोजित छठ पूजा के कार्यक्रम में शामिल हुए और पूर्वांचली भाई-बहनों व माताओं के साथ मिलकर भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर छठी मैया की पूजा की। इस दौरान सीएम ने छठ महापर्व की शुभमकामनाएं एवं बधाई देते हुए कहा कि,"दिल्ली में आज छठ का त्यौहार धूमधाम से मनाया जा रहा है। दिल्ली के हर हिस्से में दिल्ली सरकार द्वारा भव्य छठ घाट बनाए गए है। उन्होंने कहा कि, "अरविंद केजरीवाल जी के मार्गदर्शन में दिल्ली सरकार ने हमेशा पूर्वांचल के हमारे भाइयों-बहनों के लिए पिछले 10 साल से दिल्ली के कोने कोने में शानदार छठ घाट बना रहे है। ताकि हमारे पूर्वांचली भाइयों-बहनों को कभी ऐसा नहीं लगे कि वो अपने गाँव से दूर है। छठ का वो त्यौहार

दिल्ली में वो उसी धूम धाम से मना सके। उन्होंने कहा कि, दिल्ली पूर्वांचली भाई-बहनों का घर है और उनकी वजह से छठ का ये त्यौहार आज सिर्फ. पूर्वांचल नहीं बल्कि सभी दिल्लीवासियों का त्यौहार है। जिसे हम सब धूमधाम से मानते है। सीएम आतिशी ने कहा कि, मैं छठी मैया और भगवान भास्कर से प्रार्थना करती हूं कि वो सभी दिल्लीवालों को खूब खुशियां दें, सुख समृद्धि और बेहतर स्वास्थ्य का आशीर्वाद दें। गुरुवार को दिल्ली में चारों तरफ छठ महापर्व की धूम रही है। हर तरफ छठ महापर्व को लेकर लोगों में उत्साह का माहौल दिखा। शाम को व्रतियों ने डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए प्रार्थना की। दिल्ली सरकार ने इस साल एक हजार से ज्यादा भव्य छठ घाटों का निर्माण करवाया है, ताकि दिल्ली में रहने वाले पूर्वांचल लोग सभी सुविधाओं के साथ छठ महापर्व धूमधाम से मना सकें। दिल्ली सरकार की तरफ से छठ पूजा को सकुशल संपन्न कराने के लिए इन घाटों पर सभी आवश्यक इंतजाम किए गए है।

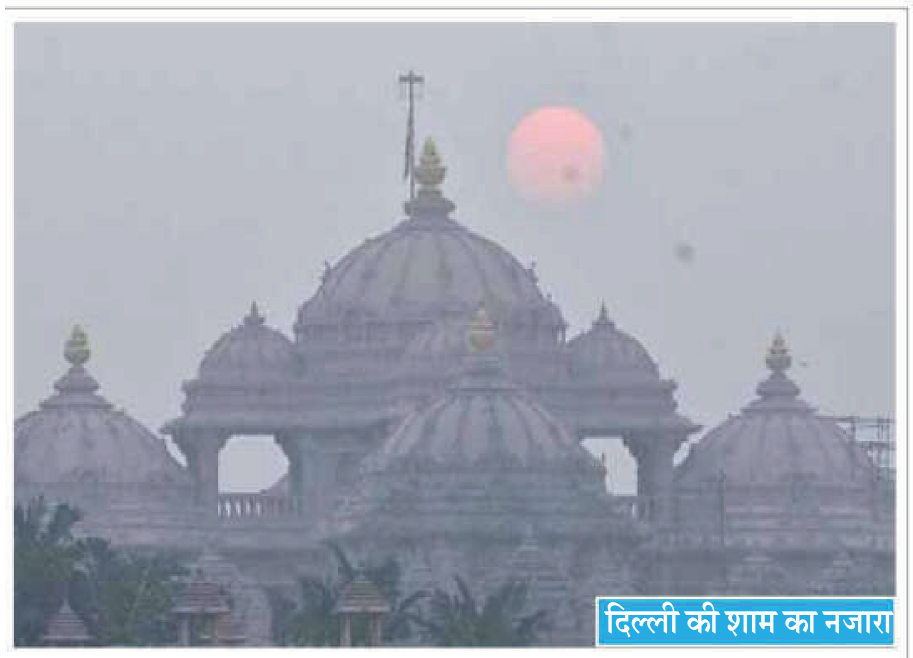

राजधानी दिल्ली देश का सबसे प्रदूषित शहर।

जमीयत अहले हदीस का राम लीला मैदान में दो दिवसीय धार्मिक सम्मलेन

प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में प्रेस कॉन्फ्रेंस, मुल्क में भाई चारा और नफरत के उन्मूलन पर जोर

>> प्रोग्राम का उद्देश्य देश दुनिया से नफरत, आतंकवाद और अन्याय को खत्म करना है: असगर अली इमाम मेंहदी

>> बहुलवादी समाज में अविश्वास की महामारी आम होती जा रही है: असगर अली मेंहदी

अब्दुल हफीज

नई दिल्ली। आज के प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में जमीयत अहले हदीस की ओर से एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। पत्रकारों से खचाखच भरे कॉन्फ्रेंस हॉल में जमीयत अहल हदीस के अमीर मौलाना असगर अली इमाम मेंहदी सलफी ने रामलीला मैदान में जमीयत अहल हदीस की ओर से "मानवता का सम्मान और विश्व धर्म" शीर्षक से 33वें अखिल भारतीय अहल हदीस सम्मेलन की तैयारियों के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर उन्होंने देश को खुशखबरी सुनाते हुए ऐलान किया कि इस बार हरम के इमाम तशरीफ ला रहे हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय मुसलमानों का सबसे पुराना धार्मिक और कल्याणकारी संगठन, जमीयत अहले हदीस हिंद, अपनी स्थापना के बाद से उच्च लक्ष्यों और हितों के प्रचार, संरक्षण और उपलब्धि को प्राथमिकता के रूप में सुनिश्चित करने का प्रयास करता रहा है । इस ने अपनी सभी गतिविधियों और सेवाओं तथा प्रत्येक अखिल भारतीय अहल अ ल - ह दी स सम्मेलन, राष्ट्रीय सेमिनार और संगोष्ठी की नींव का सिद्धांत शांति की स्थापना, मानवता , भाईचारे को बढ़ावा देना, सहिष्णुता और राष्ट्रीय एकता की स्थिरता, महिलाओं और बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा, वंचित वर्गों के कल्याण, आतंकवाद के खात्मे और सामाजिक बुराइयों के उन्मूलन पर रखा जो हर भारतीय और देशवासी के दिल की आवाज है । उन्होने आगे कहा कि वैश्विक स्तर पर मानवता के प्रति सम्मान के मुद्दे को जान-बूझकर या अनजाने में नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है और जिस तरह से विभिन्न भावनात्मक नारों और भड़काऊ बयानों के माध्यम से मानव जीवन और संपत्ति, सम्मान और प्रतिष्ठा और धर्म और बुद्धि का शोषण किया जा रहा है, बड़ा ही खतरनाक है। बहुलवादी समाज में अविश्वास की महामारी आम होती जा रही है, जो चौतरफा नुकसान का अग्रदूत है और मानवता के लिए बहुत बड़ी क्षति है। मानवीय भाईचारा, स्नेह-प्रेम, राष्ट्रीय एवं मानवीय साम्प्रदायिक सौहार्द खराब हो रहा है। अन्यायपूर्ण हत्याएं, मॉब लिंचिंग, बलात्कार, मासूम बेटियों के साथ भी क्रूरता, सामाजिक और आर्थिक शोषण, अपने ही देशवासियों का अघोषित सामाजिक-आर्थिक बहिष्कार, पूजा स्थलों पर हमले, धार्मिक जुलूसों का उत्पीड़न, विभिन्न रूपों में उत्पीड़न, अधिकारों का उल्लंघन समाज के लिए नासूर बनता जा रहा है। लेकिन इस स्थिति ने प्रत्येक परोपकारी और देशभक्त, विशेष रूप से धार्मिक नेताओं, धर्म गुरुओं और सरकारों को सोचने और एक उपयुक्त और दीर्घकालिक समाधान खोजने के लिए मजबूर कर दिया है । इस अवसर पर उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह सम्मेलन अपने विषय की दृष्टि से मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने आगे कहा कि विश्व धर्मों, विशेषकर इस्लाम का संदेश शांति एवं मानवता, अधिकारों की रक्षा, सहिष्णुता, राष्ट्रीय है। अंत में मीडिया से अनुरोध किया कि आप इस सम्मेलन को पूर्ण कवरेज दें और मानवता के संदेश को फैलाने में हमारे सहायक बनें और हम सब मिलकर राष्ट्र और मानवीय उद्देश्य को मजबूत करें। और भाईचारे, प्यार और इंसानियत के इस संदेश को अपनाएं और इसे दुनिया में आम करें।

दिल्ली में भारत-ऑस्ट्रेलिया भागीदारी संगोष्ठी आयोजित

नई दिल्ली। 5 नवंबर 2024 को होटल ताज महल, नई दिल्ली में भारत-ऑस्ट्रेलिया भागीदारी शीर्षक से एक संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें सड़क परिसंपत्ति प्रबंधन में दुनिया की सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने के माध्यम से बुनियादी ढांचे के प्रबंधन के नए तरीकों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिन्हें भारत की सड़कों और राजमार्गों पर लागू किया जा सकता है ताकि सर्वोत्तम परिसंपत्ति प्रबंधन परिणाम प्राप्त किए जा सकें। इस कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय परिवहन अनुसंधान संगठन (एनटीआरओ), पूर्व में ऑस्ट्रेलियाई सड़क अनुसंधान बोर्ड (एआरआरबी) द्वारा भारतीय सड़क सर्वेक्षण और प्रबंधन प्राइवेट लिमिटेड (आईआरएसएम) के रसद समर्थन के साथ किया गया था। एनटीआरओ एक ऑस्ट्रेलियाई सरकार के स्वामित्व वाला अनुसंधान संगठन है, जिसके पास परिवहन प्रौद्योगिकी, परिसंपत्ति प्रबंधन (सामग्री विज्ञान और रखरखाव सहित) और सड़क सुरक्षा में 64 वर्षों से अधिक की विशेषज्ञता है। आईआरएसएम, एनटीआरओ का भारतीय संयुक्त उद्यम भागीदार है, जिसकी स्थापना 2009 में हुई थी और यह देश में उन्नत सड़क अवसंरचना माप और मूल्यांकन शुरू करने वाली भारत की पहली कंपनी है। इस कार्यक्रम में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, एनएचएआई, सीआरआरआई, राज्य पीडब्ल्यूडी, ऑस्ट्रेलियाई व्यापार और निवेश आयोग (ऑस्ट्रेड), ऑस्ट्रेलियाई विदेश मामलों और व्यापार विभाग (डीएफएटी) के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ निजी सलाहकारों और क्यूब हाईवेज और ऑस्ट्रेड जैसे निवेशकों ने भाग लिया। सेमिनार का

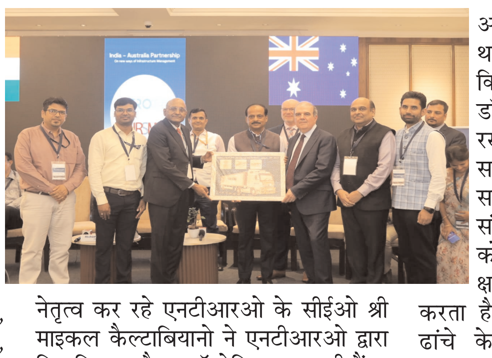

नेतृत्व कर रहे एनटीआरओ के सीईओ श्री माइकल कैल्टाबियानो ने एनटीआरओ द्वारा विकसित और ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, यूएसए और यूरोपीय संघ के देशों में व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली सड़क परिसंपत्ति प्रबंधन पर अत्याधुनिक तकनीकों से श्रोताओं को परिचित कराया। सेमिनार का फोकस इंटेलिजेंट पेवमेंट असेसमेंट व्हीकल (आईपेव) पर था जिसे जल्द ही भारत में पेश किया जाना है। देश की 3 ट्रिलियन डॉलर की संपत्ति के समय पर रखरखाव पर जोर दिया गया ताकि समुदाय को बेहतर मूल्य दिया जा सके। इस वाहन में सतह और संरचनात्मक स्थिति दोनों के डेटा को एक ही बार में इकट्ठा करने की क्षमता है, जो तेज गति से यात्रा करता है। यह तकनीक सड़क बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में निजी निवेशकों को बहुमूल्य जानकारी प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है जो सूचित निवेश निर्णय लेने में सहायता करता है। एनटीआरओ के प्रमुख प्रौद्योगिकी प्रमुख श्री रिचर्ड विक्स ने दर्शकों को आई-पीएवीई की बारीकियों के बारे में बताया।

ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की आबादी से ज्यादा यात्रियों को 24 घंटे में यात्रा करवा दी भारतीय रेलवे ने

नई दिल्ली, नवम्बर : त्यौहारों की भीड़ के चलते भारतीय रेलवे द्वारा 1 अक्तूबर से 5 नवंबर के दौरान विशेष ट्रेनों के माध्यम से 65 लाख यात्रियों को सुविधा प्रदान की गई है। विगत 1 अक्तूबर से 5 नवंबर के दौरान विशेष ट्रेनों के माध्यम से लगभग 7.5 करोड़ यात्रियों को बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश और झारखंड ले जाया गया। सोमवार यानी 04 नवंबर 2024 को एक ही दिन में भारतीय रेलवे द्वारा सबसे अधिक यात्रियों को ले जाया गया। तीन करोड़ यात्री रेलवे में सवार हुए जो आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की कुल जनसंख्या से भी अधिक है। 4 नवंबर 2024 को 120.72 लाख (19.43 लाख आरक्षित और 101.29 अनारक्षित गैर-उपनगरीय) यात्रियों को ले जाया गया। 180 लाख उपनगरीय यातायात को भारतीय रेलवे ने संभालायह चालू वर्ष के लिए एक दिन का सबसे बड़ा यात्री आंकड़ा है। पूजा/दिवाली, छठ भीड़ 2024 के लिए, 1 अक्तूबर 2024 से 30 नवंबर 2024 के बीच कुल 7,666 विशेष ट्रेन सेवाएं अधिसूचित की गई हैं। पिछले वर्ष इसी अवधि में 4,429 यात्राएं संचालित की गई थीं। यह पिछले साल से 73 फीसदी ज्यादा है। रेलवे द्वारा इस अवधि में 65 लाख यात्रियों को विशेष ट्रेनों की सुविधा प्रदान की गई है। स्पैशल चलने की संख्या की बात करें तो 3 नवंबर को 207 ट्रेनें, 4 नवंबर को 203 ट्रेनें, 5 नवंबर को 171 ट्रेनें,6 नवंबर को 164 स्पैशल ट्रेनें,7 नवंबर को 164 ट्रेनें चलाने की योजना है 8 नवंबर को सुबह के सूर्य अर्घ्य के बाद छठ वापसी की भीड़ शुरू हो जाएगी। इन्हें अधिसूचित किया गया है। इसके अलावा स्थानीय मांग और भीड़ के आधार पर समस्तीपुर मंडल और दानापुर मंडल में अघोषित ट्रेनों की योजना बनाई जा रही है। 8 नवंबर 164 ट्रेनें ,9 नवंबर 160 ट्रेनें,10 नवंबर 161 ट्रेनें और 11 नवंबर 155 ट्रेनें प्रस्तावित है।

दिल्ली में खुला जापानी मैंगा थीम से सजा हुआ रैस्टोरैंट

नई दिल्ली, नवम्बर : भारत की प्रमुख फूड और बेवरेज रिटेल कंपनी लाइट बाइट फूड्स ने द्वारका के वेगस मॉल में अपने पैन-एशियन रैस्टोरैंट ब्रांड यूमी का पहला आऊटलेट लॉन्च किया है। जापानी मैंगा कॉमिक्स से प्रेरित इस रैस्टोरैंट का इंटीरियर पॉप कल्चर से प्रभावित है, जो ग्राहकों को एक जीवंत और यादगार अनुभव प्रदान करता है। यूमी का मेन्यू पूरे एशिया के अनोखे स्वादों का समावेश करता है, जिसमें ताजे, उच्च गुणवत्ता वाले सामग्री से बने डिम सम, सुशी, नूडल्स और अन्य एशियाई व्यंजन शामिल हैं। लॉन्च के अवसर पर लाइट बाइट फूड्स के सह-संस्थापक और मैनेजिंग डायरैक्टर रोहित अग्रवाल ने कहा, द्वारका में यूमी का स्वागत करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है।

भारत सरकार राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग

नई दिल्ली। दिनांक-07.11.2024 राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग ने श्री करण सिंह को उनकी धार्मिक पहचान के विरुद्ध दाढ़ी और बाल न कटवाने के कारण नेपाल सेना से बर्खास्त करने के संबंध में दिनांक 20.09.2024 को (पूर्व में ट्विटर) पोस्ट का स्वतः संज्ञान लिया। इस मामले को विदेश मंत्रालय के समक्ष दिनांक 25.09.2024 के पत्र के माध्यम से मामले की जांच के लिए उठाया गया। विदेश मंत्रालय ने दिनांक 01.11.2024 के पत्र के माध्यम से सूचित किया है कि उन्होंने इस मामले को उठाया है और अब यह मुद्दा हल हो गया है तथा श्री करण सिंह नेपाली सेना में शामिल हो गए हैं।

दिल्ली जलबोर्ड अविलंब अपने हर क्षेत्रीय कार्यालय में बिल सुधार कैम्प लगाए : कपूर

नई दिल्ली, नवम्बर : दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि दिल्ली में जलबोर्ड उपभोक्ताओं को अनाप शनाप बिल मिल रहे हैं पर दिल्ली की सरकार एवं आम आदमी पार्टी नेता उनका समाधान करने के आराजक ब्यानबाजी कर रहे हैं जो निंदनीय है। दिल्ली के पूर्व मुख्य मंत्री अरविंद केजरीवाल हास्यास्पद रूप से गली गली घूमकर रोज कह रहे हैं और एक आराजक ब्यान दे रहे हैं की पानी बिजली के जो बढ़े बिल आपको मिल रहे हैं उनको ना भरें, मैं फरवरी में फिर से सत्ता में आऊंगा और बिल माफ कर दूंगा, जिसके जवाब में लोग पूछ रहे हैं की आज भी तो आपकी सरकार है आज कौन रोक रहा है गलत बिल ठीक करने से। दिल्ली भाजपा प्रवक्ता ने आज पश्चिम दिल्ली के एक उपभोक्ता का एक बिल एक्स पोस्ट पर डाला है जिसे दिल्ली जलबोर्ड ने ने आठ माह का 10 लाख 49 हजार रुपए का बिल भेजा है वो भी तब जब इस दौरान वह विदेश गए हुए थे और उनका मकान बंद था।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा है की तिलक नगर विधानसभा के उपभोकता ने 2019 में मकान बनाया और तभी नया मीटर लगाया और तब से दिसम्बर 2023 तक उन्हे किसी सामान्य मध्यम वर्ग उपभोक्ता की तरह प्रति दो माह 3500 के आसपास का बिल मिलता था।

काावेरी गंगा मिलन भारतीय सांस्कृतिक विरासत का जीवंत उत्सव, कई शानदार कार्यक्रम आयोजित किए गए

नई दिल्ली, नवम्बर : संस्कृति मंत्रालय की अमृत परम्परा श्रृंखला के अंतर्गत सांस्कृतिक उत्सव के एक प्रमुख प्रतीक कावेरी गंगा मिलन (कावेरी मीट्स गंगा) मिलन उत्सव के अंतिम दिन कर्तव्य पथ और सीसीआरटी द्वारका में कई शानदार कार्यक्रम आयोजित किए गए। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान और विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कर्तव्य पथ पर आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। 2 से 5 नवंबर तक आयोजित इस आकर्षक उत्सव में भारत की पारंपरिक और लोक कलाओं की समृद्ध झलक का प्रदर्शन किया गया, जिसमें एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को दर्शाया गया। संस्कृति मंत्रालय की स्वायत्त संस्थाओं-संगीत नाटक अकादमी, कलाक्षेत्र और सीसीआरटी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कावेरी गंगा मिलन उत्सव श्रृंखला ने उत्तर भारत में दक्षिण भारतीय संगीत और नृत्य का एक असाधारण मिश्रण प्रस्तुत किया करते हुए उत्तर भारतीय कलात्मक परंपराओं को पेश किया। चेन्नई के प्रसिद्ध मर्गाजी महोत्सव से प्रेरणा लेते हुए, इस कार्यक्रम ने भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत को उसकी पारंपरिक और लोक कलाओं के माध्यम से प्रदर्शित किया। संस्कृति मंत्रालय के लिए इस कार्यक्रम को इस दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण माना गया, क्योंकि इसमें पारंपरिक कला रूपों को पुनर्जीवित करने पर विशेष ध्यान दिया गया है, खासतौर से वे कला रूप, जो लुप्त होने के कगार पर है। इमर्सिव तकनीक और आधुनिक प्रस्तुति तकनीकों को एकीकृत करके, अमृत परम्परा का उद्देश्य इस कार्यक्रम को यादगार अनुभव बनाना था।

भारत-अमरीका सैन्य सहयोग समूह की 21 वीं बैठक नई दिल्ली में आयोजित हुई

नई दिल्ली, नवम्बर : भारत-अमरीका सैन्य सहयोग समूह (एमसीजी) की 21 वीं बैठक 5 से 6 नवंबर तक मानेकशा सैंटर, नई दिल्ली में आयोजित की गई। बैठक में क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण आदान-प्रदान, रक्षा औद्योगिक सहयोग और पारंपरिक तथा संकर खतरों के लिए तैयारियों को मजबूत करने वाले संयुक्त अभ्यासों की प्रगति सहित कई विषयों पर चर्चा की गई। इस बैठक की सह-अध्यक्षता भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले चीफ ऑफ इंटीग्रेटेड डिफैंस स्टाफ लैफ्टिनैंट जनरल जेपी मैथ्यू और अमरीका का प्रतिनिधित्व करने वाले यूएस इंडो-पैसिफिक कमांड के डिप्टी कमांडर लैफ्टिनैंट जनरल जोशुआ एम रुड ने की। दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारियों ने चल रही पहलों की समीक्षा करने और सहयोग के नए क्षेत्रों की खोज करने का अवसर लिया। दोनों पक्षों ने भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी के महत्व पर जोर दिया और सक्रिय भागीदारी तथा बेहतर अंतर-संचालन के माध्यम से इस रणनीतिक संबंध को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने हिंद-प्रशांत क्षेत्र के सामने आने वाली गतिशील चुनौतियों की साझा समझ के साथ भारत-अमेरिका सैन्य सहयोग के दायरे का विस्तार करने की अपनी प्रतिबद्धता की भी पुष्टि की।

पंजाब विजन: 2047 कॉन्क्लेव पंजाब के विकास के लिए ठोस रणनीति बनाने का मंच प्रदान करेगा : साहनी

नई दिल्ली, नवम्बर : पंजाब विजन: 2047 कॉन्क्लेव, जिसका आयोजन वर्ल्ड पंजाबी ऑर्गनाइजेशन, पंजाब डेवलपमेंट कमीशन और पंजाब यूनिवर्सिटी के सहयोग से हो रहा है, 12-13 नवंबर को पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ में आयोजित किया जाएगा। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भगवंत मान उद्घाटन करेंगे और समापन सत्र पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया की अध्यक्षता में होगा। कॉन्क्लेव के आयोजक सांसद डॉ. विक्रमजीत सिंह साहनी ने बताया कि यह कार्यक्रम पंजाब के विकास के लिए ठोस रणनीति बनाने का मंच प्रदान करेगा। मुख्य विषयों में प्रशासनिक सुधार, कृषि परिवर्तन, आर्थिक पुनरुद्धार, औद्योगिक विकास और पर्यावरणीय स्थिरता शामिल हैं। उद्घाटन सत्र में राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा मुख्य वक्ता होंगे। पहले दिन प्रशासनिक चुनौतियों, कृषि सुधारों और औद्योगिक विकास पर चर्चा होगी, जिसमें कई कैबिनेट मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी भाग लेंगे। दूसरे दिन आर्थिक और श्रम संबंधी मुद्दों, जैसे वित्तीय संकट और ब्रेन ड्रेन पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। डॉ. साहनी ने कहा, ह्लहमारा लक्ष्य सभी हितधारकों को एक मंच पर लाकर पंजाब के उज्ज्वल भविष्य के लिए एक समावेशी दृष्टिकोण तैयार करना है।ह्व कॉन्क्लेव के बाद एक श्वेत पत्र भी जारी किया जाएगा, जिसमें पंजाब के समक्ष चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत होगा।

सरकारी नौकरियों के लिए भर्ती नियमों को बीच में नहीं बदला जा सकता: न्यायालय

दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकारी नौकरियों में नियुक्ति के नियमों में बीच में तब तक बदलाव नहीं किया जा सकता जब तक कि ऐसा निर्धारित न किया गया हो। मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया शुरू होने से पहले निर्धारित किए जा चुके नियमों से बीच में छेड़छाड़ नहीं की जा सकती। पीठ में न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा, न्यायमूर्ति पंकज मिथल और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल थे। पीठ ने कहा कि चयन नियम मनमाने नहीं बल्कि संविधान के अनुच्छेद 14 के अनुरूप होने चाहिए। उच्चतम न्यायालय ने सर्वसम्मति से कहा कि पारदर्शिता और गैर-भेदभाव सार्वजनिक भर्ती प्रक्रिया की पहचान होनी चाहिए तथा बीच में नियमों में बदलाव करके उम्मीदवारों को हैरान- परेशान नहीं किया जाना चाहिए।

जिला कारागार में प्राधिकरण सचिव ने आयोजित की लोक अदालत

जींद, नवम्बर : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश व हरियाणा राज्य विधिक सेवाए प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति अरुण पल्ली और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन व जिला एवं सत्र न्यायाधीश यशवीर सिंह राठौर के दिशा-निदेर्शानुसार जिला कारागार में बुधवार को लोक अदालत का आयोजन किया गया। प्राधिकरण की सचिव व मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मोनिका ने बताया कि जेल लोक अदालत महीने में दो बार लगाई जाती है। जिसमें छोटे-मोटे अपराधिक मामले लिए जाते हैं। कारागार लोक अदालत में ऐसे 14 मामले निपटान के लिए रखे गए। जिसमें से एक मामले का मौके पर ही निपटारा किया गया। प्राधिकरण सचिव ने स्थानीय जेल का औचक निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बंदियों से मुलाकात भी की। उन्होंने जानकारी देते हूए बताया कि जिन बंदियों को 15 दिनों के दौरान सजा हुई है, उनको अपील के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तथा हाई कोर्ट लिगल सर्विसिज अथोर्टी द्वारा मुफ्त वकील प्रदान किया जा सकता है तथा कैदियों व हवालातियों को उनके केसों में आ रही अड़चनों को भी सुना व समस्याओं के समाधान संबंधित जानकारी भी दी। सीजेएम ने जेल में बंद कैदियों से अपील की कि यदि किसी व्यक्ति को अपने केस की पैरवी के लिए वकील की जरूरत है तो वह मुफ्त कानूनी सेवाएं ले सकता है। इस संबंध में लिखित दरखास्त जेल प्रशासन के माध्यम से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जींद के कार्यालय में भेजनी होती है। महिला जेल कैदियों को समय-समय पर स्वास्थ्य जांच करवाने की सलाह दी। उनके रहन, सहन, स्वास्थ्य जांच, कानूनी जागरूकता इत्यादि से संबंधित सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

दिल्ली सरकार ने नागरिकों को वित्तीय धोखाधड़ी से बचाने के लिए नए नियम पेश किए

दिल्ली। में वित्तीय धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों से निपटने के लिए आम आदमी पार्टी की सरकार ने बुधवार को नए नियमन पेश किए। इन नियमनों का मकसद नागरिकों को धोखाधड़ी वाली निवेश योजनाओं से बचाना है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री आतिशी ने नियमों की घोषणा करते हुए कहा कि अधिक प्रतिफल का वादा करने वाले घोटालेबाजों के साथ किसी तरह की नरमी नहीं बरती जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा, लोगों को अधिक प्रतिफल का वादा करने वाली फर्जी योजनाओं के जरिये गुमराह किया जाता रहा है, जिससे उन्हें वित्तीय नुकसान उठाना पड़ता है। ये नियम हमें इन योजनाओं की बारीकी से निगरानी करने और धोखेबाजों को जवाबदेह ठहराने में मदद करेंगे। बयान के अनुसार, नए नियमन दिल्ली सरकार को धोखाधड़ी के मामलों से जुड़ी संपत्तियों को जब्त करने का अधिकार देते हैं। चिट फंड और फर्जी रूप से अधिक प्रतिफल का दावा करने वाली निवेश योजनाओं से संबंधित मामलों में यह कार्यवाही की जाएगी।

मेरठ में शिवसेना कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न, भारी संख्या में पहुंचे शिव सैनिक

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

अमरोहा/मेरठ। गुरुवार को शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे मेरठ इकाई द्वारा बच्चा पार्क स्थित शर्मा स्मारक मेमोरियल हॉल में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन प्रदेश उपप्रमुख महेश आहुजा की अध्यक्षता व प्रदेश महासचिव व पश्चिमी यूपी प्रभारी धर्मेन्द्र तोमर के संचालन में हुआ। बैठक में मुख्य अतिथि प्रदेश प्रमुख ठा अनिल सिंह अपनी माता का देहांत हो जाने के कारण कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो पाने पर उन्होने सम्मेलन में फोन से शिव सैनिकों को संबोधित करते हुए कहा कि आज संगठन एक मुश्किल दौर से गुजर रहा है लेकिन हमें हौंसला नहीं छोड़ना, हमें पीडित, शोषित व महिलाओं के हितों में कार्य करते हुए लोगों को संगठन से जोड़ कर मजबूती प्रदान करनी है, उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र चुनावों में जुमला पार्टी नारा लाई है कि बटोगे तो कटोगे तो शिवसेना का कहना है कि आपने अपने तीस साल पुरानी मित्र पार्टी शिवसेना को काटा भी बांटा भी , इसलिए समाज और संगठनों को बांटने और काटने का कार्य भाजपा करती है इससे सावधान रहने की आवश्यकता है, इस मौके पर अमरोहा जिला प्रमुख वेद प्रकाश यादव ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि महाराष्ट्र में शिवसेना उद्धव बाला साहब ठाकरे की सरकार बनने जा रही है जिसको देखकर विपक्षी दाल बौखलाए हुए हैं, वहीं उन्होंने संगठन से युवाओं को जोड़ने का आवाहन भी किया, इस मौके पर अमरोहा से पहुंचे कार्यकताओं का मंच पर सम्मान किया गया, सम्मेलन को प्रदेश उपप्रमुख महेश आहूजा, प्रमोद अग्रवाल, प्रदेश महासचिव योगेन्द्र शर्मा, प्रदेश सचिव अवधेश शर्मा, राजकुमार गिरि व मांगेराम शर्मा, प्रदेश संगठक जयराम बंसल , सहारनपुर मंडल प्रमुख लोकेश सैनी, मेरठ जिला प्रमुख संदीप गर्ग, मुरादाबाद जिला प्रमुख वीरेंद्र अरोड़ा, मुजफ्फरनगर जिला प्रमुख बिट्टू सिखेड़ा, गाजियाबाद जिला प्रमुख राकेश त्यागी, बुलंदशहर जिला प्रमुख सर्वेश राणा, अमरोहा जिला प्रमुख वेदप्रकाश यादव, सहारनपुर जिला प्रमुख रवि पुंडीर , बिजनौर युवा जिला प्रमुख विकास त्यागी, ने भी संबोधित किया। सम्मेलन में हसनपुर नगर प्रमुख विकास यादव, अतुल अग्रवाल, राजकुमार सागर, राधे लाल अग्रवाल तथा अजीज ठेकेदार, अवनीश आर्य, यासीन खान, कमल प्रजापति, प्रदीप सक्सेना, सोनिया उत्तम, पूजा सिंघल, गौरव राजपूत, गोरी शंकर, आकाश कन्नौजिया, अमित कन्नौजिया, मनोज विश्नोई, आदि सैकड़ों की संख्या में शिवसेना पदाधिकारी शामिल रहे।

अमरोहा में छठ पूजा पर घाटों पर उमड़ी भारी भीड़

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

अमरोहा। गुरुवार को अमरोहा के बृजघाट गंगा घाट तथा वासुदेव मंदिर स्थित तालाब पर छठ वृतईयो की भारी भीड़ देखने को मिली, जहां डूबते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए महिलाओं ने खड़े होकर सूर्य देव को जल अर्पित किया और सुख समृद्धि की कामना की साथ ही महिलाओं ने अपने-अपने परिवार और संतान की लंबी उम्र के लिए पूरी श्रद्धा और भक्ति से पूजा की, पूजा स्थल पर छठी मैया के गीत भी गूंज रहे थे हिंदू पंचांग के अनुसार व्रत की शुरूआत छठ पूजा कार्तिक मास शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से शुरू होती है जिसका पहला दिन नहाए खाए के रूप में मनाया जाता है दूसरे दिन खरना, तीसरे दिन डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर और चौथे दिन उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है और फिर व्रत का पारायण किया जाता है, यह पर्व संतान सुख की प्राप्ति के लिए भी मनाया जाता है, बता दे की छठ पूजा का व्रत अत्यधिक कठिन होता है क्योंकि इस व्रत के दौरान लगभग 36 घंटे तक निर्जल व्रत रखना होता है, जहां एक और पूरे देश में छठ पूजा का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है वही अमरोहा जिले में भी इस पर्व को लेकर श्रद्धा और आस्था का माहौल बना हुआ है जिले के विभिन्न स्थानों पर महिलाएं व्रत का पालन करते हुए सूर्य देव की पूजा अर्चना करती हुई नजर आई, नगर अमरोहा के वासुदेव मंदिर स्थित तालाब पर तथा बृजघाट गंगा घाट पर एवं तीगरी गंगा घाट पर भी छठ व्रतियों की भारी भीड़ दिखाई पड़ी, जहां डूबते सूर्य को जल अर्पित करते हुए लोग दिखाई पड़े, वही पुलिस भी सुरक्षा की दृष्टि से तैनात नजर आई।

व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान 74/22 में शामिल हुए व्यापारी, संगठन पर जताया विश्वास

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। बुधवार की देर रात नगर के प्रमुख व्यापारी संगठन, व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान 74/22 की एक विशेष बैठक संगठन के नगर अध्यक्ष तरूण अग्रवाल के आवास पर आयोजित की गई, जिसमें व्यापारियों की समस्याओं तथा व्यापारिक परेशानियों को दूर करने पर विचार विमर्श हुआ, वही संगठन से अधिक से अधिक व्यापारियों को जोड़ने का भी आवाहन किया गया, संगठन में नगर के वरिष्ठ व्यापारी गिरधारी लाल सैनी तथा विकास अग्रवाल उर्फ निक्की को संगठन की सदस्यता दिलाई गई, इस मौके पर व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान 74/22 के प्रदेश महामंत्री मुकेश गुप्ता ने संगठन द्वारा व्यापारियों के हित में किया जा रहे कार्य को बताते हुए संगठन के लोगों आपसी तालमेल को बढ़ाने तथा संगठन हित में कार्य करने का आवाहन किया, वही इस मौके पर जिला संगठन मंत्री सचिन गुप्ता ने व्यापारियों को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार का व्यापारी का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं होगा यदि आधिकारी व्यापारियों का उत्पीड़न करते हैं तो उसका मुंह तोड़ जवाब दिया जाएगा, वही संगठन में शामिल हुए दोनों ही वरिष्ठ व्यापारियों का सभी ने ताली बजाकर तथा संगठन की टोपी पहनकर स्वागत किया, वही संगठन के जिला संगठन मंत्री सचिन गुप्ता ने बताया कि मुरादाबाद स्थित ब्राइट स्टार अस्पताल द्वारा संगठन की सिफारिश पर 54000 वार्षिक आय से काम वाले गरीब व्यक्ति का 5 लाख तक का इलाज मुफ्त किया जाएगा, तथा संगठन के कार्ड धारी लोगों को इलाज में विशेष छूट एवं सुविधा देने का भी मुरादाबाद के ब्राइट स्टार मल्टी स्पेशलिस्ट अस्पताल द्वारा संगठन को विश्वास दिलाया गया है ' इस मौके पर मुख्य रूप से व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान 74/22 के प्रदेश महासचिव मुकेश गुप्ता, पंकज भटनागर, सचिन गुप्ता, लोकेश अग्रवाल, मोहित सुशील अग्रवाल, बबलू पाल, तरुण अग्रवाल, प्रमोद अग्रवाल, अरुण त्यागी, विजय पारछा, प्रशांत शर्मा, सीमा यादव, निक्की अग्रवाल, राधेलाल अग्रवाल, गिरधारी लाल सैनी, विकास यादव, अंकित गुप्ता, अजय रस्तोगी आदि सहित दर्जनों संगठन के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नाला बनाने मे हजम कर गय करोड़ो की मिट्टी, कुल 1.58 करोड़ रुपए की मिट्टी का घोटाला

लोकतंत्र /लखनऊ /देवेंद्र शर्मा ब्यूरो

फैजुल्लागंज। नाला निर्माण कार्य में घोटाला सामने नजर आ रहा हैं कि 8.5 किलोमीटर का नाला बनाने के लिए खुदाई कर तकरीबन 45 हजार घनमीटर मिट्टी निकली थी यह मिट्टी कहां गई इसका कोई अता पता नहीं है और नगर निगम के मुख्य अभियंता को भी इसकी खबर का पता नहीं खास बात है की यह मिट्टी ना तो नगर निगम के पास है ओर ना ही इसका पैसा उन्हे मिला है। ठेकेदार सारी मिट्टी खा गय सोचने वाली बात यह है की एक साल से नाले का काम चल रहा है पर इंजीनियरों ने कभी यह जानने की कोशिश नही की गई की खुदाई करते टाइम की निकली हुई मिट्टी कहा ओर क्यु गई इससे साफ है की इस खेल में नगर निगम के इंजीनियरों का हाथ है यह की मिट्टी इतनी आसानी से कहा चली गई सीतापुर रोड और आईआईएम रोड के बिच करीब नौ किमी की दूरी में बिच में आने वाला फैजुल्लागंज में बारिश के कारण अधिक पानी भर जाने की समस्याओं देखा जाता था हर साल भर जाता था जिसको देखते हुए 44 करोड़ रूपय की लागत से नाला बनाने का काम एक साल पहले सुरु किया गया आईएम रोड से होते हुए सिमरा मधुबन विहार से हरिओम नगर काकोली गौरभीट घेला रोड पेट्रोल पंप हनुमन्त नगर दुगार्पुरी जानकारों के मुताबिक इसमे 45 हजार घन मीटर निकली गई खास बात यहा है की यहा मिट्टी ना नगर निगम के पास है ना तो उसे इसका पैसा मिला हैरानी की बात यह है की एक साल नाले का कम चल रहा है इंजीनियरों की ओर से कभी यह जानने की कोशिश भी नही की गई की खुदाई में निकली गई गिट्टी कहा गई इससे साफ जाहिर होता है

बयान नगर निगम मुख्य अभियंता

फैजुल्लागंज में 8.5 किमी बनाने को हुई थी खुदाई ,खुदाई कर निकाली गई 45. हजार घन मीटर मिट्टी ,मिट्टी गायब नगर निगम मुख्य अभियंता ने कहा पता लगाएंगे कहा गई मिट्टी।

गाजियाबाद बार के आंदोलन के समर्थन में तहसील बार हसनपुर का प्रतिनिधिमंडल आज होगा शामिल

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। गुरुवार को तहसील बार एसोसिएशन हसनपुर की सामान्य सभा की एक बैठक तहसील बार सभागार में आयोजित की गई जिसमें गाजियाबाद में अधिवक्ताओं के साथ पुलिस के दुर्व्यवहार एवं जिला जज के आचरण की कड़ी निंदा एवं भृत्सना करते हुए गाजियाबाद के अधिवक्ताओं के आंदोलन को पूर्णकालिक समर्थन एवं सहयोग की घोषणा सर्वसम्मति से की गई। बार महासचिव सुरमित गुप्त एडवोकेट ने कहा गाजियाबाद में 29 अक्टूबर 2024 को जिला जज के न्यायालय में अधिवक्ताओं के साथ पुलिस द्वारा किए गए अमानवीय दुर्व्यवहार एवं जिला जज के आचरण की तहसील बार एसोसिएशन कड़ी निंदा करते हुए भृत्सना करती है। बार एसोसिएशन गाजियाबाद बार के अधिवक्ताओं के साथ सहयोग एवं समर्थन के विचार पर एकमत है तथा उनके प्रत्येक कदम पर उनके साथ खड़ी है। बार एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल आंदोलन के समर्थन में 8 नवंबर 2024 को गाजियाबाद जाएगा बैठक की अध्यक्षता बार अध्यक्ष गंगासरन ने की तथा संचालन महासचिव सुरमित गुप्त एडवोकेट ने किया। बैठक में मुख्य रूप से बार एसोसिएशन के अध्यक्ष गंगासरन, महासचिव सुरमित गुप्त एडवोकेट,एल्डर कमेटी के अध्यक्ष शिवचरन सिंह, दिनेश गुप्ता, श्योराज सिंह राणा, पूर्व अध्यक्ष नरेश पाल सिंह, चौधरी गजेंद्र सिंह,राजेंद्र सिंह, महिपाल सिंह, सुनील भटनागर, वीर सिंह, मुजाहिद हुसैन, आफताब आलम, विनोद त्यागी, रामचंद्र सिंह, धीरेंद्र सिंह, चरन सिंह चौहान ,संजय चौहान, संदीप कुमार, संजीव कुमार, मदन कुमार, अमरीश शर्मा, देवेंद्र शर्मा, राजीव शर्मा, अली रजा, वैभव नागर, तुषित कुमार, अशोक राणा, चंद्रसेन, महावीर सिंह चौहान, अरविंद शर्मा, आदि मौजूद रहे।

कांग्रेस की वही दशा होगी जो धारा 370 और 35ए की हुई : सीएम योगी

छठ पूजा के अवसर पर लखनऊ के लक्ष्मण मेला मैदान में सीएम योगी

लखनऊ, 7 नवंबर। छठ पूजा के पावन अवसर पर लखनऊ के लक्ष्मण मेला मैदान में आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी ने धारा 370 और 35 ए को लेकर कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस पर कड़ा प्रहार किया। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में पारित धारा 370 और 35 ए की बहाली के प्रस्ताव पर सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस और उनके साथ देश और घाटी को फिर से आतंकवाद की आग में झोंकना चाहते हैं। इनसे जम्मू कश्मीर का विकास और वहां के बच्चों का उज्ज्वल भविष्य नहीं देखा जा रहा है। इनकी विघटनकारी नीतियों को देश कभी स्वीकार नहीं करेगा। 140 करोड़ भारतवासी हर हाल में देश की एकता और अखंडता के पक्षधर हैं और जो इससे खिलवाड़ करेगा उसको मुहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार हैं। सीएम योगी ने कहा कि अगर कांग्रेस इस प्रस्ताव का विरोध नहीं करेगी तो उसका भी वही हाल होगा जो धारा 370 और 35ए का हुआ है। सीएम योगी अखिल भारतीय भोजपुरी समाज द्वारा छठ पर्व पर लखनऊ के लक्ष्मण मेला मैदान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। अपने संबोधन में सीएम योगी ने छठ पर्व की महिमा का बखान करते हुए देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया।

जब हम जाति, मत-मजहब से बंटे होते हैं तब दूसरे हम पर राज करते हैं- सीएम योगी

सीएम योगी ने कहा कि एक ओर जहां हम इन इन पर्व और त्योहारों के साथ जुड़ रहे हैं और लोगों को जोड़ रहे हैं, वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो भारत में रहकर भारत के अस्तित्व के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। ऐसे लोगों को किसी भी भारतीय को बर्दाश्त नहीं करना चाहिए। जब हम जाति, मत-मजबह से बंटे होते हैं तो दुनिया के दूसरे लोग हम पर राज करते हैं, लेकिन जब हम 140 करोड़ एक साथ बोलेंगे तो भारत की तरफ कोई नजर उठा कर नहीं देख पाएगा।

मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करती है श्रीमद् भागवत महापुराण की कथा : योगी आदित्यनाथ

प्रतापगढ़, 7 नवंबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को प्रतापगढ़ के बेलखरनाथ धाम के निकट करमाही गांव में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में शामिल हुए। सीएम योगी यहां पूर्व जल शक्ति मंत्री महेंद्र सिंह के आवास पर चल रही कथा का श्रवण किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कथाव्यास जगतगुरू स्वामी श्री राघवाचार्य जी महाराज का आशीर्वाद लिया। साथ ही उन्हें अंगवस्त्र और माला पहनाकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान डॉ. महेंद्र सिंह के पूर्वजों को पुष्प माला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। सीएम योगी ने श्रीमद् भागवत महापुराण को मोक्ष ग्रंथ बताते हुए कहा कि यह कथा मोक्ष अर्थात मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है। कार्यक्रम में जगतगुरू स्वामी श्री राघवाचार्य जी महाराज ने मुख्यमंत्री के कार्यों की प्रशंसा की और कहा कि उत्तर प्रदेश में तीर्थस्थलों के विकास और अयोध्या नगरी के संवर्धन के प्रयासों से प्रदेश को वैश्विक ख्याति प्राप्त हो रही है। मुख्यमंत्री ने श्रीमद् भागवत महापुराण कथा को सुनने के अवसर को पावन और सौभाग्यशाली बताया। उन्होंने जगतगुरू स्वामी श्री राघवाचार्य जी का अभिनंदन करते हुए कहा कि स्वामी जी की विद्वता कथा के जरिए समाज की समसामायिक समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करती है। उन्होंने यह भी कहा कि हर व्यक्ति के लिए कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्त करना ही उसकी मुक्ति का मार्ग हो सकता है। इस अवसर पर डॉ. महेंद्र सिंह ने मुख्यमंत्री को अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने भी कथाव्यास जगतगुरू स्वामी श्री राघवाचार्य और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अंगवस्त्र भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में विधायक राजेंद्र कुमार मौर्य, विधायक जीत लाल पटेल, भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व विधायक धीरज ओझा और भाजपा के कई अन्य पदाधिकारी सहित प्रयागराज मण्डल के एडीजी भानु भास्कर, आईजी प्रेम कुमार गौतम, मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत, जिलाधिकारी संजीव रंजन, पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार और मुख्य विकास अधिकारी डॉ. दिव्या मिश्रा सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

महाकुंभ मेला क्षेत्र में 15 दिसंबर तक इंस्टॉल होंगे सभी डेढ़ लाख टॉयलेट्स

सीएम योगी के स्वच्छ महाकुंभ के संकल्प को साकार करने में जुटा मेला प्रशासन

प्रयागराज, 7 नवंबर। योगी सरकार महाकुंभ को स्वच्छ कुंभ बनाने के लिए संकल्पित है। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में प्रयागराज मेला प्राधिकरण इस संकल्प को साकार करने में जुट गया है। इसमें सैनिटेशन पर खास तौर पर फोकस किया जा रहा है। महाकुंभ में 1.5 लाख से ज्यादा टॉयलेट्स और यूरिनल्स स्थापित किए जाने हैं। मेला प्रशासन ने 15 दिसंबर तक इन्हें स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए सभी वेंडर्स को इमपैनल्ड कर लिया गया है। उन्हें एलओए भी जारी कर दिया गया है। पूरा फोकस है कि महाकुंभ के दौरान प्रयागराज आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक किसी भी सूरत में ओपन एरिया का उपयोग न करें। उन्हें सामुदायिक शौचालय का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

टॉयलेट्स की सफाई की होगी मॉनीटरिंग

विशेष कार्याधिकारी कुंभ मेला आकांक्षा राणा के अनुसार 15 दिसंबर तक सभी 1.5 लाख टॉयलेट्स और यूरिनल्स को स्थापित कर लिया जाएगा। इसके लिए एलओए जारी कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त जेट स्प्रे क्लीनिंग सिस्टम की भी स्थापना की जा रही है, जबकि सेसपूल ऑपरेशन प्लान भी तैयार किया गया है, ताकि सेप्टिक टैंक और सोक पिट के साथ ही अन्य विकल्प भी मौजूद रहें। सबसे महत्वपूर्ण बात ये है कि इन सभी टॉयलेट्स में साफ-सफाई और सुरक्षा की मॉनीटरिंग भी की जाएगी। इसके लिए क्यूआर कोड्स का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इतने व्यापक पैमाने पर टॉयलेट्स और यूरिनल इंस्टॉल करने के लिए अब तक कुल 55 वेंडर्स को इम्पैनल्ड किया जा चुका है।

पीक डे में भी पर्याप्त होंगे टॉयलेट्स और यूरिनल्स

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री जी की मंशा के अनुरूप स्वच्छ कुंभ के संकल्प को साकार करने के लिए सैनिटेशन पर विशेष फोकस किया जा रहा है। ये सारे टॉयलेट्स और यूरिनल्स मौनी अमावस्या को होने वाले प्रमुख स्नान में उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए स्थापित किए जा रहे हैं। मौनी अमावस्या महाकुंभ में सबसे अधिक डेंस (भीड़) वाला अवसर होता है। इस दिन 4 से 5 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। इसको मानक मानते हुए ही टॉयलेट्स को स्थापित किया जा रहा है। स्टडी के अनुरूप 1.5 लाख टॉयलेट्स इतनी बड़ी संख्या के लिए पर्याप्त हैं। ऐसे में प्रमुख स्नान के अवसर पर टॉयलेट्स की कोई कमी नहीं होगी और सामान्य दिनों में भी यह संचालित किए जाते रहेंगे। श्रद्धालु 24 घंटे इनका उपयोग कर सकेंगे। इनकी साफ सफाई की भी पूरी व्यवस्था की गई है।

सोक पिट और सेप्टिक टैंक वाले टॉयलेट्स किए जाएंगे स्थापित

कुंभ मेला क्षेत्र में सोक पिट वाले 49 हजार कनाथ टॉयलेट्स भी स्थापित किए जाएंगे, जिसके लिए 9 वेंडर्स को इमपैनल्ड कर दिया गया है। इसी तरह सेप्टिक टैंक वाले 12 हजार एफआरपी टॉयलेट्स भी स्थापित किए जा रहे हैं। इसके लिए 10 वेंडर्स इम्पैनल्ड हैं। वहीं, 17 हजार सोक पिट वाले एफआरपी टॉयलेट्स भी इंस्टॉल किए जा रहे हैं, जिनकी जिम्मेदारी 8 वेंडर्स को दी गई है। इसके अतिरिक्त, 9 हजार प्रीफैब्रिकेटेड स्टील बेस्ड कम्युनिटी टॉयलेट्स (सेप्टिक टैंक) के लिए 7 वेंडर्स और 23 हजार प्रीफैब्रिकेटेड स्टील बेस्ड कम्युनिटी टॉयलेट्स (सोक पिट) के लिए 8 वेंडर्स इमपैनल्ड हैं। यही नहीं, 10 सीटर वाले 350 मोबाइल टॉयलेट्स भी स्थापित किए जाएंगे, जिसके लिए 3 वेंडर्स को इमपैनल्ड किया गया है। 15 हजार सीमेंटेड टॉयलेट्स के लिए 3 वेंडर्स इमपैनल्ड हैं। इसके साथ ही, 500 वीआईपी टॉयलेट्स के लिए भी वेंडर ऑनबोर्ड किया जा रहा है। 20 हजार एफआरपी बेस्ड यूरिनल्स भी इंस्टॉल किए जा रहे हैं, जिनके लिए 5 वेंडर्स इम्पैनल्ड हैं।

निराश्रित बच्चों के लिए सुरक्षित और संवेदनशील वातावरण बनाने में जुटी योगी सरकार

लखनऊ, 7 नवंबर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में महिला कल्याण विभाग ने बच्चों के सर्वांगीण विकास और सुरक्षा के लिए एक नई और महत्वपूर्ण पहल की है। इस पहल के तहत राज्य के विभिन्न जनपदों में 10 नए बाल संरक्षण गृहों का निर्माण और संचालन किया जाएगा। इन संरक्षण गृहों का उद्देश्य बच्चों को सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण प्रदान करना है, जहाँ वे अच्छे नागरिक के रूप में विकसित हो सकें।

वाराणसी, गोरखपुर, लखनऊ, अयोध्या समेत 10 जिलों में बनेंगे नए बाल संरक्षण गृह

महिला कल्याण विभाग द्वारा प्रस्तावित इस योजना के अनुसार प्रथम चरण में प्रदेश के वाराणसी , गोरखपुर, लखनऊ, अयोध्या, अमेठी, मथुरा, फिरोजाबाद, बस्ती, झांसी एवं कानपुर देहात में इन संरक्षण गृहों की स्थापना की जाएगी। हर संरक्षण गृह में 100-100 बच्चों को रखने की क्षमता होगी, जिससे अधिक से अधिक बच्चों को लाभान्वित किया जा सके। इनमें 1 राजकीय बाल गृह(बालिका) 1 राजकीय बाल गृह (बालक), 7 राजकीय संप्रेक्षण गृह (किशोर), किशोर न्याय बोर्ड सहित 1 प्लेस ऑफ सेफ्टी गृह शामिल है। इन संरक्षण गृहों में बच्चों को न केवल रहने की सुविधाएं दी जाएंगी, बल्कि उनके शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास का भी ध्यान रखा जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशानुरूप महिला एवं बाल विकास विभाग इन संरक्षण गृहों की स्थापना से असहाय और संवेदनशील बच्चों को एक नया जीवन देकर समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास कर रहा है। इन गृहों में बच्चों को एक संरक्षित वातावरण में शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, मानसिक स्वास्थ्य सहायता और जीवन कौशल जैसी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

समाज में बदलाव लाने की दिशा में एक बड़ा कदम

इस योजना के तहत राज्य सरकार ने बाल संरक्षण गृहों के निर्माण के लिए आवश्यक फंड भी निर्धारित किए हैं। सभी गृहों का निर्माण योगी सरकार अपने बजट से करेगी। वहीं इन गृहों के संचालन में केंद्र सरकार द्वारा मिशन वात्सल्य योजना के प्राविधानों के केंद्रांश-60 प्रतिशत और राज्यांश-40 प्रतिशत के अनुसार राज्य सरकार पर 7.96 करोड़ रुपये का व्ययभार आएगा। इसके साथ ही मुख्यमंत्री बाल आश्रय योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में 100 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। योजना के सफल संचालन के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह भी सुनिश्चित किया है कि इन गृहों का निर्माण और प्रबंधन गुणवत्ता मानकों के अनुसार किया जाएगा। इसके लिए सरकार ने टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से कंसल्टेंट्स का चयन भी किया है, ताकि इन बाल संरक्षण गृहों में दी जाने वाली सेवाओं का उच्चतम स्तर सुनिश्चित किया जा सके।

बाल अधिकारों की रक्षा में सीएम योगी का सशक्त प्रयास

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का उद्देश्य है कि राज्य का कोई भी बच्चा असुरक्षित या उपेक्षित महसूस न करे। सीएम योगी ने कहा कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए, क्योंकि वे समाज के भविष्य हैं। इस योजना के तहत बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए विशेष प्रशिक्षित कर्मचारियों की नियुक्ति की जाएगी, जो उनकी सुरक्षा और कल्याण के प्रति संजीदा होंगे। इन बाल संरक्षण गृहों में बच्चों को उनकी उम्र और जरूरतों के हिसाब से सेवाएं दी जाएंगी, ताकि वे मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रह सकें।

करनाल में नेता हरजीत सिंह संधू ने ली भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता

करनाल सुखविंदर सोही

हरियाणा। के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हमारी सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों पर विश्वास जताकर जनता ने तीसरी बार भाजपा की सरकार बनाई है। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने बिना भेदभाव के देश को विकास के पथ पर ले जाने का कार्य किया है। मुख्यमंत्री नायब सैनी गुरुवार को करनाल के प्रेमनगर में नेता हरजीत सिंह संधू (लाड्डी संधू) के भारतीय जनता पार्टी में सदस्यता ग्रहण करने के दौरान लोगों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान इंद्री के विधायक व चीफ व्हीप रामकुमार कश्यप, करनाल के विधायक जगमोहन आनंद, असंध के विधायक योगेंद्र राणा व भाजपा के जिलाध्यक्ष बृज गुप्ता मौजूद रहे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पगड़ी पहनाकर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इसके उपरांत मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने हरजीत सिंह संधू (लाड्डी संधू) को पटका पहनाकर उन्हें भाजपा की सदस्यता दिलवाई। इसके उपरांत उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि करनाल शहर में निरंतर भाजपा का प्यार और आशीर्वाद मिला है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। जनता ने कांग्रेस की नीतियों को नकार दिया है। कांग्रेस के झूठ का नकाब उतर चुका है।

2047 तक बनाएंगे विकसित राष्ट्र

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का काम करेंगे। इस कार्य में हरियाणा भी पीछे नहीं रहेगा। हरियाणावासी भी देश को विकसित बनाने के लिए अपना योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि जनता ने काम करने की उम्मीद के साथ उन्हें सत्ता दी है। ऐसे में अधिकारी आमजन के कार्यों को प्राथमिकता के साथ तीव्र गति के साथ पूरा करें। कोई अधिकारी यदि लापरवाही करेगा तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

हमारी सरकार की नीतियों पर विश्वास जतानकार जनता ने तीसरी बार बनाई भाजपा की सरकार: मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

करनाल में नेता हरजीत सिंह संधू ने ली भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता

करनाल, 7 नवंबर- हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हमारी सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों पर विश्वास जताकर जनता ने तीसरी बार भाजपा की सरकार बनाई है। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने बिना भेदभाव के देश को विकास के पथ पर ले जाने का कार्य किया है। मुख्यमंत्री नायब सैनी गुरुवार को करनाल के प्रेमनगर में नेता हरजीत सिंह संधू (लाड्डी संधू) के भारतीय जनता पार्टी में सदस्यता ग्रहण करने के दौरान लोगों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान इंद्री के विधायक व चीफ व्हीप रामकुमार कश्यप, करनाल के विधायक जगमोहन आनंद, असंध के विधायक योगेंद्र राणा व भाजपा के जिलाध्यक्ष बृज गुप्ता मौजूद रहे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पगड़ी पहनाकर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इसके उपरांत मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने हरजीत सिंह संधू (लाड्डी संधू) को पटका पहनाकर उन्हें भाजपा की सदस्यता दिलवाई। इसके उपरांत उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि करनाल शहर में निरंतर भाजपा का प्यार और

आशीर्वाद मिला है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। जनता ने कांग्रेस की नीतियों को नकार दिया है। कांग्रेस के झूठ का नकाब उतर चुका है।

2047 तक बनाएंगे विकसित राष्ट्र

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का काम करेंगे। इस कार्य में हरियाणा भी पीछे नहीं रहेगा। हरियाणावासी भी देश को विकसित बनाने के लिए अपना योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि जनता ने काम करने की उम्मीद के साथ उन्हें सत्ता दी है। ऐसे में अधिकारी आमजन के कार्यों को प्राथमिकता के साथ तीव्र गति के साथ पूरा करें। कोई अधिकारी यदि लापरवाही करेगा तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा के सदस्यता अभियान में जुड़े आमजन

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे भाजपा के सदस्यता अभियान में जुड़ें। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति मोबाइल फोन से 8800002024 पर मिस कॉल दे सकता है। उसके फोन पर एक लिंक प्राप्त होगा। इस लिंक को खोलकर सदस्यता से जुड़ी जानकारी भर दें। तत्काल आपके पास सदस्यता का कार्ड आएगा और आप भाजपा के प्राथमिक सदस्य बन जाएंगे।

विधायक जगमोहन आनंद ने भाजपा परिवार में किया स्वागत

विधायक जगमोहन आनंद ने हरजीत सिंह संधू (लाड्डी संधू) को भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने पर हार्दिक बधाई दी। उन्होंने भाजपा परिवार में उनका स्वागत किया। विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि निरंतर भाजपा का परिवार बढ़ रहा है। बड़ी संख्या में लोग भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। उन्होंने आमजन से अपील की कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाजपा की सदस्यता ग्रहण करें।

वहीं हरजीत सिंह संधू ने भाजपा के सभी पदाधिकारियों का धन्यवाद किया।

इस मौके पर ओएसडी मुख्यमंत्री हरियाणा संजय बठला, पूर्व नगर निगम मेयर रेणु बाला गुप्ता, वरिष्ठ भाजपा नेता भगवान दास अग्गी, पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर राजेश अग्गी, गोविंद शर्मा सहित अन्य मौजूद रहे।

डीसीआरयूएसटी मुरथल में 18 व 19 नवंबर को किया जाएगा जिला स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन : प्रिंसीपल विक्रम सिंह

महोत्सव में हिस्सा लेने के लिए 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवा 12 नवम्बर तक कर सकते हैं पंजीकरण

सोनीपत, नवम्बर : राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रिंसिपल विक्रम सिंह ने बताया कि कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग द्वारा जिला के युवाओं को सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ने एवं उनकी प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से जिला स्तरीय युवाओं

प्रिंसिपल विक्रम सिंह।

महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि युवा महोत्सव का आयोजन 18 व 19 नवंबर को दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मुरथल(डीसीआरयूएसटी) में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिला महोत्सव में भाग लेने के लिए 15 से 29 आयु वर्ग के युवाओं को 12 नवंबर तक आईटीआई सोनीपत में पहुंचकर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि पंजीकरण करवाने के लिए आधार कार्ड व बैंक खाते की मूल प्रति व फोटोकॉपी साथ लेकर आएं। उन्होंने जिला के युवाओं का आह्वान किया कि युवाओं को महोत्सव युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का एक महत्वपूर्ण मंच है इसलिए इस युवा महोत्सव में जिला के ज्यादा से ज्यादा युवा भाग लें। प्रिंसिपल विक्रम सिंह ने बताया कि 18 व 19 नवंबर को आयोजित होने वाले जिला स्तरीय युवा महोत्सव में युवा समूह नृत्य व लोक गीत, एकल लोक नृत्य एवं गीत, कहानी लेखन, पोस्टर मेकिंग, भाषण, फोटोग्राफी तथा साइंस प्रोजेक्ट व मोडल आदि विषय पर प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में आयोजित होने वाले लोक नृत्य व गीत हरियाणा राज्य की संस्कृति पर आधारित होने के साथ-साथ वे सभ्यपाशी होने चाहिए। इसके साथ ही ग्रुप प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों की संख्या कम से कम पांच और अधिक से अधिक 13 होनी चाहिए और प्रस्तुति ऐसी परंपरा से संबंधित होनी चाहिए जो प्रदेश में लुप्त होने की कगार पर हैं। उन्होंने बताया कि युवा महोत्सव के लिए, पंजीकरण करने वाले युवाओं की आयु 16 जनवरी 2025 को 15 से 29 वर्ष के बीच होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि महोत्सव में प्रथम आने वाले प्रतिभागी को 2100 से 21 हजार तक, द्वितीय आने वाले प्रतिभागी को 1500 से 15 हजार तथा तृतीय स्थान पर आने वाले प्रतिभागी को 1100 से 11 हजार रुपए नकद राशि व प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय युवा महोत्सव की विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में भाग ले सकेंगे।

इस तरह के मेलों से इंडस्ट्री की ग्रोथ होती सभी

हरमीत सिंह हैप्पी करनाल। सुखविन्दर सोही एमएसएमई तथा हरियाणा चैम्बर ऑफ कॉमर्स के सहयोग से फेडरेशन ऑफ एक्सपोर्ट के मार्गदर्शन में करनाल में सन कास्ट वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा नई अनाज मंडी परिसर में तीन दिवसीय स्किल टैक इंडस्ट्रियल एक्सपो 22 नवंबर से 25 नवम्बर नयी अनाज मंडी में आयोजित किया जा रहा है ।

स्वच्छ भारत मिशन(ग्रामीण) फेज-2 के अन्तर्गत जिला परिषद हॉल में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

उप-मुख्य कार्यकारी अधिकारी ललिता वर्मा, प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए।

सोनीपत : सीईओ जिला परिषद राकेश सैनी के निर्देश में बुधवार को जिला परिषद हॉल में स्वच्छ भारत मिशन(ग्रामीण) फेज-2 के अन्तर्गत एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यालय खण्ड के सभी सरपंच, ग्राम सचिव, स्वच्छाग्राही, एसडीओ(पीआर), जेई (पीआर), बीपीएम एचएसआरएलएम व खण्ड संयोजक एस0बी0एम0 व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उप-मुख्य कार्यकारी अधिकारी ललिता वर्मा ने बताया कि इस प्रशिक्षण का एक ही उद्देश्य है कि हम मिलकर किस प्रकार अपने गांव को स्वच्छ व सुथरा रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि गांव को स्वच्छ व सुथरा रखने के लिए सभी ग्रामीणों का सहयोग जरूरी है इसलिए सभी लोगों को इसके लिए जागरूक करें। इस दौरान प्रशिक्षण देने के लिए एचआईआरडी नीलोखेड़ी से डा. सतीश सांगवान, भगवान पहल और मास्टर ट्रेनर आनन्द बुड्ढा, नवीन कुमार तथा पीओ सोशल वेलफेयर विजय लक्ष्मी मौजूद रहे, जिन्होंने प्रशिक्षण शिविर में प्रतिभागियों को ग्रामीण स्वच्छता के अंतर्गत विभिन्न घटकों जैसे ठोस कचरा प्रबंधन, तरल कचरा प्रबंधन, गोबरधन प्रबंधन के तकनीकी पहलुओं व उनके क्रियान्वयन के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ-2 उनको स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण फेज-2 में विभिन्न विभागों की जिम्मेदारी व वित्तीय संसाधनों के बारे में अवगत कराया गया। उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला के सभी 08 खण्डों के लिए किया जाएगा।

जीवीएम द्वारा आयोजित नैशनल ऑनलाइन टैक्नो क्विज में चंडीगढ़ के भरतराम रहे अव्वल

सोनीपत : जीवीएम गर्ल्ज कालेज के तत्वाधान में आयोजित नेशनल आनलाईन टैक्नो क्विज में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के भरतराम श्री मणिकांता अव्वल रहे, जबकि मेजबान जीवीएम की तनीशा ने तृतीय स्थान हासिल किया। संस्था के प्रधान डा. ओपी परूथी व प्राचार्या डा. मंजुला स्पाह ने विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। क्विज के संयोजक एवं कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष राकेश जुनेजा ने बताया कि नेशनल ऑनलाईन टैक्नो क्विज में ऑपरेटिंग सिस्टम, कंप्यूटर नेटवर्क्स, डाटा स्ट्रक्स, सी-प्रोग्रामिंग, डिजिटल इलैक्ट्रोनिक्स, लोगोज तथा पर्सनेलिटी आइडेंटिफिकेशन से संबंधित 50 प्रश्न रखे गये, जिनके लिए प्रतिभागियों को बीस मिनट का समय दिया गया। क्विज में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, सीबीएलयू, गुरुग्राम, करनाल, कैथल, सिरसा, भिवानी, यमुनानगर, गोहाना, हिसार, अंबाला और फरीदाबाद इत्यादि के विभिन्न कालेजों के लगभग 343 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। क्विज का लिंक प्राचार्या डा. मंजुला स्पाह ने एक्टिवेट किया।

लघु सचिवालय में किसानों का धरना 926वें दिन भी रहा जारी

लघु सचिवालय में लंबे समय से धरने पर बैठे किसान।

नरवाना : लघु सचिवालय में किसानों का अनिश्चितकालीन धरना 926वें दिन भी जारी रहा। अध्यक्षता सतबीर फौजी ने की तो निहाल सिंह ने मंच संचालन किया। मुख्य वक्ता बलदेव ढाकल ने कहा कि सरकार गुलाबी सुंडी से खराब फसल के मुआवजे देने में कितनी ही देरी करे, हम मुआवजा लिए बगैर यहां से उठेंगे नहीं। कितने अफसोस की बात है कि लंबे समय से किसान यहां गर्मी, सर्दी व बरसात में मांगों को लेकर बैठे हैं, लेकिन सरकार इस अन्नदाता की बात नहीं सुन रही। इसके विपरीत पराली जलाने के नाम पर किसानों पर मुकदमे दर्ज करवा रही है। जबकि मुख्यमंत्री विधानसभा में घोषणा भी कर चुके हैं कि ऐसा करने पर उन पर केस दर्ज नहीं होगा। इसके विरोध में मंगलवार को कुरुक्षेत्र में हरियाणा भर से जुटी किसानों की महापंचायत द्वारा मुख्यमंत्री के नाम उनके एक अधिकारी के माध्यम से ज्ञापन भी दिया गया है। इसलिए सरकार किसानों की जायज मांगों को माने और बेवजह अन्नदाता को तंग ना करे। इस मौके पर हवा सिंह, सतबीर, रघबीर, निहाल सिंह, सत्यवान, मांगेराम, राम सिंह, रतन सिंह, महेंद्र, इंद्र मोर मौजूद थे।

श्रीमद्भागवत कथा सुन भाव विभोर हो उठे श्रद्धालु

रेवाड़ी, नवंबर : मॉडल टाउन स्थित अग्रवाल भवन में चल रही श्रीमद्भागवत कथा को सुनने के लिए भारी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ रही है। कथा व्यास परम पूज्य श्रीश्री 1008 स्वामी श्रीराम प्रपन्नाचार्य जी महाराज (वृंदावन वाले) अपनी मधुर वाणी में भक्ति भाव से कथा कर रहे हैं और यह कथा सुनकर लोग भी काफी भाव विभोर हो रहे हैं।

कथा के चौथे दिन कथा व्यास श्रीराम प्रपन्नाचार्य ने भगवान श्री कृष्ण के जन्म का प्रसंग बेहद संजीदगी के साथ सुनाया। श्री कृष्ण

श्रीमद्भागवत कथा सुनते स्वामी प्रपन्नाचार्य

जन्म के व्यंग में उन्होंने कहा कि श्री कृष्ण के अवतार पर कंस द्वारा कई प्रकार की साजिश रची गई थी, लेकिन उन सभी बाधाओं को पार करते हुए कन्हैया जो स्वयं भगवान स्वरूप थे, कई प्रकार की लीलाएं पहले ही रच चुके थे। जिसके लिए उनके माता-पिता ने भी कई प्रकार के कष्ट उठाए और भगवान श्री कृष्ण का अवतार हुआ। सतगुरु सेवा समिति रेवाड़ी के संयोजन में आयोजित कथा का संगीतमय वर्णन सुनकर श्रद्धालु झूम उठे। समिति के प्रधान पंडित रमेश शर्मा (मेटल वाले) ने बताया कि प्रतिदिन दोपहर 2:30 बजे से 7:30 बजे तक जारी 31वें श्रीमद् भागवत कथा एवं ज्ञान यज्ञ सप्ताह का समापन 9 नवंबर को हवन यज्ञ एवं भंडारा प्रसाद के साथ होगा। उन्होंने क्षेत्र के श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया है।

कार्तिक मास में दीपदान करने से विष्णु जी की कृपा प्राप्त होती है : सीताराम भारद्वाज

सोनीपत : शिव मन्दिर (शिव वाटिका) नंदवानी नगर सोनीपत के प्रधान सीताराम भारद्वाज बताया कि कार्तिक माह में 18 नवंबर से मंदिर में सुबह हवन यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें हर रोज अलग यजमान सहित भारी संख्या महिलाएं व पुरुष आहुतियां डाल कर ईश्वर की उपासना करने से अपार पुण्य की प्राप्ति करते हैं। इसके साथ ही भजन-कीर्तन और तुलसी पूजन की जाती है। हवन यज्ञ की पूर्णाहुति 15 नवंबर को डाली जाएगी। मन्दिर के सौजन्य से दिनांक 08 नवंबर से 14 नवंबर तक कार्तिक प्रभात हेरी 4:45 से शुरू होकर 6:15 तक मन्दिर में पहुचेगी। शास्त्रों के अनुसार इस माह भगवान विष्णु चार माह की अपनी योगनिद्रा से जागते हैं। विष्णु जी को निद्रा से जगाने के लिए महिलाएं विष्णु जी पूजा दीपदान तथा मंगलदान करती हैं। इस माह में दीपदान करने से विष्णु जी की कृपा प्राप्त होती है और जीवन में छाया अंधकार दूर होता है। व्यक्ति के भाग्य में वृद्धि होती है। कार्तिक के महीने में श्री हरि जल में वास करते हैं। यह माह भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त करने के लिए अत्यधिक शुभ माना जाता है। इस दौरान प्रतिदिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करनी चाहिए, साथ ही तुलसी की उपासना करना भी जरूरी है। सुबह और शाम तुलसी के पास देसी घी का दीपक जलाने से विशेष फल की प्राप्ति होती है। इसके अलावा, अपनी श्रद्धानुसार गरीबों को गर्म कपड़े, भोजन, या धन का दान करना भी पुण्यकारी माना जाता है।

ब्रह्मा कुमारीज ने निकाली नशा मुक्ति जन जागरण शोभा यात्रा

हरी झंडी दिखाकर ब्रह्मा कुमारीज की नशा मुक्ति शोभा यात्रा को रवाना करते एसडीएम दलजीत सिंह

नरवाना, नवंबर : ब्रह्मा कुमारी संस्था द्वारा नशा मुक्ति जन जागरण शोभा यात्रा निकाली गई। जिसको हरी झंडी दिखाकर एसडीएम दलजीत सिंह और बीके सीमा बहन ने रवाना किया। यह नशा मुक्ति शोभा यात्रा शहर के मुख्य मार्गो से निकाली गई। जिसमें आगे संस्था से जुड़े लोग हाथों में शिव ध्वज पकड़े चल रहे थे। पीछे माउंट आबू से आई कुंभकरण रथ वीडियो शो वैन चल रही थी। ओम शांति कॉलोनी हुडा मार्केट में दो जगह कुंभकरण वीडियो शो दिखाया गया। ओम शांति कालोनी में दिखाये गए शो में एसडीएम दलजीत सिंह, बीके बहनें, पार्षद प्रतिनिधि सुशील सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे। एसडीएम दलजीत सिंह ने नशा मुक्ति अभियान की प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे नरवाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले शहर एवं गांवों के सभी वर्गों के लोगों को काफी लाभ होगा। बीके बहनों ने अंत में मेडिटेशन द्वारा शांति एवं शक्तियों की अनुभूति करवाई। संस्था के नशा मुक्त भारत अभियान के तहत अगले कई दिनों तक स्कूलों एवं सार्वजनिक स्थानों पर वीडियो शो दिखा कर लोगों को जागरूक किया जाएगा और मेडिटेशन द्वारा अपने मन को शक्तिशाली बनाने की विधि बताई जाएगी।

गर्ल्स स्कूल के क्लास रूम में नॉटी मंकी, बंदर ने मचाया जमकर उत्पात

टोहाना नवंबर : शहर में एक बार फिर बंदर के उत्पात देखने को मिल रहा रहा है। बन्दर नेहरू मार्केट स्थित सीनियर सेकेंडरी गर्ल्स स्कूल में शिक्षक और छात्राओं को परेशान कर रहा था। कभी प्रिंसिपल के कमरे में घुस गया। किसी के पीछे पड़ जाता है, कभी किसी दूसरे क्लास रूम कमरे में घुस जाता, इससे स्कूल में भी डर का माहौल बन गया है। कुछ छात्राएं तो किताब-कॉपी लेकर क्लासरूम मे से ही बाहर आ गई। बंदर के कारण स्कूल का पठन-पाठन ठप्प हो गया।

रेस्क्यू टीम के नवजोत सिंह ढिल्लों टीम के साथ पहुंचे। करीब एक घन्टे की कड़ी मशक्कत के बाद एक बन्दर को पकड़ लिया गया। पकड़े गए बंदर को पिंजरे में बंद किया गया। नवजोत ढिल्लों ने बताया कि नगर पालिका ने टेंडर किसी कंपनी को दिया हुआ है उनका अभियान बंदर पकड़ने का चला हुआ है जो बंदर बच गए वह शहर की तरफ आ गए है। कई बंदर करंट से जख्मी हो गए हैं कंपनी द्वारा उनका इलाज किया जा रहा है अन्य बंदरो को भी पकड़ने की कवायद कंपनी द्वारा चल रही है।

बंदर भड़की से डरकर निकली छात्राएं व खाली कमरा

मामले को खुर्दबुर्द करने का आरोप, तीन महीने बाद एफआईआर दर्ज

खरखौदा : कार को टक्कर मारने के बाद आरोपी पिकअप चालक को पुलिस के हवाले करने के बाद भी कानूनी कार्रवाई न किए जाने की पीड़ित ने मंडल पुलिस आयुक्त को शिकायत दी थी। अब एसीडेंट के तीन महीने बाद पुलिस ने एसपी के निर्देशों पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शिकायकर्ता ने संबंधित पुलिस कर्मियों पर भी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही ये भी कहा है कि अगर इस संदर्भ में कार्रवाई नहीं की गई तो वे कोर्ट के माध्यम से शिकायत कर कार्रवाई की मांग करेंगे। खरखौदा के रहने मनबीर सैनी के मुताबिक सोनीपत मार्ग पर 21 जुलाई को अपनी कार लेकर सुबह 6 बजे खेतों में जा रहा था। वह सोनीपत रोड पर अपनी कार को साइड में ठीक ठाक चला रहा था। वहां होटल के पास पहुंचा तो पीछे से आई एक यूपी नंबर की बोलेरो पिकअप (केंटर, जिसमें मुर्गे भरे थे) ने तेज गति से उसकी कार में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में उसकी कार की डिग्गी, लाइट, बम्फर, सेन्सर कैमरा, फेन्डर टायर, चेसी, छत, खिड़की पूरी तरह से टूट गई। सड़क दुर्घटना के बाद बोलेरो के ड्राइवर ने भागने का प्रयास किया, लेकिन लोगों ने उसे मौके पर पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी ड्राइवर की पहचान यूपी के चंदौसी निवासी नूर आलम के तौर पर हुई। शिकायतकर्ता का आरोप है कि पुलिस ने कथित सांठगांठ करके उसे छोड़ दिया। इसके विपरित उसकी कार को बीच सड़क में दर्शाकर पुलिस कर्मी ने कहा कि इसे इंश्योरेंस से ठीक करा लेना। ऐसा कहकर शिकायत भी दर्ज नहीं की। शिकायत दर्ज न होने पर भुक्तभोगी ने वरिष्ठ अधिकारियों को शिकायत दी। जिसके तहत अब एसपी के निर्देशों पर एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं। पीड़ित ने संबंधित पुलिस कर्मी पर भी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि अगर पुलिस कर्मी पर कार्रवाई नहीं की गई तो वे कोर्ट की शरण लेंगे।

मंडल स्तरीय बाल प्रतियोगिता में 490 विद्यार्थियों ने लिया भाग

जींद : बाल भवन जीन्द में हिसार मंडल स्तरीय बाल प्रतियोगिताओं के दूसरे दिन बच्चों ने एकल शास्त्रीय नृत्य, एकल गीत और देशभक्ति समूह गीत आदि रंगारंग प्रस्तुतियां से उपस्थितजनों को भाव-विभोर कर दिया। बुधवार को विशेष थीम एकल शास्त्रीय नृत्य, एकल गीत और देशभक्ति समूह गीत के द्वारा बच्चों ने अपनी कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। जिला बाल कल्याण अधिकारी मलकीयत सिंह चहल ने बताया कि आज की सभी प्रतियोगिताओं में जिला सिरसा, फतेहाबाद, हिसार और जींद के लगभग 490 प्रतिभागियों ने भाग लिया। मंडलीय स्तर पर प्रथम व द्वितीय पुरस्कार प्राप्त करने वाले सभी प्रतियोगिताओं के विजेता बच्चों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में सभी प्रतिभागी टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी नृत्य कला की प्रस्तुति देकर उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतियोगिताओं में निर्णायक मंडल की भूमिका रिटायर्ड प्रोफेसर जयवीर ढांडा, प्रोफेसर जितेंद्र कुमार, आराधना शर्मा, डॉ. क्यूटी, दीप्ति, डॉ. भावना, डॉ. ज्योति श्योराण तथा राहुल ने निभाई। कार्यक्रम में जिला बाल कल्याण परिषद जींद के कार्यक्रम अधिकारी राकेश कुमार, लेखाकार कशिश सिंगला, विनोद कुमार के साथ-2 राज्य बाल कल्याण परिषद के आजीवन सदस्य प्रदीप शर्मा व नीरज कुमार का विशेष सहयोग रहा तथा मंच का संचालन नफे सिंह शास्त्री और मोती लाल परामर्शदाता ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में बाल भवन के सभी स्टाफ सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

कार्यक्रम में नृत्य प्रस्तुत करती छात्रा।

खरखौदा के सावित्रीबाई फुले पार्क में चल रही रामकथा हुई सम्पन्न

खरखौदा, नवम्बर : सावित्रीबाई फुले पार्क में चल रही राम कथा का बुधवार को समापन हो गया। कथावाचक अंजलि आर्य ने कि भगवान राम का वनवास से राजगद्दी तक का सफर अत्यंत कष्टपूर्ण और आदर्शपूर्ण था। जिसमें उन्होंने मर्यादा में रहते हुए कर्तव्य, धर्म और सत्य का पालन किया। जब श्री राम वन को जाने लगे तो सीता और लक्ष्मण ने भी उनके साथ वनवास जाने का निश्चय किया। उनके इस त्याग और कर्तव्यनिष्ठा से

श्रद्धालुओं को राम कथा सुनाते अंजली आर्या

समस्त अयोध्यावासी स्तब्ध थे। राम ने वनवास के दौरान साधारण जीवन बिताया। ऋषियों के आश्रमों में रुके और धर्म की शिक्षा प्राप्त की। वनवास के दौरान जब राम सीता लक्ष्मण दंडक वन में निवास कर रहे थे तो उनके भाई भरत उनसे मिलने पहुंचे। भरत श्री राम से अयोध्या लौटने का आग्रह करते हैं। लेकिन श्री राम वनवास के वचन को निभाने की दृढ़ता व्यक्त करते हैं। इसके बाद भरत श्री राम से उनकी खड़ाऊ ले जाते हैं, ताकि वह राम की उपस्थिति के प्रतीक रूप में शासन कर सकें। रावण, जो लंका का राजा था, उसने सीता का हरण कर सीता को अपने महल में बंदी बना लिया। राम ने अपनी पत्नी को मुक्त कराने के लिए वानर और भालू सेना की मदद से लंका पर चढ़ाई कर दी। राम ने काफी कठिनाइयों और संघर्षों के बाद रावण का वध किया और सीता को मुक्त कराया। इस प्रकार, भगवान राम का वनवास से राजगद्दी तक का मार्ग कई संघर्षों और परीक्षाओं से भरा था, लेकिन उन्होंने हमेशा मर्यादा में रहते हुए धर्म और सत्य का पालन किया। कथा के समापन अवसर पर पहुंचे मुख्य अतिथि शक्ति ठेकेदार ने 1 लाख रुपए की धनराशि देकर सहयोग किया।

सर्व सेवा संघ के आह्वान पर न्याय के दीप जलाए 100 दिवसीय सत्याग्रह जारी है जो 19 दिसंबर 2024 को संपन्न होगा।

न्याय के दीप जलाएं 100 दिनी सत्याग्रह जोश के साथ अगली कदम की ओर.......।

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

वाराणसी। गांधी विरासत को बचाने के लिए वाराणसी स्थित राजघाट परिसर के सामने चल रहे सत्याग्रह का गुरुवार को 58 वां दिन है। इस सत्याग्रह में अब तक उड़ीसा,पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र,राजस्थान और मध्य प्रदेश की भागीदारी हो चुकी है। 1 से 5 नवंबर 2024 तक आंध्र प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए सर्वोदय साथी सत्याग्रह में भाग लिये और अब से 6 से 10 नवंबर तक तेलंगाना की टीम सत्याग्रह में शामिल होगी। विरासत बचाने के लिए उपवास पर तेलंगाना के सी गोपाल राव और त्रिपुरा के जैनुल हुसैन बैठे तेलंगाना राज्य के भूपालापल्ली जिले के निवासी गोपाल राव का जन्म एक किसान परिवार में हुआ था। जब खेती को चारों तरफ हेय दृष्टि से देखा जाता है तो उस माहौल में भी खेती न केवल इनका पेशा है बल्कि शौक भी है। गोपाल राव विनोबा भावे के भूदान आंदोलन से प्राप्त जमीनों के वितरण में हो रही गड़बड़ियों के विरुद्ध प्रतिवाद का स्वर मुखर किया और समाधान भी किया। वे तेलंगाना सर्वोदय मंडल के कोषाध्यक्ष पद पर अपनी सेवा दे रहे हैं।आज फिर से जब विनोबा भावे की प्रेरणा से स्थापित परिसर की जमीन सरकार ने गलत तरीके से हड़प लिया है तो वे सत्याग्रह में शामिल होकर अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं। त्रिपुरा के निवासी जैनुल हुसैन गांधी विचार परिषद, वर्धा से डिप्लोमा करने के तुरंत बाद कोकड़ाझार में चल रहे शांति प्रयासों में योगदान दिया। कोकड़ाझार में चंदन पाल की सरपरस्ती और राधा बहन की प्रेरणा से 2012 से शुरू शांति प्रयास काफी अच्छे तरीके से चल रहा था। वे इस प्रयास में 2014 में पूरी तरह शामिल हो गये। शांति के संदेश के साथ 2015 में असम से कश्मीर तक एक साइकिल यात्रा निकाली गई थी। असम के कोकराझार सहित अधिकांश जिलों में यह यात्रा गई और 11 राज्यों में संपर्क करते हुए लगभग 2900 किलोमीटर की दूरी तय किया। इस कार्यक्रम में भाग लेने से मेरे मन पर गांधी विचार का गहरा असर हुआ। यही वजह है कि)जिसने मुझे इस सत्याग्रह में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। वे कहते हैं कि शांति और सौहार्द के इस केंद्र की पुनर्स्थापना मानवता की जरूरत है। सरकार इसमें अब कोई बाधा डालकर खलनायक बनने की कोशिश न करें बल्कि अपनी गलती सुधारकर सहयोग करे। भारत की महान संत परंपरा और स्वतंत्रता आंदोलन में विकसित हुए सेकुलर फेडरल और डेमोक्रेटिक रिपब्लिक की

जयंती) से सर्व सेवा संघ के आह्वान पर "न्याय के दीप जलाए जलाए -100 दिवसीय सत्याग्रह जारी है जो 19 दिसंबर 2024 को संपन्न होगा। गांधीवादी सामाजिक कार्यकर्ता जागृति राही ने कहा कि 11 सितम्बर से लगातार सत्याग्रह चल रहा है। देश भर से सर्वोदय विचार से जुड़े और अन्य जनतांत्रिक लोग सत्याग्रह स्थल,राजघाट,वाराणसी आ रहे हैं। हमारी लड़ाई सत्य,अहिंसा और न्याय के लिए है जिसे सत्ता में बैठे लोग मिटाना चाहते हैं। देश में चारों तरफ नफरत, झूठ, हिंसा,भ्रष्टाचार फरेब, अन्याय का अंधकार छाया हुआ है। सरकार संरक्षित पूंजीवाद ने कट्टरपंथी सांप्रदायिक राजनीति से गठबंधन बना लिया है। ऐसे समय में गांधी विचार की नैतिक ताकत मुक्तिदाता बनने का सामर्थ्य रखता है और प्रकाश की किरण इसी दिशा से आएगी। प्रकृति का नाश करने वाला विकास- मॉडल को हम सही नहीं मानते। पर्यटन के नाम पर गंगा के अंदर घुसकर कंक्रीट के जाल बिछाए जा रहे हैं क्योंकि अब इसे धंधा बना दिया गया है। करोड़ों लोगों की गरीबी की कीमत पर चंद अमीरों को गारंटी दी जा रही है। *भारत के मात्र 10 कॉर्पोरेट के पास लगभग 93 लाख एकड़ की संपत्ति है। इनका मुनाफा गत एक वर्ष में ही 40% बढ़ गया है। यह मुनाफा गरीबों से लूट का परिणाम है। जरूरत की चीजों की कीमतें आसमान छू रहीं हैं। बेरोजगारी बढ़ गई है। युवा हताश है। हमारा यह अभियान जनता को विकल्प देने के लिए है।इसमें सभी को जुड़ना चाहिए। आज के सत्याग्रह में उपवासकर्ता सी गोपाल राव और जैनुल हुसैन के अलावा सर्व सेवा संघ के मंत्री अरविंद कुशवाह, उत्तर प्रदेश सर्वोदय मंडल के अध्यक्ष राम धीरज ,वरिष्ठ गांधीवादी अलख भाई, लेखक एवं पत्रकार शक्ति कुमार, तारकेश्वर सिंह, सुरेंद्र नारायण सिंह, भदोही से विजन संस्था के वंशीधर, पूर्वांचल बहुजन मोर्चा के अनूप श्रमिक, गांधीवादी सामाजिक कार्यकर्ता जागृति राही,मानस, तेलंगाना से भास्कर,गिरीप्रसाद, प्रवीण गोविंदम्मा, आजमा शमी रेड्डी,अनवर पाशा, श्रीधर रेड्डी, पुष्पमा अन्तम्मा, चंपारण से आलमगीर, बिहार से डॉ अमानुल हक,रोहित पाठक ललित नारायण आदि शामिल हुए।

भ्रष्टाचार में लिप्त अफसरों के विरुद्ध कार्यवाही करने में संयुक्त सरकार पूर्ण रूप से विफल- संजय रघुवर

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

बिहार। मगधांचल समग्र विकास समिति के अध्यक्ष डॉ संजय रघुवर ने कहा कि बिहार में भ्रष्टाचार एवं अफसर शाही पराकाष्ठा पार कर चुका है, भ्रष्टाचार में लिप्त अफसरों के विरुद्ध कार्यवाही करने में मौजूद जनता दल(यू) एवं भारतीय जनता पार्टी की संयुक्त सरकार पूर्ण रूप से विफल है। डॉ संजय रघुवर ने कहा कि विगत ढाई वर्षो से लोकायुक्त के पद रिक्त है, यहां तक की लोकायुक्त सचिवालय के सचिव का भी पद रिक्त है, हजारों की संख्या में भ्रष्टाचार से संबंधित परिवाद लोकायुक्त कार्यालय में लंबित पड़ा हुआ है, इसी तरह से विगत 5-7 महीना से बिहार मानवाधिकार आयोग के सदस्यों (पीठासीन पदाधिकारियों) का पद रिक्त है ,जिससे पुलिस के द्वारा मानव अधिकार हनन और अपराधिक कांडों को रफा दफा करने के मामले में सुनवाई नहीं हो रही है । डॉ संजय रघुवर ने आगे कहा कि लोकायुक्त के पद ढाई वर्षो से रिक्त रहने एवं मानवाधिकार आयोग के सदस्यों के पद रिक्त रहने के विरुद्ध आवाज नहीं उठाने के मामले में मुख्य विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल भी जिम्मेवार है, और इस जिम्मेवारी से सामाजिक संगठनों को भी मुक्त नहीं किया जा सकता है ,डॉ संजय रघुवर ने बताया कि वह इस मामले में बिहार के महामहिम राज्यपाल एवं मुख्य सचिव बिहार सरकार को ज्ञापन सौंप रहे हैं।

1857 के महानायक बहादुर शाह जफर एवं महान स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस के सपनों को साकार करें सरकार

भारत के आखिरी मुगल शासक बहादुर शाह जफर द्वितीय (मिर्जा अबूजफर सिराजुद्दीन मुहम्मद बहादुर शाह जफर) की 162 वीं पुण्यतिथि पर सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन एवं मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन।

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

बेतिया। सत्याग्रह भवन में एक सर्व धर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया । इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय पीस एंबेस्डर सह सचिव सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन डॉ एजाज अहमद अधिवक्ता ,डॉ सुरेश कुमार अग्रवाल चांसलर प्रज्ञान अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय झारखंड, वरिष्ठ पत्रकार सह संस्थापक मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट डॉ अमानुल हक,डॉ शाहनवाज अली, डॉ अमित कुमार लोहिया सामाजिक कार्यकर्ता नवीदूं चतुर्वेदी ,पश्चिम चंपारण कला मंच की संयोजक शाहीन परवीन ने संयुक्त रूप से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि आज ही के दिन प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 के महानायक महान स्वतंत्रता सेनानी बहादुर शाह जफर का निधन हुआ था। उनका सारा जीवन भारत , हिन्दू मुस्लिम एकता, अखंडता संप्रभुता एवं भारत की स्वाधीनता के लिए समर्पित रहा है । 7 नवंबर 1862 की सुबह 5 बजे उनका देहांत हो गया था।सैयद मेहंदी हसन अपनी किताब 'बहादुर शाह जफर ऐंड द वॉर ऑफ 1857 इन डेली' में लिखते हैं कि बहादुर शाह के कर्मचारी अहमद बेग के अनुसार 26 अक्तूबर 1862से ही उनकी तबीयत नासाज थी और वो मुश्किल से खाना खा पा रहे थे। "दिन पर दिन उनकी तबीयत बिगड़ती गई और 2 नवंबर को हालत काफी बुरी हो गई थी. 3 नवंबर को उन्हें देखने आए डॉक्टर ने बताया कि उनके गले की हालत बेहद खराब है और थूक तक निगल पाना उनके लिए मुश्किल हो रहा है."। सैयद मेहंदी हसन लिखते हैं कि 6 नवंबर को डॉक्टर ने बताया कि वो लगातार कमजोर होते जा रहे हैं।7 नवंबर 1862 को उनकी मौत हो गई. जब उनकी मौत हुई वो अंग्रेजों की कैद में भारत से दूर रंगून में थे। "रंगून में जिस घर में बहादुर शाह जफर को कैद कर के रखा गया था उसी घर के पीछे उनकी कब्र बनाई गई और उन्हें दफनाने के बाद कब्र की जमीन समतल कर दी गई. इस अवसर पर

वक्ताओं ने कहा कि भारत गणतंत्र की 75 वीं महोत्सव भारत मना रहा है ।बहादुर शाह जफर की यह अंतिम इच्छा थी कि उनका कब्र भारत की राजधानी दिल्ली में हो ।उसके लिए उन्होंने जगह भी निर्धारित कर रखी थी। महान स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस ने अपने रंगून यात्रा में बहादुर शाह जफर के कब्र पर यह संकल्प लिया था कि भारत की स्वाधीनता के बाद बहादुर शाह जफर को पुनः दिल्ली में दफनाया जाएगा। इस अवसर पर वक्ताओं ने सरकार से मांग करते हुए कहा कि बहादुर शाह जफर को पुनः रंगून से दिल्ली में दफनाया जाए । ताकि भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी बहादुर शाह जफर एवं महान स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस के सपनों को साकार किया जा सके।

बालिकाओं को मिशन शक्ति अभियान के तहत विभिन्न हेल्प लाइन की जानकारी दी

■ उरई

मिशन शक्ति अभियान फेज-5 के अन्तर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन हेतु जनपद जालौन की महिलाओं/बालिकाओं को पुलिस और सरकार की तरफ से चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं आदि की जानकारी दी जा रही है । महिलाओं/बालिकाओं को नारी सुरक्षा/मिशन शक्ति अभियान के तहत विभिन्न हेल्प लाइन नम्बर वुमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102 एम्बुलेंस सेवा 108 व साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा थानों के सीयूजी नम्बर आदि के बारे जानकारी देते हुए 24 घण्टे पुलिस सहायता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में अवगत कराया जा रहा है तथा विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों, जरूरी सूचनाओं, कल्याणकारी योजनाओं एवं सुरक्षा संबंधी जानकारियों सहित बुकलेट/पैम्पलेट आदि भी वितरित किये जा रहे हैं ।

अतिरिक्त दहेज की मांग पूरी न कर पाने पर ससुरालीजन कर रहे उत्पीड़न

जालौन-उरई। अतिरिक्त दहेज में कार की मांग पूरी न कर पाने पर ससुरालीजनों द्वारा मानसिक व शारीरिक उत्पीड़न किए जाने की शिकायत पीड़िता ने कोतवाली में की। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जंच शुरू की।

कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला चुरखीवाल निवासी शिवानी ने पुलिस को बताया कि उसके पिता विजय कुमार ने उसकी शादी 30 जनवरी 2024 को झांसी के सीपरी बाजार निवासी यतेंद्र के साथ की थी। शादी में पिता ने पर्याप्त दान दहेज दिया था। लेकिन ससुराल पहुंचने पर ससुरालीजन दान दहेज से संतुष्ट नहीं हुए और अतिरिक्त दहेज के रूप में कार की मांग करने लगे।पिता से बात करने पर उन्होंने कार देने में असमर्थता जताई तो उन्होंने शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया और उसे घर से निकाल दिया। पीड़िता की तहरीर पर आरोपी पति यतेंद्र, देवर आकाश, सास सीमा, ससुर राम मनोहर, मामा ससुर सोनू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की।

विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन 9 नवंबर को वृद्धाश्रम में

उरई। सचिव/तहसीलदार तहसील विधिक सेवा समिति उरई ने विधिक साक्षरता शिविर/जागरूकता कार्यक्रम दिनांक 09.11.2024 के आयोजन के सम्बंध में बताया कि अपर जिला जज, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पत्र दिनांक 30.04.2024 के द्वारा माह नवम्बर 2024 में विधिक सेवा कार्यक्रम/विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन दिनांक 09.11.2024 को बृद्धाश्रम राठ रोड उरई में विधिक सेवा दिवस/लोक अदालत के लाभ स्थायी लोक अदालत / लीगल एण्ड डिफेन्स सिस्टम, पशु क्रुरता से संरक्षण अधिनियम/पशु क्रुरता संरक्षण प्रति जागरूकता कार्यक्रम हेतु प्रातः 12 बजे निर्धारित किया गया है, जिसमें टीम लीडर श्री योगेन्द्र सिंह तखेले पी0एल0वी0 नामित किये गये हैं। उक्त के सम्बन्ध में श्री योगेन्द्र सिंह तखेले पी0एल0वी0 द्वारा अवगत कराया गया है कि विधिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन तहसील उरई के बृद्धाश्रम राठ रोड उरई में दिनांक 09.11.2024 को आयोजित किया जा रहा है। अतः आप से अनुरोध है कि उक्त शिविर में निर्धारित तिथि एवं ससमय से प्रतिभाग करने का कष्ट करें। कार्यक्रम के दौरान मास्क / फेस कवर, सैनेटाइजर व कोविड-19 के बचाव हेतु सोशल व फिजिकल डिस्टेन्सिग (सामाजिक व शारीरिक दूरी) का पालन किया जाना अनिवार्य है।

विभिन्न वित्तीय संस्थानों में हुई चेकिंग

उरई। प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष द्वारा पुलिस टीम के साथ थाना/चौकी क्षेत्र में पड़ने वाले बैंकों/एटीएम एवं विभिन्न वित्तीय संस्थानों में चेकिंग की गयी। चेकिंग के दौरान बैंक में लगे अलार्म एवं सीसीटीवी कैमरों को चेक किया गया कि सही प्रकार से कार्य कर रहा है या नही शाखा प्रबंधक से इस सम्बन्ध में वार्ता की गयी। बैंक डयूटी में लगे पुलिसकर्मियों को चेक कर सतर्कतापूर्वक डयूटी करने हेतु निर्देश दिये गये। बैंक परिसर में संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की गयी एवं अनावश्यक रूप से बैठे व्यक्तियों को बैंक परिसर से बाहर किया गया ।

भारत को जानो प्रतियोगिता में 20 विद्यालयों के 1778 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा दी

■ जालौन-उरई

भारत विकास परिषद के तत्वावधान में भारत को जानो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजित की गयी प्रतियोगिता में 20 विद्यालयों के 1778 छात्र छात्राओं ने परीक्षा दी। विजेता प्रतिभागियों को शाखा द्वारा सम्मानित किया जायेगा।

अपने देश के बारे विस्तार से जानने के लिए बच्चों को प्रेरित करने तथा उन्हें देश की उपलब्धियों व जानकारी से रूबरू कराने के लिए भारत विकास परिषद भारत को जानो प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है। भारत विकास परिषद द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में 20 विद्यालयों के 1778 छात्र छात्राओं ने भाग लिया। विद्यालयों में आयोजित प्रतियोगिता दो वर्गों में आयोजित की गयी। विद्यालय स्तर पर जूनियर व सीनियर वर्ग में परीक्षा आयोजित की गयी।

भारत विकास परिषद के अध्यक्ष मृत्युंजय श्रीवास्तव, सचिव प्रेम कुमार गुप्ता कल्लू बजाज कोषाध्यक्ष अरविंद श्रीवास्तव ने बताया कि प्रत्येक विद्यालय से जूनियर तथा सीनियर वर्ग के प्रथम तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले कुल दो बच्चो की टीम दिनांक सात नवंबर को सुबह 10 बजे छौलापुर रोड स्थित महाराणा प्रताप एकेडमी इंटर कॉलेज जालौन में शाखा स्तर पर आयोजित भारत को जानो क्विज में प्रतिभाग करेंगे। शाखा स्तर की विजेता टीम 12 तारीख को एल्ड्रिच पब्लिक स्कूल में प्रांतीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे।

विद्युत विभाग ने कैम्प लगाकर 3 लाख रुपये की राजस्व वसूली कर 120 कनेक्शन काटे

कोंच। ग्रामीण क्षेत्र में विधुत बकायेदारों पर लाखों रुपये की अदायगी शेष पड़ी हुई है। विभाग अब ग्रामीण इलाकों में भी राजस्व वसूली अभियान में तेजी कर है जिससे ग्रामीण उपभोक्ताओं में भी खलबली मची हुई है।अधीक्षण अभियंता और अधिशासी अभियंता के निर्देशन में कोंच उपखंड अधिकारी अनिरुद्ध कुमार मौर्य के नेतृत्व में अवर अभियंता अमन पांडेय ने संविदा कर्मियों के साथ मिलकर उपखंड क्षेत्र के ग्राम गोवर्धनपुरा, असूपुरा, बिरगुवाँ बुजुर्ग, भेंड़, किशुनपुरा में कैंप लगाकर करीब 3 लाख रुपये राजस्व वसूला। वहीं मौके पर बकाया राजस्व जमा न करने पर 120 उपभोक्ताओं के कनेक्शन काट दिए गए। उपखंड अधिकारी ने ग्रामीण उपभोक्ताओं से कहा कि प्रतिमाह अपने बिलों की धनराशि जमा करें। देय तिथि तक धनराशि जमा करने पर 1 प्रतिशत की छूट भी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि धनराशि जमा न करने पर और चोरी से बिजली जलाने पर कनेक्शन काट कर मुकदमा दर्ज कराया जायेगा।

तेल का नमूना फेल होने पर न्यायालय में वाद दायर की प्रक्रिया शुरू

■ जालौन-उरई

दीपावली के मौके पर खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने छापामारी कर खाद्य पदार्थों के नमूने भरे थे। पुरानी नझाई में संचालित आयल मिल से भरा गया तेल का नमूना फेल हो गया है जबकि गोवर्धन दूध से भरे गए दूध व खोया की जांच रिपोर्ट नहीं आयी है। नमूना फेल होने पर न्यायालय में वाद दायर की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी।

नगर में मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री रोकने के लिए समय समय पर जांच अभियान चलाकर नमूने भरे जाते हैं। इसके बाद भी मिलावट पर विभाग रोक नहीं लगा पा रहा है। नगर व ग्रामीण क्षेत्र में बगैर पंजीकरण के दूध डेयरी संचालित है फिर भी उनके खिलाफ कार्यवाही नहीं हो रही है। दीपावली के पर्व से पूर्व खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने खाद्य पदार्थों के नमूने भरे थे। गोवर्धन दूध डेयरी से दूध व खोया के भरे गये नमूनों की अभी जांच रिपोर्ट नहीं आयी है। सहायक आयुक्त डां जितिन कुमार ने बताया कि खाद्य विभाग की टीम ने पुरानी नझाई में संचालित आयल मिल से सरसों के तेल का नमूना भरा था। भरा गया तेल का नमूना मानक के अनुरूप नहीं पाया गया है। मानक के अनूरूप न पाये जाने पर न्यायालय में वाद प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। न्यायालय के आदेश के बाद नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

गाली-गलौज कर की मारपीट, पुलिस ने किया मामला दर्ज

■ कोंच

गाली गलौज कर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने में पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के ग्राम धनौरा निवासी मोतीलाल पुत्र हरदयाल ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि 3 नवंबर को रात मे उसका पुत्र अनीस घर के अंदर गाड़ी रख रहा था। इसी दौरान गाँव के ही संजीव, जीतेश, राघवेन्द्र, राहुल घर के दरवाजे पर आकर पुत्र के साथ गाली गलौज करने लगे। शोरगुल सुनकर उसके अन्य दो पुत्र मनीष और आर्यन, पुत्री डॉली और पत्नी सुनीता घर के दरवाजे पर आयी तो उक्त आरोपियों ने एकराय होकर सभी लोगों के साथ गाली गलौज की और फिर लात घूसों से मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। उक्त घटना को लेकर पुलिस ने उपरोक्त सभी आरोपियों के खिलाफ धारा 115(2), 351(2), 352 में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

डीएम ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के सफल क्रियान्वयन को की वर्चुअल बैठक

■ उरई

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट सभागार में वित्तीय वर्ष 2024-25 में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु वर्चुअल बैठक कर सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने समस्त खंड विकास अधिकारी व अधिशासी अधिकारी नगर पालिका, नगर पंचायतों में प्राप्त आवेदन पत्रों का सत्यापन कर शीघ्र ही मुख्य विकास अधिकारी व समाज कल्याण अधिकारी को भेजें, 22 नवंबर को 500 मुख्यमंत्री सामुहिक विवाह का आयोजन नवीन मंडी कालपी रोड में किया जाएगा। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित कि आवंटित लक्ष्य की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित कराये जाने हेतु विशेष अभियान चलाकर व्यापक प्रचार-प्रसार कराते हुए ऑनलाईन आवेदन पत्र भरवाना सुनिश्चित करें तथा अद्यतन समय तक जो भी आवेदन पत्र ऑनलाईन प्राप्त हुए है, उन्हे स्थलीय सत्यापन कराते हुए ऑनलाईन अग्रसारित करना सुनिश्चित करें। किसी भी ग्राम पंचायत या वार्ड में 05 या 05 से अधिक आवेदन पत्र पाये जाने पर उनका स्थलीय सत्यापन स्वयं खण्ड विकास अधिकारी / अधिशासी अधिकारी द्वारा किया जाये। किसी भी प्रकार की अनियमितता अथवा विकास खण्ड/नगरीय निकाय की प्रगति शून्य पाये जाने पर उत्तरदायित्व निर्धारित किया जायेगा। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नहीं होगी। जिला समाज कल्याण अधिकारी प्रवीण सिंह ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024 के लिए कुल 965 का लक्ष्य प्राप्त हैं। इस योजना में 35 हजार रुपए कन्या के खाते में,10 हजार का उपहार सामग्री तथा 6 हजार आयोजन में प्रति जोड़ा खर्च किया जाता है। एक जोडे पर शासन द्वारा 51 हजार की धनराशि खर्ज की जाती है।

संक्षिप्त पर महत्वपूर्ण

यासीन मलिक की पत्नी ने राहुल गांधी को लिखा पत्र

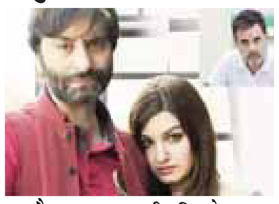

लाहौर। जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के प्रमुख यासीन मलिक की पत्नी मुशाल हुसैन मलिक ने राहुल गांधी को पत्र लिखा है। मुशाल हुसैन मलिक ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को पत्र लिखकर जेल में बंद अपने पति का मुद्दा संसद में उठाने का आग्रह किया। मानवाधिकार और महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की पूर्व सहायक मुशाल ने राहुल गांधी को लिखे पत्र में तीन दशक पुराने राजद्रोह मामले में मलिक के खिलाफ जारी मुकदमे की ओर उनका ध्यान आकर्षित किया है।

बदला लेने के लिए चाकू गोदकर युवक की हत्या

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-63 स्थित चोटपुर कॉलोनी में बुधवार रात दो पक्षों के बीच हुई कहासुनी में एक युवक की चाकू गोदकर हत्या कर दी। उसे बचाने आया दोस्त में हमले में घायल हो गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। इस मामले में तीन आरोपी फरार है। पुलिस उन्हें पकड़ने के लिए दबिश दे रही है। मृतक की पहचान आशु के रूप में हुई। एडीसीपी हृदयेश कठेरिया के मुताबिक आरोपियों को चिन्हित कर लिया गया है और जल्द ही उनकी गिरफ्तारी हो जाएगी। पुलिस ने बताया कि आशु अपने परिवार के साथ चोटपुर कॉलोनी में रहता था। उसके माता-पिता एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते हैं।

17 को बदरीनाथ धाम के कपाट होंगे बंद

नई दिल्ली। विश्व प्रसिद्ध श्री बदरीनाथ धाम के कपाट 17 नवंबर को रात्रि 9 बजकर 7 मिनट पर शीतकाल के लिए बंद हो जायेंगे। कपाट बंद होने की प्रक्रिया के अंतर्गत बुधवार 13 नवंबर से पंच पूजाएं शुरू होंगी। कपाट बंद की प्रक्रिया के अवसर पर श्री बदरीनाथ – केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) अध्यक्ष अजेंद्र अजय मौजूद रहेंगे। बीकेटीसी मीडिया प्रभारी हरीश गौड़ ने बताया कि श्री पंचपूजाओं के अंतर्गत पहले दिन भगवान गणेश की पूजा होगी। शाम को इसी दिन भगवान गणेश के कपाट बंद होंगे। दूसरे दिन बृहस्पतिवार 14 नवंबर को आदि केदारेश्वर मंदिर तथा शंकराचार्य मंदिर के कपाट बंद होंगे।

मोदी सरकार की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टालरेंस की नीति के तहत इसके इको सिस्टम को पूरी तरह खत्म करना अहम है

आतंकवाद से निपटने के उपायों पर दो दिन चलेगा मंथन, अमित शाह करेंगे सम्मेलन का उद्घाटन

- अमित शाह करेंगे एनआइए द्वारा आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन
- विमानों और होटलों में बम की अफवाहों से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने पर भी हो सकती है चर्चा

एजेंसी, नई दिल्ली

देश से सामने आतंकवाद की मौजूदा चुनौतियों और उससे निपटने के उपायों पर आतंकरोधी एजेंसियों के प्रमुख दो दिन तक मंथन करेंगे। गुरूवार से शुरू हो रहे दो दिन के आतंकवाद निरोधी सम्मेलन में जम्मू-कश्मीर में बढ़ रही आतंकवाद की घटनाओं से लेकर देश की आर्थिक संप्रभुता के लिए चुनौती बन रहे विमानों व होटलों में बम की अफवाहों से निपटने के उपायों पर चर्चा हो सकती है। केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह उद्घाटन करेंगे। गृह मंत्रालय के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार आयोजित सम्मेलन में राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करने वाले सभी मुद्दों पर चर्चा होगी। वैसे जम्मू-कश्मीर समेत पूरे देश में पिछले 10 सालों में आतंकी घटनाओं में काफी कमी आई है। पूर्वोत्तर भारत में अलगाववादी घटनाएं भी न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया है और अमित शाह ने मार्च 2026 तक नक्सलवाद को पूरी तरह से खत्म करने का ऐलान किया है। इसके बावजूद राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए नई चुनौतियां भी सामने आ रही हैं। ऐसे में इस सम्मेलन को अहम माना जा रहा है।

विमानों और होटलों में बम की अफवाहों से निपटने पर होगी चर्चा

खासतौर पर विमानों और होटलों में बम की अफवाहों से निपटने के लिए एजेंसियां अभी तक कोई ठोस रणनीति बनाने में विफल रही है। इससे निपटने की रणनीति पर सम्मेलन के दौरान विस्तार से चर्चा हो सकती है। गृहमंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद पर काफी हद तक लगाम लगाने में सफलता मिली है। लेकिन उसका इको सिस्टम पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। इसी वजह से पिछले कुछ महीनों में आतंकवादी घटनाओं में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। मोदी सरकार की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टालरेंस की नीति के तहत इसके इको सिस्टम को पूरी तरह खत्म करना अहम है। सम्मेलन में इसको लेकर रणनीति पर भी विचार विमर्श होगा। इसके साथ ही गिरफ्तार आतंकियों को अदालत से जल्द और कड़ी सजा दिलाने को लिए विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय बनाने पर भी चर्चा होगी।

जम्मू–कश्मीर विधानसभा में विशेष दर्जे का प्रस्ताव पारित

जम्मू–कश्मीर में आतंकवाद पर काफी हद तक लगाम लगाने में सफलता मिली

भारी हंगामे और भाजपा के कड़े विरोध के बीच जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने बुधवार को प्रदेश के लिए विशेष दर्जे की बहाली का प्रस्ताव पास कर दिया, हालांकि इस प्रस्ताव में अनुच्छेद 370 का कोई जिक्र नहीं है। चुनाव से पूर्व नेशनल कान्फ्रेंस ने विधानसभा की पहली बैठक में 370 की वापसी का प्रस्ताव लाने का वादा किया था। उधर भाजपा ने इसे संविधान और राष्ट्रविरोधी करार देकर जमकर हंगामा किया। अभी तक 370 जैसे मुद्दे से बचती रही कांग्रेस भी प्रस्ताव के समर्थन में खड़ी दिखी।

अमेरिका के बाद चीन भारत का दूसरा सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार देश है

चीन को लेकर ट्रंप की नीति पर भारत की होगी नजर
हिंद प्रशांत क्षेत्र में शांति को लेकर प्रयास जारी

- हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन के आक्रामक रवैये को रोकने को लेकर ज्यादा सक्रियता
- चीनी उत्पादों पर अमेरिका की निर्भरता घटाने संबंधी उपाय

एजेंसी, वॉशिंगटन

अमेरिकी राजनीति में सबसे ऐतिहासिक कमबैक करने के बाद आम तौर पर दुनिया के तमाम विशेषज्ञ मान रहे हैं कि डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की कई नीतियां मौजूदा वैश्विक व्यवस्था में उथल-पुथल मचा सकती हैं। यूक्रेन-रूस युद्ध से लेकर पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के अलावा विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) जैसे संगठनों की भूमिका और पर्यावरण सुरक्षा को लेकर ट्रंप की नीतियां मौजूदा जो बाइडन सरकार से बिल्कुल अलग हो सकती हैं। लेकिन जहां तक भारत की बात है तो यहां के नीतिकार ट्रंप की दो प्रमुख नीतियों पर नजर रखेंगे। पहली, हिंद प्रशांत क्षेत्र को लेकर चीन की आक्रामक गतिविधियों को रोकने और दूसरी, चीन निर्मित उपकरणों पर अमेरिकी निर्भरता को खत्म करने को लेकर नई सरकार की नीति।

भारत और अमेरिका के रिश्ते और गहरे होंगे

पिछले वर्ष तक अमेरिका में राजदूत रहे तरणजीत सिंह सिद्धू ने एक मीडिया चैनल को बताया है कि ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में भारत और अमेरिका के रिश्ते और गहरे होंगे। खास तौर पर रणनीतिक क्षेत्र में। कई क्षेत्रों में यह साझेदारी और प्रगाढ़ होगी। यह भी याद रखना होगा कि हिंद प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका की पहली नीति ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में जारी की थी और इसमें हमेशा भारत की एक अहम भूमिका होगी। पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल का कहना है कि ट्रंप की आर्थिक नीति का भारत पर सबसे ज्यादा असर होगा। वह हर देश से आने वाले उत्पादों पर 10-20 प्रतिशत ज्यादा आयात शुल्क लगाने से लेकर भारत को सबसे ज्यादा शुल्क लगाने वाला देश बताते रहे हैं।

सीमा विवाद के बावजूद भारत व चीन के द्विपक्षीय रिश्तों के अपने मायने

पिछले तीन वर्षों में देखा जाए तो क्वाड के भीतर सहयोग बहुआयामी हुआ है तो दूसरी तरफ हिंद प्रशांत क्षेत्र में भी चीन पहले के मुकाबले ज्यादा आक्रामक हो गया है। ऐसे में निश्चित तौर पर क्वाड की सक्रियता भी बढ़ेगी। लेकिन भारत व अमेरिका के रिश्ते सिर्फ चीन केंद्रित नहीं हैं। हाल के वर्षों में सीमा विवाद के बावजूद भारत व चीन के द्विपक्षीय रिश्तों के अपने मायने हैं। अमेरिका के बाद चीन भारत का दूसरा सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार देश है। ऐसे में भारत यह देखेगा कि चीन को लेकर नई अमेरिकी सरकार की आर्थिक नीतियां क्या होती हैं? ट्रंप अपने वादे के मुताबिक चीन निर्मित उत्पादों के आयात पर रोक लगाते हैं तो इससे भारत व अमेरिका के आर्थिक संबंधों पर सकारात्मक असर होगा।

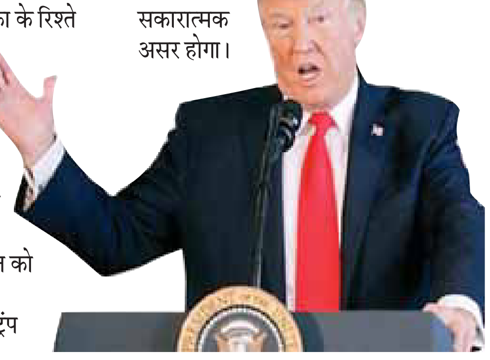

ट्रंप की जीत ने यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने का रास्ता खोल दिया

जानकारों का कहना है कि ट्रंप प्रशासन की उक्त दोनों नीतियों से भारत को फायदा ही होगा। प्रमुख रणनीतिक विशेषज्ञ ब्रह्मा चेलानी का कहना है कि ट्रंप की जीत ने यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने का रास्ता खोल दिया है और साथ ही यह भारत के साथ संबंधों में फिर से परस्पर आदर भाव डालने का काम करेगा। बाइडन प्रशासन के भीतर के लोगों के हस्तक्षेप की वजह से भारत के साथ अमेरिका के रिश्तों में तनाव आ गया था।

शुरू की 4जी नेटवर्क की सुविधा

भारत ने एलएसी पर गलवान और दौलत बेग ओल्डी में लगाए मोबाइल टावर

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत लद्दाख में चीन से लगती वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर स्थित सबसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में कनेक्टिविटी को लगातार बढ़ावा दे रहा है। इसी के तहत प्रमुख निजी दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल ने रणनीतिक रूप से अहम इलाकों गलवां और दौलत बेग ओल्डी (डीबीओ) में अपना 4जी नेटवर्क शुरू किया है। कंपनी ने बुधवार को बताया कि इसके साथ ही वह समुद्र तल से 16,700 फीट ऊपर अपना नेटवर्क स्थापित करने वाली एकमात्र निजी दूरसंचार सेवा प्रदाता बन गई है। कंपनी ने कारगिल, सियाचिन, गलवां, डीबीओ और चांगथांग में कुल 17 मोबाइल टावर स्थापित किए हैं। गलवां और डीबीओ का सामरिक महत्व बहुत अधिक है। ये दोनों इलाके काराकोरम रेंज के उत्तर-पूर्वी छोर पर स्थित हैं। यह ऐसा क्षेत्र है जहां पड़ोसी चीन के साथ हाल के दिनों में सैन्य तनाव रहा है।

दो नेशन फर्स्ट सरकारों में टकराव कहां है

ट्रंप की जीत और कमला हैरिस की हार भारत के वामपंथियों के लिए बड़ा झटका है।

अजय सेतिया की कलम से

कमला हैरिस का हारना भारत के लिए अच्छी खबर है। कमला हैरिस के हारने से भारत की उन शक्तियों को दुबारा धक्का लगा है, जिन्हें मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने से धक्का लगा था। उनमें राहुल गांधी पहले नंबर पर हैं। उनका समर्थक पूरा लेफ्ट लिबरल गैंग मातम मना रहा है, ये वही गैंग हैं, जिसे बांग्लादेश में शेख हसीना के तख्ता पलट पर क्रांति नजर आई थी। कमला हैरिस भारतीय मूल की है, वह जीतती तो अमेरिका में भारतीय मूल की पहली राष्ट्रपतितो होती ही अमेरिका की पहली महिला राष्ट्रपतिभी होती। लेकिन, अमेरिकनों ने एक महिला को नहीं हराया है। बल्कि, एक कम्युनिस्ट को हराया है। ट्रंप की जीत और कमला हैरिस की हार भारत के वामपंथियों के लिए बड़ा झटका है। अमेरिका में एक कम्युनिस्ट की जीत भारत के लिए बहुत ही भयानक साबित होती। जो बाइडेन ने मोदी सरकार के साथ टकराव की जो शुरुआत की थी, उसमें और तेजी आती। इसलिए अमेरिका में एक भारतीय का हारना, भारत के लिए शुभ है। प्रधानमंत्री मोदी इस बार शान्ति से अमेरिका के चुनाव को देख रहे थे। पिछली बार की तरह उन्होंने रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप का प्रचार नहीं किया। हालांकि, डोनाल्ड ट्रंप ने कई बार चुनाव प्रचार में मोदी का नाम लिया। मोदी ने अपने अमेरिका दौरे के दौरान ट्रंप से मुलाक़ात भी नहीं की। लेकिन, खालिस्तानी गुरपतवंत सिंह पन्नू के मुद्दे पर बाइडेन सरकार ने मोदी सरकार से टकराव ने चुनावी भूमिका तय कर दी थी। अगर कोई यह समझता है कि कमला हैरिस को हराने में भारत और भारतीयों ने कोई भूमिका नहीं निभाई तो वह मूर्खों की दुनिया में रहता है। तीन कारणों से मोदी सरकार चाहती थी कि डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस हारे। सबसे पहला कारण था बाईडन प्रशासन खालिस्तानी पन्नू का मददगार था। पन्नू पर हमले के लिए वह भारत को कटघरे में खड़ा कर रहा था। दूसरा कारण था कि बाइडेन प्रशासन ने भारतीय चुनावों में राहुल गांधी की जीत के लिए हर संभव कोशिश की थी। तीसरा कारण था- बाइडेन प्रशासन ने भारत की मित्र बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना का तख्ता पलट किया था। कम्युनिस्ट विचारधारा के कारण कमला हैरिस की नीतियां भारत के लिए बाईडन से भी ज्यादा खतरनाक साबित होती। उपरोक्त कारणों से डोनाल्ड ट्रंप का जीतना भारत के लिए शुभ लक्षण है। इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज के दिन सबसे ज्यादा खुश हैं और उन्होंने ट्रंप के साथ अपनी चार पुरानी फोटो शेयर करते हुए खुशी का इजहार भी किया है। इनमें से एक फोटो गले मिलने वाली है। अमेरिकन भी मानते हैं कि ट्रंप की जीत से अमेरिका के भारत के साथ रिश्तों में सुधार होगा। अपने पिछले टर्म के दौरान ट्रंप ने भारत के साथ कुछ बड़े रक्षा समझौते किए थे। ट्रंप का जीतना चीन के लिए जरूर खतरे की घंटी है, क्योंकि ट्रंप की नीतियां चीन विरोधी रही हैं। वह घोर चीन विरोधी माने जाते रहे हैं। मोदी और ट्रंप में एक समानता है और वह है राष्ट्र प्रथम की नीति। दोनों ही अपने अपने देश में अवैध घुसपैठ के खिलाफ कड़े कदम उठाने और अवैध घुसपैठियों को निकाल बाहर करने के हिमायती हैं। दोनों ही मानते हैं कि अवैध घुसपैठिए स्थानीय लोगों का रोजगार खा रहे है। दोनों ही मानते हैं कि घुसपैठियों के कारण उनके देशों में क्राइम और आतंकवाद बढ़ा है। ट्रंप और मोदी की इन्हीं एक जैसी विचारधारा के कारण मुस्लिम और कम्युनिस्ट दोनों का विरोध करते हैं। आर्थिक मोर्चे पर भारत के साथ जरूर ट्रंप प्रशासन का थोड़ा बहुत टकराव होगा, क्योंकि मोदी की तरह ट्रंप की नीतियां भी राष्ट्र प्रथम की नीति पर आधारित रहेंगी। ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में अमेरिकी उद्योगों को संरक्षण देने की नीतियां अपनाई थीं। उन्होंने चीन और भारत समेत कई देशों से आयात पर भारी टैक्स लगाए थे। ट्रंप ने इस बार भी अमेरिका फर्स्ट का नारा दिया है। माना जा रहा है कि जो देश अमेरिकन वस्तुओं के आयात पर ज्यादा टैक्स लगाएंगे, उन देशों से आयात पर वह भी भारी टैक्स लगाएंगे। चुनावों के दौरान भी जहां वह नरेंद्र मोदी को अपना मित्र कहते थे, वहीं उनकी अमेरिकन वस्तुओं पर भारी टैक्स की आलोचना भी करते थे। ट्रंप ने भारत से हार्ले डेविडसन मोटर साइकिलों पर टैक्स घटाने की मांग की थी। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि अगर ट्रंप ने भारतीय वस्तुओं पर आयात शुल्क बढ़ाया तो उसका भारत की जीडीपी पर नाकारात्मक असर होगा। लेकिन, ट्रंप की जीत से भारत में विपक्ष के हौसले टूटेंगे, जिससे भारत में साकारत्मक वातावरण बनने की संभावना बढ़ेगी।

विदेश मंत्री एस जयशंकर कैनबरा में आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीस से मुलाकात करते हुए।

प्रदूषण से राहत मिलने की उम्मीद नहीं

धुंध में लिपटी राजधानी, हवा जहरील, सांसों पर संकट बरकरार

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली की हवा इन दिनों जहरीली बनी हुई है। दिल्ली के कई हिस्सों में धुंध की मोटी परत छाई हुई है। दिल्ली के लोगों को आने वाले कई दिनों तक प्रदूषण से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। बीते कई दिनों से वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) बेहद खराब श्रेणी में बरकरार है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के डेटा के अनुसार, आज सुबह आनंद विहार में एक्यूआई 426, मुंडका में एक्यूआई 417 बवाना में 411, बुराड़ी में 377, अशोक विहार 417, आईटीओ 358, जहांगीरपुरी 428, रोहिणी 405, नजफगढ़ 363, आरकेपुरम 378, पंजाबी बाग 388, सोनिया विहार 399, द्वारका सेक्टर 8 में 380 दर्ज किया गया है। वहीं, बुधवार को एक्यूआई 352 रहा, जोकि बेहद खराब श्रेणी में है। इसमें मंगलवार के मुकाबले 21 अंकों की कमी दर्ज की गई।

शुक्रवार तक बेहद खराब श्रेणी में रहेगी हवा

भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) के मुताबिक, बुधवार को हवा विभिन्न दिशा की ओर से चली। इस दौरान हवा की गति 4 से 8 किलोमीटर प्रतिघंटा रही। बृहस्पतिवार को भी हवा विभिन्न दिशा से चलने का अनुमान है। इस दौरान हवा 4 से 8 किलोमीटर प्रतिघंटे से चलेगी। वहीं, शुक्रवार को हवा विभिन्न दिशा की ओर से चलेगी। हवा की चाल 4 से 8 किलोमीटर प्रतिघंटे रहने का अनुमान है।

- दिल्ली उच्च न्यायालय ने यमुना तटों में छठ पूजा मनाने की अनुमति देने से इंकार कर दिया

दिल्ली में यमुना के घाट पर नहीं कर सकेंगे छठ पूजा, प्रदूषण के चलते उच्च न्यायालय ने नहीं दी अनुपति

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने यमुना तटों में छठ पूजा मनाने की अनुमति देने से इंकार कर दिया है। अदालत ने कहा कि यमुना नदी का पानी बहुत ज्यादा प्रदूषित है तथा इसमें पर्व मनाने से लोगों का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कोर्ट के इस फैसले पर कहा कि अदालत के आदेश ने आतिशी सरकार के झूठ तथा विफलताओं को उजागर कर दिया है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि पवित्र यमुना को प्रदूषित तथा जहरीले जल वाली यमुना बनाने में सफल केजरीवाल की दिल्ली सरकार की विफलताओं पर दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की पीठ ने यमुना में अमोनिया का अत्यधिक स्तर की वजह से प्रदूषित यमुना में छठ श्रद्धालुओं को सीधे तौर पूजा करने की इजाजत न देकर चिंता व्यक्त की है।

5 नवंबर से शुरू हुआ छठ पर्व

महाव्रत छठ पूजा मंगलवार 5 नवंबर से शुरू हो चुक है। 5 नवंबर तारीख को नहाय खाय, 6 नवंबर को खरना, 7 नवंबर को डूबते सूर्य को अर्घ्य और 8 नवंबर की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। छठ पूजा के दिन शाम को सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। इस दिन सुबह से व्रत करने वाला व्यक्ति निराहार और निर्जल रहता है। प्रसाद में ठेकुआ बनाते हैं। शाम को सूर्य पूजा करने के बाद भी रात में व्रत करने वाला निर्जल रहता है। चौथे दिन यानी यानी सप्तमी तिथि (8 नवंबर) की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रत पूरा होता है।

कोर्ट ने राजनेताओं को भी आड़े हाथों लिया

अदालत के आदेश ने आतिशी सरकार के झूठ तथा विफलताओं को उजागर कर दिया

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने कहा कि नदी में मौजूद प्रदूषण को हटाया भी जा सकता है। इस पर कोर्ट ने कहा कि यह काम रातोंरात संभव नहीं है। कोर्ट ने इस दौरान उस याचिका का भी जिक्र किया जिसमें 241 झुग्गीवासियों को यमुना के बाढ़ क्षेत्र से हटाने की बात कही गई है। कोर्ट ने कहा कि इन झुग्गी वालों का सीवेज यमुना को प्रदूषित कर रहा है। मगर उन्हें हटाने के बजाय सभी राजनेता वहां जाएंगे और लंबे-लंबे भाषण देंगे।

दिल्ली सरकार का दावा खोखला

कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि आतिशी सरकार आगामी विधानसभा चुनावों के लिए राजनीतिक जमीन तलाशने में व्यस्त होने तथा आरोप प्रत्यारोप की राजनीति की वजह से पूर्वांचल श्रद्धालुओं के लिए यमुना में हरियाणा सरकार से पानी छोड़ने का अनुरोध तक नही किया। वहीं कांग्रेस शासन के समय छठ से तीन दिन पहले ही पानी छोड़ दिया जाता था। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार का दावा है कि छठ पूजा के लिए 1000 घाट निर्धारित किए है, आज छठ पर्व के पहले दिन ही ये दावा पूरी तरह खोखला साबित हुआ। सरकार ने यमुना के घाटों की सफाई तो क्या जनसुविधाएं और सफाई व्यवस्था तक दुरुस्त नहीं की है।

वर्धा के भुंगांव स्टील कंपनी में लगी भयंकर आग

वर्धा। महाराष्ट्र के वर्धा से मिली एक सनसनीखेज खबर के अनुसार यहां भूगांव में एवोनिथ स्टील कंपनी में बीती रात भयंकर आग लग गई। इस हादसे में 18 मजदूर घायल हो गए हैं। वहीं तीन घायल मजदूरों का इलाज के लिए नागपुर के एक अस्पताल में रेफर किया गया है, जिसमें एक की हालत अब गंभीर है। वहीं बाकी बाकी 15 मजदूरों को सावंगी के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हादसा उस वक्त हुआ जब कंपनी के स्लैगपिट एरिया में कूलिंग प्रक्रिया चल रही थी। आग कैसे लगी उसकी फिलहाल जांच जारी है। जानकारी दें कि, पूर्वी महाराष्ट्र के वर्धा जिले में बीती रात एक इस्पात संयंत्र में हुई दुर्घटना में कम से कम 18 कर्मचारी घायल हो गए। बीते बुधवार की रात्रि हमेशा की तरह यहां करीब 20 श्रमिक काम कर रहे थे। तभी अचानक यहां कि फर्नेस (भट्टी) में ब्लास्ट हो गया। इस बॉयलर में से आग के गोले निकलने के कारण इन गोलों की चपेट में आए मजदूर बुरी तरह से झुलस गए.देखते ही देखते आग कंपनी पुरे परिसर को ही आगोश में ले ली।

संपादकीय

बुलडोजर एक्शन पर खफा शीर्ष कोर्ट

यूपी में जिस बुलडोजर एक्शन को लेकर यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ खासे चर्चा में रहे हैं, उस बुलडोजर एक्शन पर उनकी सरकार पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी ही नहीं की है बल्कि महाराजगंज में जिस पीड़ित याचिकाकर्ता का मकान ध्वस्त किया गया, उसे 25 लाख रुपये बतौर हजार्ना देने का आदेश दिया शीर्ष कोर्ट ने। दरअसल यूपी सरकार ने महाराजगंज जिले में सड़क चौड़ीकरण योजना के तहत कुछ घरों को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया था ताकि योजना फलीभूत हो सके लेकिन पीड़ित का तर्क था कि उसे न कोई नोटिस दिया गया और उसके घर को ध्वस्त कर दिया गया। अब सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर यूपी सरकार को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि ये पूरी तरह मनमानी और अराजकता है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड ने कहा कि ध्वस्तीकरण के लिए अपेक्षित मानकों का पालन नहीं किया गया। सीजे ने कहा कि हमारे पास मौजूद हलफनामा दशार्ता है कि कोई नोटिस जारी नहीं किया और आप मनमानी पर उतर आए। सीजे ने यूपी सरकार के वकील को भी आड़े हाथ लिया और कहा कि किस आधार पर आप मकान को अनाधिकृत कह सकते हैं जबकि एनएचआई की मूल चौड़ाई वाला कोई दस्तावेज तक देने की जरूरत हमें महसूस नहीं की गई। सीजे ने राज्य सरकार पर बरसते हुए कड़ी टिप्पणी की है। बकौल सीजेआई,इस तरह बगैर नोटिस दिए किसी के घर को तोड़ कर आप अराजकता दिखा रहे हैं। महज मुनादी कराके, लोगों को घर खाली करने और फिर ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया पूरी नही कर सकते। इससे पहले भी सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर एक्शन पर रोक लगाई थी लेकिन ये भी स्पष्ट किया थी कि ये रोक अवैध निमार्ण पर लागू नहीं होगी। योगी सरकार के अपने तर्क है कि यदि विकास कार्य करने तथा अतिक्रमणकारियों के खिलाफ सख्ती नहीं दिखाई जाएगी तो प्रक्रिया पूरी करने में भारी कठिनाई आती है लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने तार्किक आधार पर यूपी सरकार को इस बार सख्त ताकीद की है कि यदि ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया पूरी करनी हो अपेक्षित मानकों का पालने के बाद ही बुलडोजर एक्शन लिया जाए।

अब सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर यूपी सरकार को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि ये पूरी तरह मनमानी और अराजकता है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड ने कहा कि ध्वस्तीकरण के लिए अपेक्षित मानकों का पालन नहीं किया गया।

पाठकवाणी

तैते पांव पसारिए जैती लांबी सौर

राजनैतिक दलों को झूठे वादों और एहसान फरामोशी की सजा केवल जनता ही दे सकती है। कानून बनाकर सरकार भले ही खुश हो, लेकिन उस पर अमल कोसों दूर लगता है। वादों के हक मांगती जनता का राजनीतिक दलों पर दबाव ही चुनावी रेवड़ियों के लिए सबक बनता दिख रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष की अपनी पार्टी नेताओं को नसीहत एक नई शुरुआत कही जा सकती है। अगर सत्ता में बने रहकर जनता की उम्मीदों पर खरा उतरना है तो राजनीतिक दलों को जितनी चादर उतने ही पैर पसारने होंगे। जब से कुर्सी के लिए मारामारी मची है, मात्र वादों की घोषणाओं के अंबार लग गए हैं। राजनीतिक दल एक से बढ़कर एक रेवड़ी जनता को परोस रहे हैं, ताकि वोट हथिया सकें। प्रतिस्पर्धा के इस दौर में अपनी हैसियत से बाहर घोषणा करने में राजनीतिक दल नहीं चूके, लेकिन जब उन पर अमल का मौका आया तो सत्ताधारी दलों को बगले झांकने के सिवा कोई दूसरा उपाय नजर नहीं आया। इस मामले में कांग्रेस बड़े नुकसान में रही, क्योंकि केंद्र में सत्ता न होने के कारण एक तो ऊपर से सहायता का स्रोत बंद हो गया वहीं पार्टी की आर्थिक हालत भी इतनी सुदृढ़ नहीं रही कि वह राज्य सरकारों को कुछ मदद कर सके। यही वजह है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपनी हैसियत की ही घोषणा करने की नसीहत राज्य प्रमुखों को दी है।

-अमृतलाल मारू 'रवि', इन्दौर

कुछ खास

संविधान ने हमें सिखाया है कि प्रश्न पूछना लोगों का अधिकार है कि राजनीतिक प्रतिनिधि जनता के सेवक हैं और लोकतंत्र में लोगों की इच्छा सर्वोपरि है। आज हम अपने देश में एक नकारात्मक शक्ति को नफरत फैलाते हुए देख रहे हैं। अब हमें एकता और सकारात्मकता की आवश्यकता है। **-प्रियंका गांधी**, कांग्रेस

आज का ट्वीट

जुर्माना लगाने वाली सरकार पर ही कोर्ट जुर्माना लगा रहा है। भाजपा राज में उत्तर प्रदेश में फैली अराजकता का कोई और सबूत चाहिए क्या? अब क्या भाजपा सरकार खुद पर बुलडोजर चलवाएगी? **-अखिलेश यादव**, सपा

प्रियंका गांधी की असली परीक्षा

शाहीन सबा

पिछले तीन दशकों से राजनीतिक मंचों पर नजर आने वाली प्रियंका गांधी आखिर काफी अगर मगर के बाद चुनावी राजनीति में भी उतर गईं। क्या इंदिरा गांधी जैसी दिखने और गांधी परिवार की राजनीतिक कमान सम्हालने भर से वह चुनावी राजनीति में सफल हो जाएंगी? वह भी उस दौर में जो संघ की पाठशाला से निकले सबसे सफल प्रधानमंत्री मोदी का दौर कहा जाता है। जिस तरह उनके चुनाव लड़ने पर लंबा अगर मगर लगा था, वैसा ही इस स्तर पर सफलता पर भी लगा है। बहरहाल ये दिलचस्प है कि अनुभवी प्रचारक प्रियंका एक नौसिखिया उम्मीदवार प्रियंका के लिए केरल की वायानाड सीट पर वोट मांग रही हैं। हालांकि पहली बार (जैसा खुद खुलासा किया) उन्होंने 17 साल की उम्र में ही अपने पिता राजीव गांधी के लिए प्रचार करना शुरू किया था। भले ही वह कांग्रेस के लिए एक अनुभवी प्रचारक और संकटमोचक रही हैं। लेकिन इस लंबे सफर में वह अब तक केवल चुनाव प्रचार करने वाली बहन और बेटी की भूमिका में ही थी। पहली बार अपने लिए वोट मांग रही प्रियंका वायनाड की सभाओं में पिता, मां और भाई के लिए दिए भाषणों की याद ताजा भी करती हैं।

गांधी परिवार की सबसे ज्यादा जनसमर्थन रखने वाली सदस्य प्रियंका ने 52 साल की उम्र में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं, नेताओं और मीडिया के उस अगर मगर का जवाब दिया, जिसमें कहा जाता था कि वह ऐसा करेंगी। बतौर उम्मीदवार उनके पास चुनाव लड़ने का शून्य अनुभव हो, लेकिन इस बीच, प्रियंका गांधी पृष्ठभूमि में रहकर अपनी मां और भाई के चुनाव अभियान का प्रबंधन करती रहीं हैं। करीब छह साल पहले उनको संगठनात्मक जिम्मेदारी दी गई थी, जब 2019 में प्रियंका गांधी को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) का महासचिव नियुक्त किया गया और उन्हें पूर्वी उत्तर प्रदेश में पार्टी के अभियान का प्रभार दिया गया। उस समय कांग्रेस को ऐसा लगता था कि प्रियंका गांधी, इंदिरा गांधी की अक्स हैं और वो एक करिश्माई लीडर साबित हो सकती हैं।

कांग्रेस परिवार हमेशा उसे एक तुरुप का पत्ता मानती थी। साथ ही, चाहती थी कि जब भी प्रियंका गांधी राजनीति में आएंगी, तो कांग्रेस को इसका बहुत फायदा मिल सकता है और एक बड़ा बदलाव हो सकता है। उस समय प्रियंका ने साफ्ट हिंदुत्व की राह भी अपनाई थी। उन दिनों रूद्राक्ष की माला और माथे पर चंदन वाली प्रियंका हर जगह दिख जाती थी। हर विधानसभा क्षेत्र में दौरे में वह हर प्रसिद्ध मंदिर में जाने से नहीं चूकती थीं। अपने को बेहतर धार्मिक दिखाने के लिए उन्होंने गंगा यात्रा भी की थी। लेकिन ये सब कवायद बेकार गई और कयास केवल ख्याली साबित हुए और कांग्रेस यूपी के अंदर पूरी तरह से फेल साबित हुई। यूपी में कांग्रेस सिर्फ वापसी करने में नाकाम नहीं रही, बल्कि जिस स्थिति में थी उससे कहीं ज्यादा बदत्तर स्थिति में चली गई। कांग्रेसियों ने जैसा हौवा बनाया था कि कांग्रेस की स्थिति बदल जाएगी, ऐसा कुछ नहीं हुआ और कांग्रेस का जो एक तुरुप का पता माना जाता था, वो तुरुप का पत्ता भी नहीं चला। लेकिन कांग्रेस को या यूं कहें कि गांधी परिवार अभी भी प्रियंका को बड़ा पैकेज मानती है।

वैसे तो भाई-बहन में अच्छी टियूनिंग है लेकिन किसी टकराव से बचने के लिए उनको दक्षिण भारत से लांच किया जा रहा है। इसकी एक बड़ी वजह ये भी है कि उत्तर भारत में बीजेपी मजबूत है तो वहीं पार्टी अभी भी दक्षिण में कर्नाटक को छोड़ दें तो हर राज्यों में सियासी जमीन ही तलाश रही है, ऐसे में कांग्रेस के लिए साउथ सेफ पैसेज है। प्रियंका की वहां मौजूदगी से कांग्रेस को केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु जैसे राज्यों में पार्टी को मजबूत करने में मदद मिलेगी। कांग्रेस की अगुवाई वाला गठबंधन केरल की सत्ता से दूर है। साल 2021 के केरल चुनाव में भी लेफ्ट गठबंधन ने लगातार दूसरी बार सरकार चलाने का जनादेश हासिल किया था। अब कांग्रेस को उम्मीद है कि प्रियंका गांधी के वायनाड में होने का सकारात्मक असर केरल चुनाव में देखने को मिलेगा और पार्टी को उनके यहां होने से चुनाव अभियान में कामयाबी मिल सकती है। इसके अलावा कांग्रेस ये कतई नहीं चाहती कि दक्षिण में ये संदेश न जाए कि उसे पार्टी बस स्टेपनी की तरह यूज करती है। प्रियंका को उतारने से दक्षिण के लोगों में यह संदेश जाएगा कि कांग्रेस पार्टी उनको पूरी अहमियत देती है। चुनावी राजनीति में प्रियंका भले ही नवअभ्यागत हों, लेकिन वह एक मंजी हुई मंचीय नेता और कुशल वक्ता हैं। वह हर विषय पर सोच समझ कर बोलती हैं। वह अक्सर पीएम मोदी पर हमलावर रहती हैं, लेकिन उनके बयानों से कभी कंट्रोवर्सी पैदा नहीं हुई। प्रियंका गांधी ने जिस तरह से बीजेपी के हमलों को बगैर किसी विवाद के काउंटर किया,उसे भी कांग्रेस के नजरिए से उम्मीद जगाने वाला माना जा रहा है। वायनाड सीट से अगर प्रियंका सफल होती हैं, जिसकी सम्भावना दिख रही है तो कांग्रेस को केरल की राजनीति में भी बड़ी मदद मिलने की उम्मीद है। दरअसल केरल में कांग्रेस की अगुवाई वाला गठबंधन केरल की सत्ता से काफी दिनों से दूर है। साल 2021 के केरल चुनाव में भी लेफ्ट गठबंधन ने लगातार दूसरी बार सरकार चलाने का जनादेश हासिल किया था। राहुल के वायनाड सांसद बनने और 2019 में संसदीय चुनाव में बेहतर प्रदर्शन के बाद भी कांग्रेस को केरल की राजनीति में कुछ खास हासिल नहीं हुआ था। लेकिन प्रियंका के व्यक्तित्व में देखते हुए उनसे कांग्रेस को वहां सकारात्मक असर पड़ने की आस है।

एक बड़ा सवाल ये भी उठ रहा है कि आखिर कांग्रेस ने प्रियंका को इतनी देर में क्यों चुनावी मैदान में उतारा? जबकि उनका पहले वाला क्रेज भी नहीं रहा। कांग्रेस की राजनीति को समझने वाले विश्लेषकों का मानना है कि ये बिल्कुल सही समय है। कांग्रेस ने 2024 के लोकसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन किया और उसके सांसद, संसद में काफी मुखर नजर आ रहे हैं। अगर प्रियंका भी लोकसभा पहुंचती हैं तो वह अपने भाई के साथ मिल कर मोदी सरकार को और अच्छी तरह से घेर सकती हैं।

ये भी तथ्य है कि जनता में प्रियंका का राहुल से बेहतर क्रेज है, अगर वह राहुल से आगे निकल जाती हैं तो गांधी परिवार के वफादार समूहों में मतभेद बढ़ सकते हैं। ऐसा भी हो सकता है कि कुछ दिनों बाद मल्लिकार्जुन खड़गे के बदले प्रियंका को पार्टी की कमान सौंपने की मांग उठने लगे। बहरहाल प्रियंका गांधी को अब गांधी परिवार से बाहर निकलना और राजनीति में अपना स्थान सुनिश्चित करना होगा। उनसे बड़ी अपेक्षाएं हैं और उनकी क्षमताओं का निर्णय वायनाड और अन्य चुनावी जीतों द्वारा निर्धारित किया जाएगा। ये सही है कि आप परिवार के लोगों का नाम लेकर, इंदिरा गांधी जैसी दिख कर चुनाव जीत सकती हैं, लेकिन कितने, कब तक? प्रियंका को एक नेता के रूप में अपने को साबित करना होगा तभी वह पार्टी कार्यकर्ताओं में एक नई जान फूंक सकती हैं।

प्रियंका गांधी को अब गांधी परिवार से बाहर निकलना और राजनीति में अपना स्थान सुनिश्चित करना होगा। उनसे बड़ी अपेक्षाएं हैं और उनकी क्षमताओं का निर्णय वायनाड और अन्य चुनावी जीतों द्वारा निर्धारित किया जाएगा।

साइबरवर्ल्ड

समाज, बच्चे और हम

'**भारत एक खोज**' के रामायण पर बने एपिसोड में भास के प्रतिमानाटक को दिखाया गया है। इसमें एक प्रसंग आता है कि जहां सीता राम को वन में अस्त्र-शस्त्र धारण करने से रोकने के लिए एक कथा सुनाती है कि एक बार एक साधु की तपस्या भंग करने के लिए इंद्र भेस बदल कर उसके पास गए। उन्होंने उसको अपनी एक तलवार अमानत के तौर पर रखवा दी कि मैं लौट कर आऊंगा तब वापस ले लूंगा। अब तलवार को लेकर साधु काफी परेशान हो गए। जहां जाते वहां तलवार अपने पास रखते। धीरे-धीरे वो तलवार उनके स्वभाव में परिवर्तन लाने लगी और धीरे-धीरे वो अपना साधु स्वभाव छोड़कर एक हिंसक योद्धा बन गए। हालांकि राम अपने क्षत्रिय धर्म का हवाला देते हुए अस्त्र-शस्त्र त्यागने से इनकार कर देते हैं। शमोएल अहमद का एक नाटक है 'सिंगारदान' जिसकी कहानी है कि दंगों में एक वेश्या का कोठा लूट लिया जाता है। एक व्यक्ति उस लूट में वेश्या का हाथीदांत से बना सिंगारदान लूट लेकर आ जाता है। घर पर सती-सावित्री पत्नी है, बेटियां हैं। धीरे धीरे एक सिंगारदान के आने से कैसे पत्नी और बेटियों के स्वभाव में परिवर्तन आने लगता है कि नाटक के अंत तक पत्नी वेश्या बन चुकी होती है और पति उसका दलाल। दोनों ही कहानियों में ये दिखाया गया है कि कैसे एक चीज, एक वस्तु आपके स्वभाव में परिवर्तन ला सकती है। आपके व्यक्तित्व को बदल सकती है। आपके चरित्र को उठा सकती है, गिरा भी सकती है। वस्तु, स्थान, माहौल, संगत सब यही काम करते हैं। हम किन लोगों के साथ उठ बैठ रहे हैं, कैसे माहौल में है, क्या पढ़ रहे हैं, किस तरह की बातें कर रहे हैं, किन चीजों का उपयोग कर रहे हैं...ये सब हमारे चरित्र निर्माण में सहायक हैं। इसलिए कहता हूं आक्रामक नेता के पिछलग्गू बनने से पहले सोचे कि ये आक्रामकता आपके स्वभाव में, आपके बच्चों के स्वभाव में क्या परिवर्तन ला सकती है। घर पर बातें करते हैं तो जान लीजिए आपको एहसास हो या ना हो, बच्चे सब सुनते हैं। वो सब तुरंत सीखते हैं। कहीं आप उनमें वो संस्कार तो नहीं डाल रहे हैं जो भविष्य में बच्चों के लिए ही घातक हों?

-किशोर कुमार उपाध्याय की फेसबुक वॉल से

अमृतवाणी

भय का कारण

भगवद गीता के अध्याय 2, श्लोक 48 में भगवान श्री कृष्ण कहते हैं, हे अर्जुन! तुम योग में स्थिर रहो। अपने कर्तव्य का पालन करो और सफलता या असफलता की सभी आसक्तियों को त्याग दो। मन की ऐसी समता को योग कहते हैं। शास्त्रों के मुताबिक, योग का अभ्यास करने से व्यक्तिगत चेतना सार्वभौमिक चेतना से जुड़ती है। इसके चार व्यापक रूप हैं- कर्म योग, भक्ति योग, ज्ञान योग, और क्रिया योग।भगवत गीता के अनुसार, योग हमारे कार्यों को शुद्ध करने के लिए है, योग मन को नियंत्रित करता है और इंद्रियां और योग को भक्ति के साथ सर्वोच्चता से जोड़ता है। योग नतीजे या अंत परिणामों की अपेक्षा किए बिना निःस्वार्थ कार्यों का मार्ग है। धर्म के अनुसार आध्यात्मिक साधक अपने कर्तव्यों का पालन बिना परिणाम की चिंता किए, समता के साथ करता है। भगवान श्री कृष्ण वैराग्य के महत्व पर जोर देते हैं और अर्जुन को भविष्य की चिंता करने या अतीत पर पछतावा करने के बजाय वर्तमान क्षण और हाथ में मौजूद कार्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। ऐसा करने से, व्यक्ति संतुलन और समभाव की स्थिति प्राप्त कर सकता है, जो योग का अंतिम लक्ष्य है।

भगवद गीता का यह श्लोक हमें अपने कार्यों में केंद्रित और उपस्थित रहने का महत्व सिखाता है, और असफलता के डर या सफलता की इच्छा से मुक्त रहना सिखाता है। श्लोक का मर्म है भय, चिंता और घबराहट तभी तक रहती है जब तक हम किसी कार्य या कर्तव्य के पीछे के लाभ और नुकसान को देखते और अनुभव करते हैं। जिस पल हमारा कर्तव्य स्वार्थ रहित, इच्छा रहित और फलरहित हो जाता है उसी पल से भय और चिंता जीवन से अपने आप दूर चले जाते हैं।

तीखी नजर

मौका निकालो हग करो

जवाहर चौधरी

लोकतंत्र किसी के लिए कुछ भी हो राजनीति वालों के लिए मानो लड़की का ससुराल होता है। जैसे ही कोई व्यक्ति सामने पड़े झुक जाओ, चरण छू लो या फिर लपक के उसे हग कर लो। हग दो तरफा क्रिया होती है इसलिए इज्जत भी रह जाती है। पता ही नहीं पड़ता कि कौन किसको कर रहा है। दोनों सीना भिड़ाए एक दूसरे कि पीठ सहलाते हैं। दोनों अपना बड़प्पन क्लेम कर लेते हैं। इसलिए जब भी जरूरत महसूस हो तुरंत हग करें और ससम्मान खुश रहें।

अपने बाउजी राजनीति के पुराने खिलाड़ी हैं लेकिन हक के मामले में अभी प्रोबेशन पीरियड पर हैं । उन्हें गुरु ने समझाया था की राजनीति में कोई स्थाई शत्रु या स्थाई मित्र नहीं होता है। यानी जो शत्रु है वह भी मौके पर मित्र है और जो मित्र है वह भी अंततः शत्रु ही है। गरज है तो फरज है। राजनीति में गरज बड़ी चीज होती है आदमी और सिद्धांत नहीं। कभी-कभी पिद्दा सा आदमी की बड़े काम का होता है। ऐसे में उसके गले में हाथ डालना और खींच-खेंच कर अपने साथ खड़ा कर लेना जरूरी हो जाता है। बैठे आदमी का हग नहीं होता है, करो तो संसद हँसती है । इसलिए जैसे ही आदमी खड़ा हो लपक के उसका हग कर लो। सफल नेता बोलता कम है हग ज्यादा करता है। राजनीति में जानी दुश्मन भी जब चिपक के हक करते हैं तो मैसेज जाता है कि वे जबरदस्त मित्र हैं । मंच पर हों तो घोड़ा घास के चरण छू सकता है और शेरनी बकरे से अपनी मांग भरवा सकती है। राजनीति में जमने के लिए सब करना पड़ता है।

दुनियादारी का ज्ञान रखने वाले हमारे मित्र सरदार सच्चासिंह कहते हैं राजनीति बड़ी कुत्ती-चीज होती है। अवश्य होती होगी, अभी तक किसी शहरी-गैरशहरी कुत्ती-चीज ने आपत्ति दर्ज नहीं करवाई है। कुत्ती-चीजों का ऐसा है कि उनकी राजनीति बड़ी अलोकतांत्रिक होती है। उन्हें जब आपत्ति दर्ज कराना होती है तब अक्सर वे सहमत हो जाती हैं । इससे गलत संदेश जाता है और लोग उनके नक्शेकदम अपनी पार्टियां व निष्ठाएं तक बदलने में देर नहीं करते हैं। वैश्विक राजनीति में भी इसी प्रकार की कुत्ती-अदाएं दिखाई देती है। कौन कब गुर्राने लगेगा, कब किस पर झपट पड़ेगा कुछ कहा जा सकता है? दुनिया में शांति कायम रखना है तो बारूद-युद्ध नहीं हग-युद्ध कि जरूरत है । जिसने आगे बढ़ कर हग किया उसे फट्ट से उतना ही हग मिला।

अपना देसी वाला हग थोड़ा अलग होता है । बाजार को हग का मुनाफा मालूम है। एक लाफ्टर शो वाला हग हग के अरबपति और नंबर वन हो गया। समय का संकेत है कि ह्यगले पड़ केह्ल धंधा करो। कंपटीशन बहुत है। संस्थान सोच रहे हैं कि अब रिसेप्शनिस्ट के साथ-साथ हगीस्ट भी रखना पड़ेगा। रिसर्च वाले कह रहे हैं कि मेल फीमेल दोनों हगेरियंस की मांग में जबरदस्त उछाल आने वाला है । बाजार और राजनीति के उसूलों में ज्यादा अंतर नहीं है। धंधों में काम अलग-अलग हो सकता है लेकिन नियत एक ही होती है। तो चलिए, निकलिए बाहर, हग-मार्केट की ओर चलते हैं।

नजरिया

कब तक मिलती रहेगी तारीख पे तारीख

प्रियंका सौरभ

भारत में न्यायिक बैकलॉग एक बड़ी चुनौती है, जहां विभिन्न न्यायालयों में 4 करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं। इस बैकलॉग का एक मुख्य कारण अत्यधिक न्यायिक स्थगन है, जो मामले के समाधान में देरी करता है और न्याय प्रदान करने में बाधा डालता है। कार्यवाही को सुव्यवस्थित करने के प्रयासों के बावजूद, बार-बार स्थगन प्रगति को बाधित कर रहे हैं। इस मुद्दे को सम्बोधित करने के लिए इसके मूल कारणों को समझना और व्यवस्थित सुधारों को लागू करना आवश्यक है। बार-बार स्थगन से मामलों की अवधि बढ़ जाती है, कभी-कभी अंतिम समाधान में वर्षों या दशकों तक का समय लग जाता है, जिससे न्यायपालिका की दक्षता प्रभावित होती है। प्रत्येक स्थगन मुकदमेबाजी के समग्र खर्च को बढ़ाता है, जिससे पक्षकारों पर वित्तीय बोझ पड़ता है। स्थगन के कारण विस्तारित समयसीमा समय पर न्याय तक पहुंच को सीमित करती है, जिससे न्यायिक प्रणाली में जनता का विश्वास प्रभावित होता है।

अंडरट्रायल से जुड़े आपराधिक मामलों में अक्सर कई स्थगन होते हैं, जिससे न्याय में देरी होती है और निष्पक्ष और त्वरित सुनवाई के आरोपी के अधिकार पर असर पड़ता है। स्थगन के कारण न्यायालय का बहुमूल्य समय नष्ट हो जाता है, जिसका उपयोग अन्य मामलों को निपटाने में किया जा सकता है, जिससे प्रणाली की समग्र दक्षता कम हो जाती है। स्थगन के कारण होने वाली देरी से गवाहों में थकान, स्मृति क्षरण और कभी-कभी पीछे हटने की प्रवृत्ति पैदा हो सकती है, जिससे साक्ष्य की गुणवत्ता और मामले के परिणामों पर असर पड़ता है। गवाहों को डराने-धमकाने के मामलों में, बार-बार स्थगन के कारण गवाह अपने बयान से मुकर जाते हैं या बदल देते हैं, जिससे फैसले पर असर पड़ता है।

प्रक्रियात्मक संहिता स्थगन के लिए छूट प्रदान करती है, जिससे वकील रणनीतिक लाभ के लिए इस लचीलेपन का फायदा उठा सकते हैं। सिविल प्रक्रिया संहिता कुछ शर्तों के तहत स्थगन की अनुमति देती है, लेकिन कार्यवाही में देरी के लिए अक्सर इसका दुरुपयोग किया जाता है। उच्च केस लोड और सीमित न्यायालय कर्मचारी बार-बार स्थगन में योगदान करते हैं, क्योंकि न्यायाधीश प्रत्येक मामले को पर्याप्त समय आवंटित करने के लिए संघर्ष करते हैं। निचली अदालतों में, न्यायाधीशों पर अक्सर बहुत अधिक बोझ होता है, वे हर महीने सैकड़ों मामलों को संभालते हैं, जिसके परिणामस्वरूप सुनवाई स्थगित हो जाती है। पक्षकार व्यक्तिगत या रणनीतिक कारणों से कार्यवाही में देरी करने के लिए जानबूझकर स्थगन की मांग कर सकते हैं, जैसे कि वित्तीय देनदारियों में देरी या प्रतिकूल निर्णयों को स्थगित करना। संपत्ति विवादों में, प्रतिवादी समाधान के बिना कब्जे को लंबा करने के लिए बार-बार स्थगन लेते हैं।

उच्च केस लोड और सीमित न्यायालय कर्मचारी बार-बार स्थगन में योगदान करते हैं, क्योंकि न्यायाधीश प्रत्येक मामले को पर्याप्त समय आवंटित करने के लिए संघर्ष करते हैं। निचली अदालतों में, न्यायाधीशों पर अक्सर बहुत अधिक बोझ होता है।

प्रभावी केस प्रबंधन प्रणालियों की अनुपस्थिति का मतलब है कि मामलों को कुशलतापूर्वक शेड्यूल या मॉनिटर नहीं किया जाता है, जिससे अनावश्यक स्थगन होता है। डिजिटल केस-ट्रैकिंग सिस्टम की कमी वाले न्यायालयों को प्रशासनिक अक्षमताओं का सामना करना पड़ता है, जिससे केस की प्रगति की निगरानी करना और देरी को कम करना कठिन हो जाता है। प्रशिक्षित न्यायालय कर्मियों की सीमित उपलब्धता, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, प्रक्रियात्मक देरी और स्थगन के लिए बार-बार अनुरोध की ओर ले जाती है। प्रक्रियात्मक संहिताओं में संशोधन करके स्थगन की संख्या सीमित करें, खास तौर पर दीवानी और आपराधिक मामलों में। कुछ उच्च न्यायालयों ने स्थगन की अधिकतम सीमा तीन प्रति मामले तक सीमित करने के लिए सुधार पेश किए हैं, जिससे केस समाधान समयसीमा में सुधार हुआ है। शेड्यूलिंग को सुव्यवस्थित करने, केस की प्रगति की निगरानी करने और न्यायालय के संसाधनों को प्रभावी ढंग से आवंटित करने के लिए डिजिटल केस प्रबंधन उपकरण लागू करें। ई-कोर्ट परियोजना का उद्देश्य कुशल केस ट्रैकिंग, पारदर्शिता बढ़ाने और अनावश्यक देरी को कम करने के लिए डिजिटल सिस्टम शुरू करना है।

मामलों के कुशल निपटान को प्रोत्साहित करने और स्थगन को कम करने के लिए न्यायाधीशों और न्यायालय के कर्मचारियों के लिए प्रदर्शन प्रोत्साहन पेश करें। राज्यों ने ऐसी योजनाएं लागू की हैं जो न्यायिक अधिकारियों को केस समयसीमा का पालन करने के लिए पहचानती हैं और पुरस्कृत करती हैं, जिससे जवाबदेही को बढ़ावा मिलता है। केस हैंडलिंग क्षमता में सुधार के लिए, विशेष रूप से अधिक बोझ वाली अदालतों में, अतिरिक्त कर्मियों की नियुक्ति करके न्यायाधीशों की कमी को दूर करें। अतिरिक्त ज़िला न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए हाल ही में सरकार की पहल ने कुछ उच्च-लंबित क्षेत्रों में केस लोड को कम करने में मदद की है। वकीलों को नैतिक प्रथाओं पर शिक्षित करने, अनावश्यक स्थगन अनुरोधों को हतोत्साहित करने और समय पर केस समाधान को बढ़ावा देने के लिए कार्यशालाएँ आयोजित करें। कानूनी निकायों ने सतत व्यावसायिक विकास कार्यक्रम शुरू किए हैं, जिनका उद्देश्य कुशल मामले निपटान की संस्कृति विकसित करना है।

भारत के न्यायिक बैकलॉग को सम्बोधित करने और न्याय वितरण को बढ़ाने के लिए न्यायिक स्थगन को कम करना आवश्यक है। केस प्रबंधन, स्थगन को सीमित करने और न्यायिक क्षमता का विस्तार करने जैसे उपायों को अपनाकर, न्यायपालिका एक कुशल प्रणाली की ओर प्रगति कर सकती है। यह सही कहा गया है, 'न्याय में देरी न्याय से इनकार है,' सभी के लिए निष्पक्ष और न्यायसंगत न्याय सुनिश्चित करने के लिए समय पर सुधारों की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करता है।

सार संक्षेप

असलंका करेंगे न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे और टी-20 मैचों में श्रीलंका टीम की कप्तानी

कोलंबो : चरिथ असलंका न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय और टी-20 सीरीज के लिए श्रीलंका टीम की कप्तानी करेंगे। श्रीलंका ने हाल ही में भारत और वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने वाले अनुभवी खिलाड़ियों को भी दोनों प्रारूपों के लिए टीम में जगह दी है। नौ और 10 नवंबर को दो टी-20 मैच खेले जाएंगे। वहीं 13, 17 और 19 नवंबर को एकदिवसीय मैच होंगे। पहले तीन मैच रांगिरी दांबुला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में तथा अंतिम दो एकदिवसीय मैच पल्लेकेले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। श्रीलंका की एकदिवसीय टीमः- चरिथ असलंका (कप्तान), पथुम निसंका, अविष्का फर्नांडो, कुसल परेरा, कुसल मेंडिस, कामिंदु मेंडिस, जेनिथ लियानगे, सदीरा समरविक्रमा, निशान मदुश्का, डुनिथ वेलालेज, वानिंदु हसरंगा, महीश तीक्षणा, जेफरी वांडरसे, चामिदु विक्रमसिंघे, असिथा फर्नांडो, दिलशान मदुशंका और मोहम्मद शिराज।

हॉकी इंडिया का लेवल 'वन' कोचिंग कोर्स हुआ शुरू

नई दिल्ली : हॉकी इंडिया का बुधवार को मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में कोचिंग एजुकेशन पाथवे लेवल 'वन' कोचिंग कोर्स 2024 शुरू हो गया है। इस कार्यक्रम में 96 महत्वाकांक्षी भारतीय कोच अपने कौशल को बढ़ाने के साथ नवीनतम कोचिंग तकनीकों के बारे में जान सकेंगे। उम्मीदवारों को 24 के चार बैचों में विभाजित किया जाएगा, जिसमें अंतिम बैच का कोर्स 14 नवंबर को समाप्त होगा। हॉकी इंडिया के शिक्षक बीजे करिअप्पा, विक्रम कांत और एडगर मस्कारेनहास नौ दिवसीय कार्यक्रम के जरिए उम्मीदवारों का मार्गदर्शन करेंगे। लेवल 'वन' कोचिंग कोर्स के सफल समापन के बाद उम्मीदवार लेवल 'दो' कोचिंग कोर्स में दाखिले के पात्र होंगे। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की ने इस पहल पर कहा कि हमें 2024 के लिए हॉकी इंडिया कोचिंग एजुकेशन पाथवे लेवल 'वन' कोचिंग कोर्स शुरू करने की खुशी है। यह कार्यक्रम हमारे कोचों को नवीनतम तकनीकों और ज्ञान से विकसित और सशक्त बनाने का महत्वपूर्ण मिशन है। हमारा मानना है कि भारत में हॉकी के विकास और सफलता के लिए अच्छी तरह से प्रशिक्षित कोच आवश्यक हैं और हम उन्हें उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक संसाधन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि हॉकी इंडिया कोचिंग एजुकेशन पाथवे लेवल 'वन' कोचिंग कोर्स की शुरुआत भारत में हॉकी कोचिंग के मानकों को बढ़ाने के हमारे चल रहे प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। अपने कोचों को नवीनतम कौशल और कार्यप्रणाली से लैस करके, हमारा लक्ष्य प्रतिभा की एक नई पीढ़ी को बढ़ावा देना है जो भारतीय हॉकी के भविष्य को आगे बढ़ाएगी। हम इस कोर्स के हमारे कोचों और अंततः उनके द्वारा प्रशिक्षित खिलाड़ियों पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभाव को देखकर उत्साहित हैं।

स्वियाटेक को हराकर गॉफ डब्ल्यूटीए फाइनल में सेमीफाइनल में

रियाद : अमेरिका की महिला टेनिस स्टार कोको गॉफ ने डब्ल्यूटीए फाइनल में गत चैंपियन इगा स्वियाटेक को सीधे सेटों में हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली हैं। ऑरेंज ग्रुप एकल के दूसरे दौर के मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों ने पहले सेट में 3-3 तक सर्विस बरकरार रखी। इसके बाद गॉफ ने लगातार दो बार स्वियाटेक की सर्विस तोड़कर पहला सेट 6-3 से जीत लिया। दूसरे सेट में दोनों खिलाड़ियों ने पहले आठ गेम में दो बार एक दूसरे की सर्विस तोड़ी और स्कोर 4-4 पर पहुंच गया। इसके बाद गॉफ ने एक बार फिर स्वियाटेक की सर्विस तोड़कर यह सेट 6-4 से जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। मैच के बाद गॉफ ने कहा कि आज यह निश्चित रूप से मेरे लिए एक अच्छा मैच था। आप जानते हैं कि इगा के साथ खेलना मेरे लिए कठिन है, लेकिन मैं वास्तव में खुश हूं कि मैं पूरा मैच में खेलने में कामयाब रही। वहीं एक अन्य मैच में चेक गणराज्य की बारबोरा क्रेजिकोवा ने अमेरिकी जेसिका पेगुला को एक घंटे और 9 मिनट चले मुकाबले में 6-3, 6-3 से हराया।

यू मुंबा ने रोमांचक मुकाबले में पटना को 2 अंक से हराया

हैदराबाद : यू मुंबा और पटना पाइरेट्स के बीच बुधवार को खेले गये प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 37वें मुकाबले में अंतिम सेकेंड तक दोनों टीमों के बीच आगे निकलने की होड़ लगी रही और मुंबा ने पटना को अंतिम मिनट में आलआउट कर यह मैच 42-40 से जीत लिया। यहां गाचीबोवली के जीएमसीबी इंडोर स्टेडियम में रोमांचक मुकाबले में मुंबा ने जीत दर्ज की। सात मैचों में चौथी जीत के साथ मुंबा अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उसकी जीत में अजीत चव्हाण (19 अंक) सुपर हीरो बनकर उभरे। अजीत ने दो सुपर रेड के साथ देवांक (15 अंक) और अयान (8 अंक) को फीका साबित किया। यह छह मैचों में पटना की तीसरी हार है। शुरुआती 11 मिनट में दोनों टीमों के बीच जोरदार मुकाबला हुआ। पटना ने 10-9 की लीड बना रखी थी। देवांक की बदौलत पटना ने 3-1 की लीड के साथ शुरुआत की और फिर अयान के मल्टी प्वाइंट्स की बदौलत अपनी लीड को 9-6 तक पहुंचा दिया।

कोहली 10 साल बाद टॉप-20 टेस्ट रैंकिंग से बाहर

रोहित 26वें नंबर पर पहुंचे, सिर्फ दो बल्लेबाज टॉप-10 में, जडेजा फिर टॉप ऑलराउंडर

विराट कोहली 2014 में आखिरी बार टॉप-20 टेस्ट रैंकिंग से हुए थे बाहर

दुबई, वार्ता : आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में भारत के विराट कोहली टॉप-20 और रोहित शर्मा टॉप-20 से बाहर हो गए हैं। बुधवार को जारी हुई नई रैंकिंग में ऋषभ पंत और शुभमन गिल को फायदा हुआ। वहीं गेंदबाजी रैंकिंग में रविचंद्रन अश्विन पांचवें नंबर पर पहुंच गए।

टेस्ट टीम रैंकिंग में न्यूजीलैंड एक स्थान की छलांग लगाकर 5वें नंबर पर पहुंच गया। टीम ने श्रीलंका को पीछे धकेला। ऑस्ट्रेलिया पहले और भारत दूसरे नंबर पर मौजूद है। रवींद्र जडेजा ऑलराउंडर की लिस्ट में टॉप पर बने हुए हैं। दूसरे नंबर पर आर. अश्विन हैं। बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में विराट कोहली एक ही फिफ्टी लगा सके। उन्होंने 10 पारियों में 21.33 की औसत से 192 रन बनाए। लगातार 5 टेस्ट में कमजोर प्रदर्शन के कारण विराट को 8 स्थान का नुकसान हुआ और वह 22वें नंबर पर पहुंच गए। विराट 10 साल बाद टॉप-20 टेस्ट रैंकिंग से बाहर हुए, आखिरी बार 2014 में वह इंग्लैंड के खिलाफ खराब परफॉर्मेंस के कारण टॉप-20 से बाहर हुए थे। उसी साल उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में 4 सेंचुरी लगाकर टॉप-10 में वापसी की थी। भारत अब 22 नवंबर से फिर एक बार ऑस्ट्रेलिया दौरे पर ही जा रहा है। विराट कोहली पिछले 5 टेस्ट में एक ही फिफ्टी लगा सके हैं। बल्लेबाजी रैंकिंग में रोहित शर्मा को भी नुकसान हुआ, वह 24वें से 26वें नंबर पर पहुंच गए। भारत के विकेटकीपर बैटर ऋषभ पंत ने टॉप-10 में एंट्री की, वह छठे नंबर पर पहुंच गए। शुभमन गिल भी 4 स्थान की छलांग लगाकर 16वें नंबर पर पहुंच गए। टेस्ट बल्लेबाजों में टॉप भारतीय यशस्वी जायसवाल बने हुए हैं। हालांकि, न्यूजीलैंड सीरीज के बाद वह भी एक स्थान का नुकसान झेलकर चौथे नंबर पर पहुंच गए। इंग्लैंड के जो रूट पहले और न्यूजीलैंड के केन विलियमसन दूसरे नंबर पर हैं। बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद गेंदबाजी रैंकिंग में भारत के जसप्रीत बुमराह पहले और रविचंद्रन अश्विन दूसरे नंबर पर थे। न्यूजीलैंड सीरीज के बाद बुमराह तीसरे और अश्विन पांचवें नंबर पर पहुंच गए। हालांकि, रवींद्र जडेजा 2 स्थान की छलांग लगाकर छठे नंबर पर पहुंच गए। साउथ अफ्रीका के कगिसो रबाडा पहले और ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड दूसरे नंबर पर कायम हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ 0-3 से टेस्ट सीरीज हारने के बाद भी भारत टीम रैंकिंग में दूसरे नंबर पर कायम है। ऑस्ट्रेलिया टॉप पर है। न्यूजीलैंड एक स्थान के फायदे के साथ पांचवें नंबर पर पहुंच गया। टीम इंडिया वनडे और टी-20 की टॉप टीम बनी हुई है। न्यूजीलैंड ने भारत में 3-0 से टेस्ट जीतकर इतिहास रच दिया है। जबकि टीम इंडिया ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में पहुंचने की राह को बहुत मुश्किल बना लिया है। टीम को अब बाकी टीमों पर निर्भर नहीं रहना तो 22 नवंबर से ऑस्ट्रेलिया में शुरू होने वाली 5 टेस्ट की सीरीज में 4 मैच जीतने ही होंगे।

बोर्ड गेंद विवाद पर स्पष्टीकरण दे : वॉर्नर

सिडनी, वार्ता: ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने ऑस्ट्रेलिया ए और इंडिया ए के बीच मैके में खेले गए पहले अनौपचारिक टेस्ट के अंतिम दिन गेंद बदले जाने को लेकर हुए विवाद पर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) से स्पष्टीकरण की मांग की है। वॉर्नर गेंद विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अंतिम निर्णय तो सीए को करना है। मुझे लगता है कि सीए ने जितनी जल्दी हो सके इस मामले को दबा दिया क्योंकि भारतीय टीम यहां आने वाली है। हालांकि मुझे ऐसा लगता है कि अगर अंपायरों को लगता है कि कुछ हुआ है तो मुझे भरोसा है कि इस संबंध में आगे कोई कार्रवाई की जाएगी। अंपायर या फिर मैच रेफरी को सामने आकर सभी सवालों के जवाब देने चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि मैच रेफरी को अपने स्टाफ यानि अंपायर्स से बात करनी चाहिए। अगर वे अंपायर के निर्णय से सहमत हैं तो आपको भी इसके लिए खड़ा होना होगा।

डेविड वॉर्नर बने सिडनी थंडर के कप्तान

सिडनी, वार्ता: ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को बिग बैश लीग (बीबीएल) 2024-25 के लिए सिडनी थंडर का कप्तान बनाया गया है। वर्ष 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में गेंद से छेड़छाड़ को लेकर वॉर्नर को आजीवन कप्तानी के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया था। डेविड वॉर्नर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके है। पिछले दिनों डेविड वॉर्नर ने कप्तानी पर लगे बैन के खिलाफ अपील की थी। जिसके बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के आचार संहिता आयोग ने उन पर लगे प्रतिबंध को समाप्त कर दिया। समीक्षा पैनल ने कहा कि वार्नर जवाबों के सम्मानजनक तथा पश्चाताप भरे लहजे ने समीक्षा पैनल को प्रभावित किया और उन्हें अपने आचरण के लिए अत्यधिक पश्चाताप है। इसके बाद उन्हें सिडनी थंडर का कप्तान बनाए जाने की घोषणा की गई। सिडनी थंडर का कप्तान बनाए जाने पर डेविड वॉर्नर ने कहा कि एक बार फिर सिडनी थंडर की कप्तानी करना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं शुरुआत से ही इस टीम का हिस्सा रहा हूं। अब अपने नाम के आगे 'सी' के साथ वापस आना बहुत अच्छा लग रहा है। वार्नर ने इससे पहले 2011 में एक बार थंडर का नेतृत्व किया था।

वनडे और टी-20 के लिए ऑस्ट्रेलिया के कप्तान बने जोश इंग्लिस

● सिडनी, वार्ता

ऑस्ट्रेलिया ने जोश इंग्लिस को पाकिस्तान के खिलाफ सफेद गेंद घरेलू सीरीज के लिए टीम का नया कप्तान बनाया हैं।

चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने बुधवार को कहा कि जोश एकदिवसीय और टी-20 अंतरराष्ट्रीय टीमों का अभिन्न सदस्य है और मैदान के अंदर और बाहर एक बेहद सम्मानित खिलाड़ी है। बेली ने कहा कि वह पहले भी ऑस्ट्रेलिया ए टीम का नेतृत्व कर चुके है और उनको मैट शॉर्ट और एडम जम्पा जैसे खिलाड़ियों के साथ-साथ ग्लेन मैक्सवेल और मार्कस स्टोइनिस जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों से भी भरपूर समर्थन मिलेगा। इंग्लिस के प्रमोशन से टेस्ट कप्तान पैट कमिंस और साथी रेड-बॉल सितारे मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, मार्नस लाबुशेन और स्टीव स्मिथ पाकिस्तान के खिलाफ चल रही एकदिवसीय सीरीज के अंतिम मैच से बाहर रहेंगे। वहीं तेज गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन और जेवियर बार्टलेट को विकेटकीपर-बल्लेबाज जोश फिलिप और एक अन्य तेज गेंदबाज लांस मॉरिस के साथ टीम में जगह दी गई है। ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की

एकदिवसीय सीरीज का पहला मैच दो विकेट से जीत चुका है। अब सीरीज के अंतिम दो मैच एडिलेड (8 नवंबर) और पर्थ (10 नवंबर) में खेले जाएंगे। इसके बाद तीन मैचों की टी-20 सीरीज 14 से 18 नवंबर के बीच ब्रिसबेन, सिडनी और होबार्ट में खेली जाएगी।

साक्षी ने पीएम से की कुश्ती बचाने की अपील

● चंडीगढ़, वार्ता

पहलवान साक्षी मलिक ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया से कुश्ती का भविष्य बचाने की अपील की।

मलिक ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर प्रधानमंत्री और खेल मंत्री को संबोधित करते हुए जारी वीडियो सन्देश में कहा कि पिछले साल कुश्ती फेडरेशन के चुनाव हुए। उसके दूसरे ही दिन ब्रजभूषण की 'बेहूदगी' और दबदबे को आपने और पूरे देश ने देखा, जिससे दुखी होकर और बड़े परेशान मन से मुझे अपनी कुश्ती को त्यागना पड़ा। उसके बाद सरकार ने फेडरेशन को सस्पेंड कर दिया। लेकिन कुछ ही दिनों में फेडरेशन ने अपनी गतिविधियां फिर से चालू कर दीं। इस पर उच्च न्यायालय ने कहा कि सरकार द्वारा निलंबित फेडरेशन कोई भी गतिविधियां कैसे संचालित कर सकती है। उच्च न्यायालय ने उन गतिविधियों पर रोक लगा दी। फेडरेशन ने उच्च न्यायालय के आदेश का पालन नहीं किया। उच्च न्यायालय ने फिर से फटकार

लगाई, तो उन्होंने बच्चों को आगे कर दिया। साक्षी ने कहा कि मैं उन बच्चों की मजबूरियां समझ सकती हूं, उनका पूरा करियर उनके आगे है। और वह करियर ऐसे फेडरेशन के हाथ में है। सर मेरा आपसे निवेदन है कि अगर आपको लगता है कि ब्रजभूषण के दबदबे वाले फेडरेशन में बच्चियों का भविष्य सुरक्षित है, तो आप फेडरेशन पर लगा सस्पेन्शन हटा दीजिए। और आपको ऐसा नहीं लगता तो कोई स्थायी समाधान सोचिये। ओलंपियन मलिक ने आरोप लगाया कि पिछले कुछ दिनों से ब्रजभूषण से जुड़े लोगों की उनके पास धमकियां आ रही हैं कि वह उत्तरी रेलवे में बच्चों की भर्तियां देख रही हैं। उन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा दिए जाएंगे। मलिक ने कहा कि उन्हें ऐसी धमकियों से फर्क नहीं पड़ता, उन्हें दुख होता है कुश्ती के खराब भविष्य को देखकर। उन्होंने कहा कि मेरा आपसे निवेदन है, आप हमारी कुश्ती को बचाइए।

जलज सक्सेना ने झटके पांच विकेट

रणजी ट्रॉफी : केरल ने उत्तर प्रदेश को 162 के स्कोर पर समेटा

● तिरुवनंतपुरम, वार्ता

जलज सक्सेना (पांच विकेट) और अन्य गेंदबाजो की शानदार गेदबाजी के दम पर केरल ने बुधवार को रणजी ट्रॉफी में ग्रुप सी के मुकाबले में यूपी की टीम को पहली पारी मे 60.2 ओवर में 162 के स्कोर पर समेट कर दिन खेल समाप्त होने के समय दो विकेट पर 82 रन बनाकर मैच पर अपनी पकड़ बना ली है।

यहां केरल ने टॉस जीतकर यूपी को पहले बल्लेबाजी करने का न्यौता दिया। बल्लेबाजी करने उतरी यूपी को कोई भी बल्लेबाज केरल के गेंदबाजों के आगे अधिक देर तक नहीं टिक सका। यूपी का पहला विकेट कप्तान आर्यन जुयाल (23) के रूप में गिरा। उन्हे जलज सक्सेना ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद प्रियम गर्ग (01), माधव कौशिक (13), समीर रिजवी (01), सिद्धार्थ यादव (19), नीतिश राणा (25),सौरभ कुमार (19), पीयूष चावला (10) शिवम मावी (13) रन बनाकर आउट हुए। शिवम शर्मा ने यूपी के लिए सर्वाधिक (30) रनों की पारी खेली। यूपी

की पूरी टीम ने 60.2 ओवर में 162 के स्कोर पर ढेर हो गई। केरल की ओर से जलज सक्सेना ने पांच विकेट लिए। बेसिल थंपी ने दो बल्लेबाजों को आउट किया। आदित्य सरवटे, के एम आसिफ और बाबा अपराजित को एक-एक विकेट मिला। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी केरल ने दिन का खेल समाप्त होने तक दो विकेट पर 82 रन बना लिए थे और बाबा अपराजित (नाबाद 21) और आदित्य सरवटे (नाबाद 04) क्रीज पर थे। वत्सल गोविंद (23) और रोहन कुन्नुमल (28) रन बनाकर आउट हुए। शिवम मावी और आकिब ने एक-एक विकेट लिया।

यश ढुल के शतक से दिल्ली का सम्मानजक स्कोर

चंड़ीगढ़, वार्ता : यश ढुल (121) की शतकीय पारी के दम पर दिल्ली ने बुधवार रणजी ट्रॉफी के ग्रुप डी मुकाबले में 276 का सम्मानजक स्कोर के बाद बल्लेबाजी करने उतरी चंड़ीगढ़ का 63 के स्कोर पर एक विकेट झटक लिया हैं। यहां टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली ने यश ढुल (121), आयुष बदोनी (49), शिवांक वशिष्ठ (31), सनत सांगवान (23) के योगदान से 71.4 ओवर में 276 का सम्मानजक स्कोर खड़ा किया। चंड़ीगढ़ की ओर से निशंक बिड़ला ने छह विकेट लिए। विशु कश्यप ने दो बल्लेबाजों को आउट किया। जगजीत सिंह को एक विकेट मिला। जिसके जवाब में दिन का खेल समाप्त होने के समय चंड़ीगढ़ ने एक विकेट पर 63 रन बना लिए थे और शिवम भांबरी (नाबाद 42) और मनन वोहरा (नाबाद 17) क्रीज पर मौजूद थे। सिद्धांत शर्मा ने अर्सलान (00) को आउट किया।

शुभम और वेंकटेश अय्यर के शतक से मप्र बड़े स्कोर की ओर

पटना, वार्ता : कप्तान शुभम शर्मा (नाबाद 134) और वेंकटेश अय्यर (नाबाद 118) की शतकीय पारियों की बदौलत मध्यप्रदेश ने बुधवार को रणजी ट्रॉफी के ग्रुप सी मुकाबले की पहली पारी में चार विकेट पर 381 रन बनाकर बड़े स्कोर की ओर कदम बढ़ा दिया हैं। मप्र ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी मध्यप्रदेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 16वें ओवर में यश दुबे (21) का विकेट गवां दिया। उसके हिमांशु (41), रजत पाटीदार (45) और हरप्रीत सिंह (20) रन बनाकर पवेलियन लौट गए। उस समय टीम का स्कोर चार विकेट पर 147 रन था। ऐसे समय में शुभम शर्मा और वेंकटेश अय्यर ने पारी को संभाला और तेजी के साथ रन भी बटोरे। इस दौरान दोनों बल्लेबाजों ने अपने-अपने शतक पूरे किए। दिन का खेल समाप्त होने के समय मध्यप्रदेश ने चार विकेट पर 381 रन बना लिए थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- dailyloktantra@gmail.com

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)